आम आदमी का अपना दैनिक अखबार

तरुण छत्तीसगढ़

E-mail:
tarunpressraipur@gmail.com
tarun_press@yahoo.co.in

Web:
www.tarunchhattisgarh.in
facebook.TarunChhattisgarh
phone: 0771-2543112

■ रायपुर,सोमवार 06 अक्टूबर 2025 ■ आश्विन शुक्ल पक्ष-14 ■ वर्ष -41 ■ अंक-189 ■ पृष्ठ 8 ■ डाक संस्करण 07 अक्टूबर 2025 ■ मूल्य-2.00 रुपये

बिलासपुर एयरपोर्ट का होगा विस्तार

साय और केंद्रीय राज्य मंत्री ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से की विस्तृत चर्चा

नई दिल्ली,6 अक्टूबर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात कर बिलासा देवी केंवट एयरपोर्ट, चकरभाठा (बिलासपुर) के विस्तारीकरण से संबंधित विषयों पर विस्तृत चर्चा की. इस महत्वपूर्ण बैठक में केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री और बिलासपुर के सांसद तोखन साहू भी शामिल रहे. बैठक के दौरान मुख्यमंत्री साय और केंद्रीय राज्य मंत्री साहू ने रक्षा मंत्रालय के अधीन लगभग 100 एकड़ भूमि राज्य सरकार को हस्तांतरित करने का अनुरोध किया, जिससे बिलासा देवी केंवट एयरपोर्ट के विस्तारीकरण की दिशा में निर्णायक प्रगति हो सके. दोनों नेताओं ने बताया कि भूमि उपलब्ध होने पर एयरपोर्ट के विस्तार कार्य को प्राथमिकता के साथ प्रारंभ किया जाएगा, जिससे बिलासपुर और आसपास के क्षेत्रों में हवाई संपर्क, व्यापारिक गतिविधियों

और औद्योगिक विकास को नई दिशा मिलेगी. यह क्षेत्र राज्य के मध्य भाग में स्थित होने के कारण भौगोलिक रूप से रणनीतिक महत्व रखता है. इस कारण से बिलासा देवी केंवट एयरपोर्ट का विकास न केवल यात्रियों की सुविधा, बल्कि प्रदेश की आर्थिक प्रगति और निवेश आकर्षण के लिए भी आवश्यक माना जा रहा है. बैठक में एयरपोर्ट परिसर के समीप 'इंडस्ट्रियल पार्क' विकसित करने की संभावनाओं पर भी सकारात्मक विमर्श हुआ, जिससे स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के अवसरों का सृजन और उद्योगों के लिए बेहतर लॉजिस्टिक कनेक्टिविटी सुनिश्चित की जा सके.

पीएम मोदी भी आने वाले हैं छत्तीसगढ़: छत्तीसगढ़ अपना 25वां स्थापना दिवस मनाने की तैयारियों में जुटा है. शासन स्तर पर हर जिले में स्थापना दिवस पर रंगारंग कार्यक्रम आयोजित किए जाने हैं.

अब छत्तीसगढ़ में भी बिना पर्ची के नहीं मिलेगा कफ सिरप

रायपुर,6 अक्टूबर। मध्य प्रदेश में 'कोल्ड्रिफ' कफ सिरप पीने से 14 बच्चों की मौत के बाद केंद्र सरकार ने सभी राज्यों को एडवाइजरी जारी की है। इसके बाद छत्तीसगढ़ में भी स्वास्थ्य विभाग अलर्ट मोड पर आ गया है। अब राज्य के सभी मेडिकल स्टोर संचालकों को निर्देश दिए गए हैं कि बिना डॉक्टर की प्रिस्क्रिप्शन किसी भी कफ सिरप या कंबिनेशन ड्रग्स का वितरण नहीं किया जाएगा। नियम तोड़ने पर कड़ी कार्रवाई होगी। केंद्रीय स्वास्थ्य अधिकारियों ने रविवार को वीडियो कान्फ्रेंसिंग के जरिए प्रदेश के नियंत्रक खाद्य एवं औषधि प्रशासन से चर्चा की और मेडिकल स्टोरों में सरप्राइज जांच करने के निर्देश दिए।

अभी तक प्रदेश सप्लाई नहीं–'कोल्ड्रिफ' कफ सिरप का डिपो राज्य में मौजूद नहीं है। हालांकि उसी फार्मूले वाला स्टैंडर्ड कफ सिरप नियंत्रक खाद्य एवं औषधि प्रशासन की मंजूरी के बाद ही मेडिकल स्टोरों में उपलब्ध हैं। राजधानी में लगभग 3 हजार और पूरे प्रदेश में 8 हजार मेडिकल स्टोर हैं। प्रदेश में दवा कारोबार करीब 500 करोड़ रुपये का है। अधिकारियों ने मरीजों, डॉक्टरों और मेडिकल स्टोर संचालकों के लिए विशेष एडवाइजरी जारी की है।

जारी की गई यह एडवायजरी –मरीजों के लिए: सर्दी, खांसी और बुखार वाले बच्चों को तुरंत सरकारी अस्पताल ले जाएं। अगर बच्चा 6 घंटे तक पेशाब नहीं करता है तो तुरंत डाक्टर से संपर्क करें।

संक्षेप

जयपुर के एसएमएस अस्पताल में अग्निकांड, 7 मरीजों की जलकर दर्दनाक मौत

जयपुर ,6 अक्टूबर । जयपुर के सवाई मान सिंह (एसएमएस) अस्पताल के ट्रॉमा आईसीयू में रविवार देर रात लगी भीषण आग में 7 मरीजों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि 5 की हालत गंभीर बताई जा रही है। हादसे की सूचना मिलते ही मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा मौके पर पहुंचे और राहत-बचाव कार्य का जायजा लिया। अस्पताल के इंचार्ज जगदीश मोदी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में शॉर्ट सर्किट से आग लगने की बात सामने आई है। अचानक लगी आग ने एक-दो मिनट में पूरे आईसीयू वार्ड को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे अफरातफरी मच गई। अस्पताल स्टाफ ने तुरंत मरीजों को दूसरे वार्डों में शिफ्ट किया। जयपुर पुलिस आयुक्त बीजू जॉर्ज जोसेफ ने बताया कि आग पर काबू पा लिया गया है, लेकिन पूरा आईसीयू वार्ड जलकर खाक हो गया है। दमकलकर्मियों को आग बुझाने में कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। उन्होंने बताया कि धुएं के बाहर न निकल पाने के कारण स्थिति बेहद विकट थी। एक दमकलकर्मी ने बताया कि आग पर पूरी तरह काबू पाने और घायलों को बाहर निकालने में करीब डेढ़ से दो घंटे का समय लगा। इस दौरान दमकलकर्मी और अस्पताल स्टाफ ने जोखिम उठाकर मरीजों को बाहर निकाला। चश्मदीदों के अनुसार आग लगते ही अस्पताल में भगदड़ मच गई थी। कुछ स्टाफ आग बुझाने में जुट गया, जबकि बाकी मरीजों को बाहर निकालने में मदद कर रहे थे। कई मरीजों की मौत दम घुटने से हुई बताई जा रही है।

कनाडा में तीन जगहों पर फायरिंग, लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने ली जिम्मेदारी

टोरंटो/नई दिल्ली ,06 अक्टूबर। कुख्यात गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के नेटवर्क ने एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी मौजूदगी का दावा किया है। कनाडा में रविवार देर रात तीन अलग-अलग जगहों पर हुई फायरिंग की जिम्मेदारी बिश्नोई गैंग ने सोशल मीडिया पर ली है। गैंग की ओर से किए गए पोस्ट में लिखा गया है कि 2 नंबर के धंधे यानी अवैध कारोबार करने वालों से वसूली की जाती है, मेहनत करने वालों से नहीं।

गैंग की ओर से पुर्तगाल में रहने वाले फतेह पुर्तगाल ने इन घटनाओं की जिम्मेदारी ली है। उसने सोशल मीडिया पर फायरिंग का एक वीडियो भी साझा किया, जिसमें एक शूटर अत्याधुनिक हथियार से गोलियां चलाता नजर आ रहा है। यह वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। कनाडाई पुलिस ने सभी घटनास्थलों को सील कर जांच शुरू कर दी है। शुरुआती रिपोर्टों के अनुसार, फायरिंग में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

2 महिला समेत 3 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

गरियाबंद,6 अक्टूबर। नक्सल मोर्चे पर गरियाबंद पुलिस को एक और बड़ी कामयाबी मिली है. गरियाबंद-धमतरी-नुआपड़ा डिवीजन में सक्रिय तीन नक्सलियों ने पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है. आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों में नागेश समेत 2 महिला नक्सली- जैनी और मनीला शामिल है.

नागेश ने देशी हथियार के साथ पुलिस में सरेंडर किया है. तीनों नक्सलियों पर 1-1 लाख रुपए का इनाम घोषित था. बताया जा रहा है कि ये सभी पिछले 5 से 8 सालों से नक्सल गतिविधियों में सक्रिय थे और कई बड़ी माओवादी वारदातों में शामिल रहे हैं. ये तीनों नक्सली बड़े माओवादी नेताओं के करीबी सहयोगी के रूप में काम करते थे. पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, आत्मसमर्पण करने

वाले नक्सलियों ने सरकार की समर्पण एवं पुनर्वास नीति से प्रभावित होकर हथियार डाले हैं. अब तक इस अभियान के तहत इलाके में सक्रिय नक्सलियों की संख्या घटकर 30 रह गई है गरियाबंद एसपी निखिल राखेचा ने बताया कि यह आत्मसमर्पण नक्सल उन्मूलन की दिशा में एक अहम उपलब्धि है और इससे क्षेत्र में शांति स्थापना को नई दिशा मिलेगी.

सालभर बाद भाजपा का सहयोग केंद्र आज से फिर शुरू

रायपुर,6 अक्टूबर। प्रदेश भाजपा ने एक बार फिर कार्यकर्ताओं की समस्याएं सुनने और निराकरण को लेकर भाजपा कार्यालय (कुशाभाऊ ठाकरे परिसर) में 'सहयोग केंद्र' के संचालन करने का निर्णय लिया है. इसकी शुरुआत कल 6 अक्टूबर सोमवार से होगी. पहले दिन राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा दोपहर 2 से शाम 5 बजे के बीच कार्यकर्ताओं की समस्याएं सुनेंगे और निराकरण करेंगे. इसके लिए कार्यकर्ताओं को दोपहर 1 से 2 बजे के बीच पंजीयन कराना होगा. पूर्व अनुभव को देखते हुए इस बार भाजपा नेता सच्चिदानंद उपासने को सहयोग केंद्र की जिम्मेदारी सौंपी गई है. डिप्टी सीएम अरुण साव ने ठाकरे परिसर में सहयोग केंद्र की फिर से शुरूआत होने पर कहा कि कार्यकर्ताओं के साथ संवाद और सहयोग हमारी प्राथमिकता है. हर मंत्री को पार्टी कार्यालय में बारी-बारी से बैठना होगा. उन्होंने बताया कि वह भी 14 अक्टूबर को पार्टी कार्यालय में बैठेंगे और कार्यकर्ताओं की बात सुनेंगे. पत्रकारों से चर्चा के दौरान उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि राज्य के खनिज राजस्व में 25 सालों में 34 गुना की बढ़ोत्तरी की गई है. यह उपलब्धि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के सुशासन का परिणाम है.

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री साय के नेतृत्व में सरकार बनने के बाद छत्तीसगढ़ को विकसित प्रदेश बनाने के लिए संसाधनों के उपयोग के लिए समीक्षा की गई. नई औद्योगिक नीति से निवेश बढ़ाने के लिए प्रोत्साहन दिया गया. साथ ही कृषि और युवाओं के कौशल विकास के लिए कार्य किया जा रहा है. उप मुख्यमंत्री साव ने कहा कि छत्तीसगढ़ स्वास्थ्य विभाग कोल्ड्रिफ कफ सिरफ के मामले को लेकर सचेत है. एहतियातन कदम उठाए जा रहे है. सरकार के संज्ञान में यह मामला है. उन्होंने कहा कि विभिन्न प्रदेशों में जो कफ सिरफ की छत्तीसगढ़ में आपूर्ति नहीं है. इसलिए डरने की बात नहीं है. उल्लेखनीय हैं कि वर्ष 2023 में राज्य की सत्ता में चौथी बार भाजपा काबिज हुई. तब प्रदेश भाजपा ने कार्यकर्ताओं की समस्या सुनने और निराकरण करने के लिए मंत्रियों की सहयोग केंद्र में ड्यूटी लगाई. यह सहयोग केंद्र पहले लोकसभा और फिर नगरीय चुनाव की आचार संहिता के चलते प्रभावित हुआ, अततः अक्टूबर 2024 में इसे बंद कर दिया गया. करीब सालभर बाद फिर कार्यकर्ताओं की मांग पर यह सहयोग केंद्र शुरू किया जा रहा है. पहले चरण में पांच मंत्रियों की ड्यूटी लगाई है, इसमें 6 अक्टूबर को राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा, 7 अक्टूबर को स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव, 8 अक्टूबर को वन मंत्री केदार कश्यप, 9 अक्टूबर को तकनीकी शिक्षा मंत्री गुरु खुशवंत साहेब और 10 अक्टूबर को खाद्य मंत्री दयालदास बघेल मौजूद रहेंगे.

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच रक्षा संबंध और गहरे होने जा रहे

नई दिल्ली,6 अक्टूबर। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच रक्षा संबंध और गहरे होने जा रहे हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की सिडनी यात्रा (9–10 अक्टूबर) के दौरान तीन महत्वपूर्ण करारों पर हस्ताक्षर होंगे– जिनका दायरा सूचना-साझेदारी, समुद्री सुरक्षा, और संयुक्त सैन्य गतिविधियों तक फैला है। यह पहल उस समय हो रही है जब भारत और ऑस्ट्रेलिया अपनी "समग्र रणनीतिक साझेदारी" (Comprehensive Strategic Partnership) की पांचवीं वर्षगांठ मना रहे हैं। देखा जाये तो भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच आगामी रक्षा समझौते केवल द्विपक्षीय संबंधों का विस्तार नहीं, बल्कि इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में उभरती शक्ति-संरचना का भी संकेत हैं। हम आपको बता दें कि भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच रक्षा संबंध पिछले दशक में तीव्र गति से विकसित हुए हैं। दोनों देशों के बीच न केवल सेनाओं के स्तर पर बढ़ते संवाद और संयुक्त अभ्यासों ने विश्वास की नींव मजबूत की है, बल्कि रक्षा-औद्योगिक सहयोग की दिशा में भी नई संभावनाएँ खुली हैं। दोनों देशों के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और रिचर्ड मार्ल्स, इस यात्रा के

दौरान रक्षा उत्पादन, तकनीकी साझेदारी और समुद्री निगरानी प्रणालियों पर नई पहलें शुरू करने वाले हैं। इस यात्रा की विशेषता यह है कि यह 2014 के बाद किसी भारतीय रक्षा मंत्री की पहली आधिकारिक ऑस्ट्रेलिया यात्रा है। ऐसे समय में जब हिंद महासागर क्षेत्र में चीन की गतिविधियाँ लगातार आक्रामक होती जा रही हैं, भारत और ऑस्ट्रेलिया का यह रणनीतिक संवाद सुरक्षा के एक बड़े भू-राजनीतिक संदर्भ में देखा जा रहा है। भारत और ऑस्ट्रेलिया, दोनों ही "मुक्त और खुला इंडो-पैसिफिक (Free and Open Indo-Pacific)" सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यह अवधारणा केवल समुद्री सुरक्षा तक सीमित नहीं, बल्कि नियम-आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को बनाए रखने की एक साझा रणनीति है। चीन द्वारा दक्षिण चीन सागर, सोलोमन द्वीपों और हिंद महासागर में की जा रही सैन्य गतिविधियाँ इस क्षेत्र में शक्ति असंतुलन का संकेत देती हैं। ऐसे में, भारत–ऑस्ट्रेलिया की साझेदारी उस असंतुलन को संतुलित करने की दिशा में ठोस प्रयास है। हम आपको बता दें कि आगामी "ऑस्ट्राहिंद 2025" युद्धाभ्यास, जो 13 से 26 अक्टूबर तक पर्थ के इरविन बैरक में आयोजित होगा, इस रणनीतिक सहयोग की एक और महत्वपूर्ण कड़ी है।

'सनातन का अपमान, नहीं सहेंगे' का नारा लगाकर चीफ जस्टिस गवई पर जूता फेंकने की कोशिश

नई दिल्ली,6 अक्टूबर। देश के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई पर जूता फेंकने की कोशिश की गई है। यह वाकया सोमवार को शीर्ष अदालत के परिसर में ही हुआ। यह घटना तब हुई, जब चीफ जस्टिस एक केस की सुनवाई कर रहे थे। इस घटना को एक 60 वर्षीय वकील ने ही अंजाम देने की कोशिश की, जिसका नाम राकेश किशोर बताया जा रहा है। पुलिस ने वकील को हिरासत में ले लिया है और उससे पूछताछ की जा रही है। इस मामले में चीफ जस्टिस बीआर गवई का भी बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि मुझे ऐसी चीजों से फर्क नहीं पड़ता। शख्स ने चीफ जस्टिस बीआर गवई को निशाना बनाते हुए बेंच की तरफ उछालने की कोशिश की, लेकिन उसे पहले ही पकड़ लिया गया। इस तरह चीफ जस्टिस को कोई नुकसान नहीं पहुंचा और हमलावर को हिरासत में ले लिया गया। इस वाकये को लेकर चीफ जस्टिस बेपरवाह दिखे और वह केस की सुनवाई करते रहे। उन्होंने कहा कि मैं ऐसा आखिरी व्यक्ति हूं, जिसे इस तरह की चीजों का सामना करना पड़ा है। इसके साथ ही वह उस मामले की सुनवाई में जुट गए, जिस केस को वह सुन रहे थे। मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि हमला करने वाला शख्स नारा लगा रहा था, 'सनातन धर्म का अपमान नहीं सहेगा हिन्दुस्तान।' ऐसा नारा लगाते हुए शख्स ने बेंच की तरफ जूता उछालने की कोशिश की। अदालत में मौजूद सुरक्षाकर्मी हरकत में आए और तुरंत ही शख्स को पकड़ लिया। फिलहाल पूछताछ की जा रही है कि आखिर उसने चीफ जस्टिस की ओर जूता क्यों उछालने का प्रयास किया। मौके पर मौजूद एक वकील ने बताया कि चीफ जस्टिस इस वाकये से बिलकुल परेशान नहीं हुए और सामान्य रूप से कामकाज जारी रखा।

आरोपी राकेश किशोर के पास मिला एंट्री कार्ड-राकेश किशोर के पास से एक एंट्री कार्ड भी मिला है, जो वकीलों और क्लर्कों को जारी किया जाता है। घटना की जानकारी मिलते ही नई दिल्ली जिला के डीसीपी और सुप्रीम कोर्ट के डीसीपी पहुंच गए। राकेश किशोर नाम के वकील को हिरासत में लिया गया है और उससे पूछताछ की जा रही है कि आखिर उसने ऐसी घटना को अंजाम क्यों दिया है।

लव अफेयर में मर्डर: महामंडलेश्वर पूजा की 3 राज्यों में तलाश

अलीगढ़,6 अक्टूबर। यूपी के अलीगढ़ के रोरावर क्षेत्र में बाइक शोरूम मालिक अभिषेक की हत्या के मामले में फरार 25 हजार की इनामी महामंडलेश्वर अन्नपूर्णा भारती उर्फ पूजा शकुन पांडेय की तलाश में पुलिस की

चार टीमें लगी हैं। उत्तर प्रदेश के अलावा राजस्थान, मध्यप्रदेश के उज्जैन में पुलिस दबिश दे रही है। सूत्रों का कहना है कि पूजा ने धार्मिक स्थल में पनाह ले रखी है। पुलिस का दावा है कि एक-दो दिन में ही उसकी गिरफ्तारी हो सकती है। 26 सितंबर की रात को हाथरस के सिकंदराराऊ क्षेत्र के गांव कचौरा निवासी 25 वर्षीय अभिषेक गुप्ता की बाइक सवार दो लोगों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। पुलिस ने दोनों शूटरों के अलावा महामंडलेश्वर पूजा शकुन पांडेय के पति अशोक पांडेय को जेल भेज दिया। पुलिस के अनुसार पूजा और अशोक ने तीन लाख रुपये में हत्या की सुपारी दी थी। पूजा के अभिषेक से संबंध थे। वह अभिषेक को दूर नहीं होने देना चाहती थी। जब उसने खैर में टीवीएस का शोरूम खोला तो उसमें भी पार्टनरशिप की बात कहती थी। एसएसपी ने पूजा पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया है। साथ ही उसके गैर-जमानती वारंट भी जारी हो गए हैं। एएसपी और सीओ प्रथम मयंक पाठक ने बताया कि पुलिस गैर राज्यों में भी पूजा को तलाश रही है।

पूजा के खिलाफ कुर्की की तैयारी-गैर जमानती वारंट लेने के साथ ही पुलिस ने पूजा की धरपकड़ तेज कर दी है। अगर पूजा पकड़ में नहीं आती या हाजिर नहीं होती तो उसके खिलाफ पहले फरारी की उद्घोषणा जारी की जाएगी। इसके बाद कुर्की की कार्रवाई भी होगी। पुलिस ने पूजा को संपत्ति को भी चिह्नित कर लिया है। बताया जा रहा है कि पूजा ने कुछ स्थानों पर कब्जा भी कर रखा था, जिसे लेकर लोगों ने शिकायतें भी की थीं।

ऑपरेशन सिंदूर में भारत ने तोड़ दिए थे पाकिस्तान के एफ-16 विमान, अमेरिका ने जाकर सुधारे

नई दिल्ली,6 अक्टूबर। ऑपरेशन सिंदूर में भारत की मार के सामने तबाह हुए पाकिस्तानी वायुसेना में सुधार का काम जारी है। खबर है कि इसके लिए अमेरिका ने हाथ आगे बढ़ाया है। हालांकि, इसे लेकर आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा गया है। माना जा रहा है कि भारत की कार्रवाई में पाकिस्तान के कई F-16 विमानों को भी भारी नुकसान हुआ है। पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था, जिसके तहत पाकिस्तानी क्षेत्र में मौजूद आतंकवादी ठिकानों पर कार्रवाई की गई थी। सीएनएन-न्यूज18 की रिपोर्ट के अनुसार, भारत की तरफ से की

गई स्ट्राइक्स में पाकिस्तान के साब ईरी 2000 AWACS, एक लॉकहीड सी-130 और कम से कम चार एफ-16 लड़ाकू विमानों को नुकसान पहुंचा है। इसके अलावा कई रडार सिस्टम, कमांड और कंट्रोल यूनिट्स और एयर डिफेंस सिस्टम्स को भी नुकसान हुआ है। कहा जा रहा है कि सबसे ज्यादा नुकसान पाकिस्तानी वायुसेना के भोलारी एयरबेस पर हुआ है, जहां एक एफ-16 विमान हैंगर में खड़ा था। रिपोर्ट के अनुसार, भोलारी एयरबेस पर ही मौजूद ईरी विमान को बाद में अमेरिकी वायुसेना को इंजीनियर्स ने तत्काल जाकर रिपेयर किया था। रिपोर्ट में पाकिस्तानी रक्षा सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि रिपेयरिंग और अपग्रेड के लिए गुप्त अपातकाल फंड में से 400 से 470 मिलियन डॉलर को मंजूरी दी गई थी। इसमें यह भी कहा गया है कि अमेरिका ने कथित तौर पर चीन को रिपेयरिंग के काम में शामिल होने से रोक दिया था। रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तानी सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मदद मांगी थी। इसके बाद अमेरिका ने दोहा के अल उदीद एयरबेस, अबु धाबी के अल दाफरा और मेरीलैंड के बेथेस्दा से विशेष टीमों को रवाना किया था। हालांकि, यह कहा जा रहा है कि हुए नुकसान में से अधिकांश को ठीक किया जा चुका है।

ब्रह्मोस से भी खतरनाक 'ध्वनि' मिसाइल तैयार

नई दिल्ली,6 अक्टूबर। भारत अपनी हाइपरसोनिक हथियारों की दौड़ में तेजी से आगे बढ़ रहा है. रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO) 'ध्वनि' नामक नई पीढ़ी की मिसाइल के परीक्षण की तैयारी कर रहा है. यह मिसाइल लगभग 7400 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से उड़ेगी. भारत-रूस की ब्रह्मोस मिसाइल से ज्यादा दूर रेंज होगी और तेज होगी. पहला प्रदर्शन परीक्षण 2025 के अंत तक हो सकता है. यह भारत की तेज हमले की क्षमता को मजबूत करेगा.

ध्वनि डीआरडीओ के हाइपरसोनिक टेक्नोलॉजी डेमॉन्स्ट्रेटर व्हीकल (एचएसटीडीवी) प्रोग्राम पर आधारित है. 2020 में एचएसटीडीवी ने स्क्रैमजेट इंजन का सफल परीक्षण किया था. ध्वनि एक हाइपरसोनिक ग्लाइड व्हीकल (एचजीवी) है, जो बैलिस्टिक बूस्टर से ऊंचाई पर पहुंचती है. फिर हवा में ग्लाइड करती है. यह मिसाइल हवा, समुद्र और जमीन से लॉन्च हो सकेगी. इसकी रेंज 1,500 किलोमीटर तक है. एयरोनॉटिकल रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेंटर (एआरडीसी) और डिफेंस मेटलर्जिकल रिसर्च लेबोरेटरी (डीएमआरएल) ने इसे बनाया. इसमें हीट-रेजिस्टेंट सिरेमिक और कोटिंग्स हैं, जो ऊंची गर्मी झेल सकें. ब्रह्मोस भारत-रूस की संयुक्त मिसाइल है, जो मच 3 (3704 km/hr) की रफ्तार से 290-600 किलोमीटर दूर हमला करती है. यह सु-30एमकेआई विमान और आईएनएस विक्रांत जैसे जहाजों पर लगी है. लेकिन ध्वनि मैक 5 से ऊपर उड़ती है, जो 10 मिनट में दूर के लक्ष्य पर पहुंच जाएगी.

एक नजर

नौकरी का झांसा देकर ठगी,3 गिरफ्तार

भिलाई, 6 अक्टूबर। भिलाई पढ़ी-लिखी बच्चियों को अच्छी नौकरी का झांसा देकर ट्रेनिग एवं रजिस्ट्रेशन, कंपनी के नाम पर ड्रेस, कंपनी के नामिनी, आईडी एवं ईन्शुरेन्स के लिये रुपए ऐंठकर ठगी करने वाले तथाकथित कंपनी मैनेजर सहित तीन आरोपियों को पद्मनाभपुर थाने पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है फोन बदमी पद्मनाभपुर टीआई राजकुमार लहरे ने बताया कि 3 अक्टूबर को प्रार्थिया ने पद्मनाभपुर थाना में लिखित शिकायत आवेदन प्रस्तुत किया कि उसके घर की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होने से प्राइवेट नौकरी की तलाश कर रही थी अप्रैल माह में सहेली के माध्यम से पता चला कि दुर्ग जिला बोरसी के कदम प्लाजा में गुडवे इंडियन फैशन प्राइवेट लिमिटेड नाम से संस्था चल रही है तो उसमें जॉब ले रहे हैं अपनी सहेली के माध्यम से 9 अप्रैल को उसने सम्पर्क किया गुडवे इंडियन फैशन प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के ब्रांच मैनेजर सत्यम पटेल, साहिल कश्यप, रामभरोष साहू से संपर्क करने पर मैनेजर ने प्रार्थिया तथा प्रार्थिया की अन्य सहेलियों से ट्रेनिंग व रजिस्ट्रेशन के लिये 3-3 हजार लिए कंपनी के नाम पर ड्रेस, कंपनी 07 की सूची के नामिनी, आईडी एवं ईन्शुरेन्स के लिये सभी से 46-46 हजार रुपए जमा कराए गए ब्रांच मैनेजर एवं अन्य के रकम जमा कराने, कंपनी में नौकरी लगाने का झांसा देकर प्रार्थिया के साथ धोखाधड़ी करने वाले ब्रांच मैनेजर एवं अन्य के विरूद्ध कानूनी कार्रवाई के लिए लिखित आवेदन पर आरोपियों के विरूद्ध धारा 318(4), 3(5) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज किया।

नहर में मिली युवक की लाश

भिलाई, 6 अक्टूबर। भिलाई नंदिनी थाना क्षेत्र के पटकनी पुलिया के पास तांदुला नहर में एक युवक की लाश मिलने से सनसनी फैल गई इस मामले में पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए शव को मेडिकल कॉलेज भेज दिया है नंदिनी प्रभारी पारस ठाकुर ने बताया कि मान सिंह कुर्रे पिता इतवारी कुर्रे 48 वर्ष निवासी सतनामी पारा अहिवारा शनिवार से घर से लापता चल रहा था मृतक का घर नहर किनारे है। ऐसे में पुलिस उसके नहर में गिरने से डूबने की भी आशंका जता रही है पीएम रिपोर्ट के बाद मामले का असल खुलासा हो पाएगा फिलहाल पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर जांच में लिया है। वहींए स्थानीय लोगों के मुताबिक मान सिंह के दो बेटी और एक बेटा है दोनों बेटियों की शादी हो चुकी है फिलहाल पुलिस मर्ग कायम कर विवेचना कर रही है।

राज्यपाल रमेन डेका 7 अक्टूबर को जीपीएम जिले के प्रवास पर रहेंगे

गौरेला पेंड्रा मरवाही, 6 अक्टूबर। छत्तीसगढ़ के राज्यपाल रमेन डेका 5 से 7 अक्टूबर तक मुंगेली, कोरबा, सरगुजा, बलरामपुर, सूरजपुर, कोरिया और जीपीएम जिले के प्रवास पर रहेंगे। निर्धारित दौरा कार्यक्रम के अनुसार वे 7 अक्टूबर मंगलवार को सुबह 11.30 बजे बैकुंठपुर जिला कोरिया से विश्राम गृह गौरेला के लिए प्रस्थान करेंगे और 1बजे विश्राम गृह पहुंचे तथा दोपहर का भोजन करेंगे। वे 3.25 बजे विश्राम गृह से प्रस्थान कर 3.30 बजे कलेक्टर कार्यालय में प्रशासनिक अधिकारियों की बैठक लेंगे। बैठक के बाद राज्यपाल श्री डेका सड़क मार्ग से राजभवन रायपुर के लिए प्रस्थान करेंगे।

खर्रानाला स्टापडेम निर्माण कार्य के लिए मिली प्रशासकीय स्वीकृति

रायपुर, 6 अक्टूबर। राज्य शासन ने बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के विकासखंड शंकरगढ़ में खर्रानाला स्टापडेम निर्माण कार्य के लिए प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की है। योजना की कुल स्वीकृत लागत 3.74 करोड़ रूपये (तीन करोड़ चौहत्तर लाख उन्नीस हजार रुपये) निर्धारित की गई है।इस योजना का उद्देश्य क्षेत्र में निस्तारी, भू-जल संवर्धन, पेयजल उपलब्धता तथा लगभग 50 हेक्टेयर क्षेत्र में कृषकों द्वारा सिंचाई सुनिश्चित करना है। प्रस्ताव को वित्त एवं योजना विभाग की समिति द्वारा अनुमोदन प्राप्त हुआ तथा तत्पश्चात माननीय मंत्री जी द्वारा प्रशासकीय स्वीकृति दी गई।राज्य शासन ने निर्देश दिए हैं कि कार्य स्वीकृत राशि और समय-सीमा के भीतर पूर्ण किया जाए, तकनीकी स्वीकृति प्राप्त करने के बाद ही निविदा आमंत्रित की जाए तथा निविदा प्रक्रिया पारदर्शी रखी जाए। कार्य की गुणवत्ता, वित्तीय अनुशासन और शासकीय नियमों का पूर्ण पालन सुनिश्चित किया जाए।यह परियोजना क्षेत्र में जल संसाधन विकास, भू-जल संवर्धन और कृषकों की सिंचाई आवश्यकताओं की पूर्ति की दिशा में राज्य शासन का एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होगी।

बस्तर दशहरा लोकोत्सव के दूसरे दिन संगीत और संस्कृति का शानदार संगम

जगदलपुर, 6 अक्टूबर । शहर के लालबाग में आयोजित बस्तर दशहरा लोकोत्सव के दूसरे दिन का आयोजन संगीत और सांस्कृतिक रंगों से सराबोर रहा। सारेगामा फेम गायिका रूपाली जग्गा ने अपनी मनमोहक आवाज में एक से बढ़कर एक गीत प्रस्तुत कर दर्शकों का दिल जीत लिया। उनके गीतों पर दर्शक झूम उठे और पूरा आयोजन स्थल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा एवं दर्शकों ने मोबाइल के टार्च से गायिका का उत्साहवर्धन किया ।कार्यक्रम में स्थानीय कलाकारों ने भी पारंपरिक नृत्य, शास्त्रीय नृत्य और गीतों के माध्यम से बस्तर की समृद्ध लोकसंस्कृति की झलक प्रस्तुत की। इसके अलावा स्कूली छात्र-छात्राओं, समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित दृष्टि एवं श्रवण बाधित स्कूल के बच्चों ने भी शानदार प्रस्तुतियों ने दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया।

शरद पूर्णिमा को मनाया जाएगा संत शिरोमणि आचार्य का अवतरण महोत्सव

भिलाई, 6 अक्टूबर। संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर महाराज एवं आचार्य समय सागर महाराज का अवतरण महोत्सव इस वर्ष शरद पूर्णिमा 7 अक्टूबर को उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया जाएगा। यह भव्य आयोजन नेहरू नगर दिगम्बर जैन मंदिर परिसर में आर्यिका अक्षयमति माताजी एवं निर्मदमति माताजी के पावन सानिध्य में संपन्न होगा। गुरू गरिमा दिवस के अंतर्गत चल रहे त्रय विधान महोत्सव के दूसरे दिन श्रद्धालुओं ने ऋद्धिधारी मुनिराज की आराधना करते हुए चौंसठ ऋद्धि मंडल विधान संपन्न किया। प्रातःकाल आर्यिका माताजी के मुखारविंद से हुई मंगल शांतिधारा का लाभ अनिल-ऊषा जैन एवं महावीर-अर्चना पाटनी परिवार ने प्राप्त

किया। इस अवसर पर भिलाई नगर के गौरव मुनि 108 प्रणेयसागर महाराज का दीक्षा दिवस भी मनाया गया। साथ ही आचार्य विशुद्धसागर महाराज के तेल चित्र का अनावरण एवं दीप प्रज्वलन कर अर्घ्य समर्पित किए गए। विधान के दौरान सोधर्म इन्द्र बनकर अर्घ्य समर्पित करने का सौभाग्य अनिल-ऊषा जैन, ईशान इन्द्र-श्वेता भारत गोधा, सानत इन्द्र-विजय सरला जैन, महेन्द्र इन्द्र-सीमा चौधरी एवं कुबेर इन्द्र-रूचि आर.के. सिंघई परिवार को प्राप्त हुआ। आर्यिका अक्षयमति माताजी ने विधान के साथ चौंसठ ऋद्धियों एवं उन्हें धारण करने वाले महामुनिराजों की ऐश्वर्य, शक्ति और महिमा पर विस्तृत प्रकाश डाला। उन्होंने आचार्य विद्यासागर महाराज के दीक्षा दिवस की प्रेरक स्मृतियों का उल्लेख करते हुए सभी से उनके आदर्शों पर चलने का आह्वान किया। पूरे धार्मिक अनुष्ठान की विधि पूर्वक पूजा-अर्चना का संचालन विधानाचार्य पं. नमन भैय्या ने किया। आयोजन में संयोजक जिनेन्द्र जैन, क्षितिज जैन, उपाध्यक्ष रमेश नाहर, सौरभ जैन, आनंद जैन, गौरव जैन, नागेन्द्र मोहन, सचिन जैन, अध्यक्ष मनित जैन, अंगूरी जैन, चेल्लना जैन एवं सुनिता जैन ने धर्मलाभ प्राप्त किया।

कलेक्टर ने राजस्व संबंधी प्रकरणों की ली समीक्षा बैठक, अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश

दुर्ग, 6 अक्टूबर । कलेक्टर अभिजीत सिंह ने आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में उन्होंने नामांतरण, खाता विभाजन, सीमांकन, व्यपवर्तन, वृक्ष कटाई, त्रुटि सुधार, अभिलेख शुद्धता, कृषक पंजीयन, नक्शा बटांकन, ई-डिस्ट्रिक्ट लोक सेवा गारंटी प्रकरण, गिरदावरी, धान खरीदी, भू-आबंटन, नजूल पट्टों संबंधित प्रकरण, भू-अर्जन संबंधी प्रकरण, लोक आयोग प्रकरण इत्यादि की प्रगति की समीक्षा की। इसके अलावा बाढ़ आपदा प्रबंधन, सुशासन तिहार में प्राप्त आवेदनों के निराकरण, भौतिक सत्यापन एप्प, जाति प्रमाण पत्र एवं दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषक कल्याण योजना से संबंधित कार्यों के स्थिति की विस्तृत जानकारी ली तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

बैठक में राजस्व संबंधी विभिन्न कार्यों की गहन समीक्षा की गई। कलेक्टर श्री सिंह ने अविवादित नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, नक्शा बटांकन, डायवर्सन, और राजस्व वसूली की स्थिति की जानकारी ली और इन कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए।

रावण और ताड़का के पुतलों का दहन कर दिया समाज सुधार का संदेश

भिलाई, 6 अक्टूबर। पुरुष अधिकारों के लिए एक दशक से अधिक समय से सक्रिय राष्ट्रीय संस्था टूरा फाउंडेशन के सदस्यों ने दशहरा पर्व के अवसर पर पंथी चौक के पास गार्डन, सेक्टर 10 में रावण और ताड़का के पुतलों का दहन किया। फाउंडेशन ने परंपरागत रूप से रावण दहन के साथ ताड़का दहन कर एक विशेष संदेश दिया – समाज में व्याप्त बुराइयों और दानवी प्रवृत्तियों का अंत केवल तभी संभव है जब पुरुष और स्त्री दोनों अपने भीतर की नकारात्मकताओं का दहन करें। संस्था ने कहा कि परिवारों में बढ़ते विघटन और तनाव को समाप्त करने के लिए आवश्यक है कि समाज लैंगिक पूर्वाग्रहों को त्यागें और बिना किसी भेदभाव के मानवीय स्तर पर अच्छाई और बुराई की पहचान करें। इस अवसर पर टूरा फाउंडेशन के अध्यक्ष प्रवीण कलमेघ, सचिव अर्घो बिस्वास, कोषाध्यक्ष सौरभ बैनर्जी, तथा सदस्य दिनेश कुमार साहू, वेदराम कौशिक, कमल, अरुण सोनी, अभिषेक यादव एवं अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

कॉन्टेक्ट- कनेक्ट टू एक्ट के 15वें रक्तदान शिविर में किया गया 105 यूनिट रक्त संग्रह

भिलाई, 6 अक्टूबर। सामाजिक संस्था कॉन्टैक्ट-कनेक्ट टू एक्ट द्वारा आयोजित 15वां वार्षिक रक्तदान शिविर रविवार को स्टील क्लब में संपन्न हुआ। इस अवसर पर पुरुषों के साथ-साथ महिलाओं ने भी उत्साहपूर्वक भागीदारी निभाई, जिसके परिणामस्वरूप कुल 105 यूनिट रक्त का संग्रह किया गया। भिलाई बिरादरी के सदस्यों द्वारा संचालित यह संस्था हर वर्ष गांधी जयंती के बाद आने वाले रविवार को रक्तदान शिविर का आयोजन करती है। शिविर के दौरान दंत रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रीति पंसारी द्वारा निःशुल्क दंत परीक्षण शिविर लगाया गया, जिसका अनेक लोगों ने लाभ

उठाया। साथ ही बच्चों के लिए विभिन्न वर्गों में ऑन-द-स्पॉट पेंटिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसके विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए। रक्तदान शिविर में हीमोग्लोबिन व रक्तचाप जांच के साथ-साथ आहार (डाइट) संबंधी परामर्श की भी सुविधा उपलब्ध कराई गई थी। इस आयोजन में रेड क्रॉस ब्लड बैंक ने रक्त संकलन में प्रमुख सहयोगी की भूमिका निभाई।कॉन्टेक्ट संस्था के अध्यक्ष संदीप झा ने शिविर में सहयोग देने वाले सभी सहभागी संस्थानों, चिकित्सकों, रेड क्रॉस ब्लड बैंक और स्टील क्लब प्रबंधन का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

मौसम में होगा बदलाव, वर्षा में कमी कुछ स्थानों पर वज्रपात की संभावना

भिलाई, 6 अक्टूबर। रविवार को हुई अच्छी वर्षा के बाद आज आसमान में बदली और धूप का मिलाजुला खेल जारी रहा। सुबह के समय बादल छाए रहे, वहीं सुबह के बाद दोपहर में धूप खिलने से मौसम सुहावना बना रहा। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, अगले 24 घंटों में वर्षा वितरण और तीव्रता में कमी आने की संभावना है।

हालांकि, कुछ स्थानों पर मेघ गर्जन के साथ वज्रपात होने की संभावना भी व्यक्त की गई है। मौसम विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार, दक्षिण-पश्चिम मानसून की वापसी रेखा वर्तमान में 20 डिग्री उत्तरी अक्षांश, 69 डिग्री पूर्वी देशांतर, वेरावल, भरूच, उज्जैन,

झांसी, शाहजहांपुर और 30 उत्तरी अक्षांश/81 डिग्री पूर्वी देशांतर से होकर गुजर रही है। उत्तर-पूर्वी बिहार और आसपास के क्षेत्रों में एक चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है, जो औसत समुद्र तल से 4.5 किमी ऊँचाई तक फैला हुआ है। इसके अतिरिक्त, उत्तर बिहार से झारखंड होते हुए उत्तर ओडिशा तक लगभग 1.5 किमी ऊपर एक द्रोणिका बनी हुई है। इसी प्रकार, तटीय आंध्र प्रदेश से रायलसीमा और तमिलनाडु होते हुए कोमोरिन क्षेत्र तक भी लगभग 0.9 किमी ऊपर द्रोणिका बनी हुई है। जिसके प्रभाव से प्रदेश में कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है। जिले में न्यूनतम तापमान 21.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 1.8 डिग्री सेल्सियस कम है। वहीं सापेक्षिक आर्द्रता का स्तर 87 प्रतिशत रहा।

आत्महत्या के लिए उकसाने पर सास-ससुर गिरफ्तार

भिलाई, 6 अक्टूबर। भिलाई सुपेला थाना क्षेत्र एक विवाहित महिला को प्रताड़ित कर आत्महत्या के लिए उकसाने वाले सास ससुर को सुपेला पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है वहीं आरोपी पति व अन्य की पुलिस तलाश कर रही है सुपेला टीआई विजय यादव ने बताया कि तरन्नुम का शाहरूख खोखर (26 साल) निवासी कृष्णा ग्रांड सिटी के सामने शीतला कालोनी कोहका चौकी स्मृति नगर थाना सुपेला से वर्ष 2016 में विवाह सम्पन्न हुआ था।

विवाह के बाद मृतका को उसके ससुर शकील खोखर, सास शहनाज खोखर, जेठ हैदर खोखर, जेठानी बुसरा खोखर घर की

छोटी-छोटी बातों को लेकर वाद-विवाद, लड़ाई झगड़ा कर प्रताड़ित किया जाता था करीब 3 वर्ष पूर्व मृतका के ससुराल वालों ने मृतका के पति शाहरूख खोखर के लिए मोबाइल दुकान खोलने के नाम पर 30-35 लाख रूपये लोन दिया गया था। जिसकी किश्त मृतका के पति एवं परिवार वालों के द्वारा समय पर अदा नहीं किया जाता था। किश्त भरने की बात को लेकर भी मृतका के ससुराल वाले ताना मारकर मृतका को प्रताड़ित करते थे मृतका को उसके पति सास ससुर एवं जेठ जेठानी ने लोन की रकम जमा करने एवं अन्य पारिवारिक बातों को लेकर शारीरिक व मानसिक रूप से प्रताड़ित किया इससे तंग आकर 22 सितंबर की रात 8.45 बजे उसने घर के कमरे मे फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली इसके बाद पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच के बाद आरोपी शाहरूख खोखर, ससुर शकील खोखर, सास शहनाज खोखर, जेठ हैदर खोखर, जेठानी बुसरा खोखर के खिलाफ धारा 108,3 (5) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज कर लिया गया है

दूरसंचार सलाहकार समिति की बैठक में सदस्य दिनेश सोनी ने रखी थी सांसद की बात

कोरबा सांसद का प्रयास: बीएसएनएल के 22 नए टावर लगाने मिली स्वीकृति

कोरबा 6 अक्टूबर । कोरबा लोकसभा की सांसद श्रीमती ज्योत्स्ना चरणदास महंत की पहल से कोरबा जिले में बीएसएनएल के नेटवर्क को सुदृढ़ करने हेतु 22 जगह नए टावर लगाने की स्वीकृति प्राप्त हो गई है। शीघ्र ही उस पर कार्य प्रारंभ हो जाएगा और नया टावर लगा दिए जाने से उन क्षेत्रों में बीएसएनएल के उपभोक्ताओं को काफी राहत मिलेगी।

भारतीय दूर संचार निगम लिमिटेड के कोरबा कार्यालय में पदस्थ सहायक महाप्रबंधक (एजीएम) श्री टोप्पो ने सांसद से मुलाकात कर यह जानकारी दी। सांसद के प्रतिनिधि दिनेश सोनी ने बताया कि कोरबा जिले में पाली ब्लॉक के गांधी चैक, मुनगाडीह, माखनपुर, करतला ब्लॉक के ग्राम फुलसरी, कोरबा ब्लॉक के उरगा, रामपुर, भदरापारा, आरएसएस नगर, मंगल भवन, सुभाष ब्लॉक एसईसीएल, डिंगापुर, तुलसी नगर, चित्रा टॉकीज, सीएसईबी पश्चिम, साडा जमनीपाली, दादर, कटघोरा ब्लॉक के ग्राम झाबर, दीपका कटघोरा रोड, तिवरता, रलिया, अखरापाली,बिरदा, तुमान में नए टॉवर लगाए जाएंगे।

यहां गौरतलब है कि कोरबा लोकसभा की सांसद ज्योत्स्ना महन्त की तरफ प्रतिनिधि व सदस्य दूरसंचार सलाहकार समिति दिनेश सोनी ने बिलासपुर में आयोजित समिति की 25 अप्रैल 2025 की बैठक में शामिल होकर सांसद की तरफसे बात रखी थी। बीएसएनएल उपभोक्ताओं की सुविधा को अधिक से अधिक बढ़ाए जाने पर विशेष जोर दिया था।सांसद ने कहा है कि कोरबा लोकसभा क्षेत्र के शहर इलाकों में जहां बीएसएनल का नेटवर्क कई बार कमजोर हो जाता है तो दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में इसकी सुविधा अपेक्षाकृत उपलब्ध नहीं होने के कारण संचार सुविधा का लाभ ग्रामवासियों को नहीं मिल पाता है। बीएसएनल को अपने नेटवर्क के साथ-साथ टैरिफके मामले में भी राहत देने की जरूरत है। सांसद ने कहा है कि आगामी दिनों में बीएसएनएल के नए टावर लगाए जाने के बाद नेटवर्क की चली आ रही समस्या का समाधान होगा। उन्होंने एजीएम श्री टोप्पो को महत्वपूर्ण विषयों पर संज्ञान लिए जाने के लिए धन्यवाद भी दिया।

जो प्रारब्ध में लिखा, वह घटित होगा ही: आचार्य सत्येंद्र

कोरबा 6 अक्टूबर । आचार्य सत्येंद्र कृष्ण महाराज ने कहा है कि भाग्य और प्रारब्ध दो अलग विषय हैं और इनमें पर्याप्त बुनियादी अंतर है। श्रीमद् भागवत कथा के अंतर्गत परीक्षित जन्म और संबंधित प्रसंग का विवेचन करते हुए उन्होंने विषय वस्तु को समझाया।मिथलेश सिंह व परिजनो द्वारा आयोजित श्रीमद् भागवत कथा के प्रथम दिवस आचार्य सत्येंद्र कृष्ण महाराज ने कथा महात्म्य के साथ गोकर्ण व राजा परीक्षित के जन्म के प्रसंग की चर्चा की। शिवनपुर अंकोरहा में इस अनुष्ठान के अंतर्गत आचार्य सत्येंद्र कृष्ण महाराज ने कहा कि भाग्य में जो चीज शामिल हैं वे अलग-अलग कारण से प्रभावित हो जाते हैं लेकिन आपके प्रारब्ध में जो कुछ लिखा हुआ है उसे अवश्य घटित होना है। उन्होंने परीक्षित के साथ कई घटनाओं का उल्लेख किया और बात को स्पष्ट किया।

रायपुर जिले के आरंग में खुलेगा नया केंद्रीय विद्यालय

रायपुर,6 अक्टूबर। केंद्रीय मंत्रिमंडल की आर्थिक कार्य समिति ने रायपुर जिले के आरंग में नए केंद्रीय विद्यालय की स्थापना को स्वीकृति प्रदान की है। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस निर्णय के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह पहल प्रदेश के बच्चों के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के बेहतर अवसर उपलब्ध कराएगी। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ में शिक्षा के अवसरों के विस्तार की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि यह विद्यालय न केवल आरंग क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए वरदान साबित होगा, बल्कि आस-पास के ग्रामीण अंचलों में भी शिक्षा की नई चेतना जागृत करेगा।मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार राज्य के सभी अंचलों में शिक्षा के स्तर को बेहतर बनाने, स्कूलों के बुनियादी ढाँचे को मजबूत करने और विद्यार्थियों को समान अवसर उपलब्ध कराने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य की डबल इंजन सरकार के समन्वित प्रयासों से छत्तीसगढ़ में शिक्षा का नया युग प्रारंभ हो रहा है।

राज्यपाल ने पीएम जनमन आवास हितग्राही को सौंपी चाबी

बलरामपुर, 6 अक्टूबर । राज्यपाल रमेन डेका ने आज बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के विकासखंड राजपुर के पहाड़ी कोरवा ग्राम घटगांव में प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना के हितग्राही रामकुमार के घर पहुँचकर उन्हें उनके नए आवास की चाबी सौंपी। राज्यपाल ने फीता काटकर नवनिर्मित आवास में गृह प्रवेश कराया। उन्होंने परिवार के सदस्यों को उनके नए आवास एवं उज्जवल भविष्य के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। राज्यपाल श्री रमेन डेका ने हितग्राही श्री रामकुमार और उनके परिवार से आत्मीयता से बातचीत की। उन्होंने परिवार की आजीविका, बच्चों की पढ़ाई और योजना से हुए बदलावों के बारे में जानकारी ली।

जिला चिकित्सालय में अमृत जन सेवा समिति व छग हेल्प वेलफेयर सोसाइटी दे रही सेवा

कोरबा 6 अक्टूबर । चिकित्सालय में भर्ती मरीजों के साथ पहुंचे परिजनों को दिन के दोनों समय के भोजन के लिए भटकने के साथ ही अतिरिक्त खर्च वहन करना पड़ता है, लेकिन जिला चिकित्सालय में मरीज के साथ पहुंचे परिजनों को भोजन के लिए भटकने की जरूरत नहीं है।

दोपहर व रात को चिकित्सालय में ही उनके लिए गरम-गरम रोटी, चावल, दाल और सब्जी पहुंच जाती है। वह भी निःशुल्क, लेकिन शर्त सिर्फ इतनी है कि भोजन के लिए उन्हें बर्तन साथ रखना और लाइन में लगना होता है।दरअसल सेवा ही परम धर्म है के उद्देश्य से अमृत जन सेवा समिति व छत्तीसगढ़ हेल्प वेलफेयर सोसाइटी द्वारा जिला चिकित्सालय में पिछले 9 वर्षों से मरीजों के परिजनों के लिए निःशुल्क भोजन सेवा उपलब्ध कराई जा रही है। स्वयं व जनसहयोग से भोजन व्यवस्था का खर्च वहन किया जा रहा है। दिन के समय अमृत जन सेवा समिति व रात को छत्तीसगढ़ हेल्प वेलफेयर सोसाइटी के सदस्य चिकित्सालय पहुंचकर भोजन बांटते हैं। प्रतिदिन करीब 300 लोगों को निःशुल्क भोजन सेवा का लाभ मिल रहा है।

कोरोना काल में भी नहीं रुकी सेवा

सबसे पहले 26 जनवरी 2016 को अमृत जन 2016 को अमृत जन सेवा समिति ने मरीजों के परिजनों की परेशानी को देखते हुए उनके लिए दोपहर में भोजन सेवा शुरू की। फिर भी वह रात में परेशान होते थे। सोसाइटी ने रात के समय भी भोजन उपलब्ध कराने का जिम्मा उठाया और 15 अगस्त 2016 से भोजन सेवा शुरू की। यह सेवा कोरोना काल में भी बंद नहीं हुई।

सहयोग से सेवा हुई आसान

अमृत जन सेवा समिति में जिला अस्पताल के फार्मासिस्ट शांतनु मित्रा, डी.आर. भास्कर, रीना वर्मा, दिनेश पटेल, एस.एन. श्रीवास, जे.के. तिवारी सहित अधिकारी-कर्मचारी जुड़े हैं, जो अपने वेतन से हर माह निश्चित राशि भोजन सेवा के लिए देते हैं। वहीं बालको, सीएसईबी के रिटायर्ड अधिकारी-कर्मचारी व अन्य सेवाभावी लोग सहयोग करते हैं। छत्तीसगढ़ हेल्प वेलफेयर सोसाइटी द्वारा जन सहयोग से भूखों की मदद के लिए भारत मां की रसोई चलाते हुए भोजन व्यवस्था की जाती है।

चैंबर ऑफ कॉमर्स ने किया चिल्लर विनिमय वितरण शिविर का आयोजन

राजनांदगांव। चेम्बर्स आफ कामर्स द्वारा आइसी आइसी आइ बैंक के सहयोग से व्यापारियों की सुविधा के लिए सिक्कों का विनिमय शिविर आयोजित किया गया जिसमें 10 लाख रुपए के सिक्के लगभग 200 से अधिक व्यापारियों को दिए गए । कार्यक्रममें मुख्य वक्ता के रूप में पर्यटन मंडल के अध्यक्ष नीलू शर्मा नेचेंबर ऑफ कॉमर्स के इस अभियान की प्रशंसा करते हुए कहा कि दीपावली के समय में प्रत्येक व्यापारी को व्यापार की सरलता के लिए चिल्लर की आवश्यकता होती है।

साइबर ठगी के आरोप में एक गिरफ्तार

भिलाई, 6 अक्टूबर। भिलाई म्यूल एकाउंट का उपयोग कर साइबर ठगी करने वाले एक आरोपी को सुपेला पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी के खाते में 4.29 लाख रुपए के लेनदेन के सबूत मिले हैं। भिलाईनगर सीएसपी सत्यप्रकाश तिवारी ने बताया कि उत्कर्ष स्माल फाइनेंस बैंक शाखा सुपेला के एक खाते में साइबर फ्रॉड से प्राप्त रकम जमा होने की सूचना समन्वय पोर्टल के माध्यम से पुलिस को मिली थी। जांच में पता चला कि खाते में 44,250 रुपये और 3,85,231 रुपये ठगी से प्राप्त रकम के रूप में जमा किए गए थे। विवेचना के दौरान पुलिस ने आरोपी की पहचान मुकेश नायक (36 साल) निवासी सेक्टर-04 सड़क 16 के रूप में की। उसने जानबूझकर ऑनलाइन ठगी की रकम अपने खाते में प्राप्त कर 43,400 रुपये का अवैध धनलाभ अर्जित किया था। आरोपी के खिलाफ धारा 317(2), 318(4) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है।

कॉपर केबल चोरी करने वाले गिरफ्तार

भिलाई, 6 अक्टूबर। भिलाई भट्ठी थाना अंतर्गत फर्जी गेटपास के सहारे बीएसपी के अंदर से कॉपर केबल की चोरी करने वाले दो आरोपियों को सीआईएसएफ के जवानों ने रंगेहाथ पकड़ लिया। आरोपियों के कब्जे से 60 किग्रा स्क्रैप कॉपर वायर जब्तकर पुलिस के हवाले कर दिया पुलिस ने दोनों के खिलाफ धारा 303(2), 3(5), 25, 26 छग. राज्य सुरक्षा अधिनियम के तहत अपराध दर्ज कर कार्रवाई की है भट्ठी टीआई राजेश साहू ने बताया कि सीआईएसएफ एसआई कार्य राम कुमार धीरन ने रिपोर्ट दर्ज कराया कि वह प्रधान आरक्षक अरविंद एक्का रोलिंग मिल गेट पर चेकिंग पर तैनात था। उसने रोलिंग मिल गेट के बाहर जंगल में दो संदिग्ध व्यक्तियों को देखा। दोनों बाइक पर एक बैग रखकर प्लांट से बाहर निकलने की तैयार में थे। इस संदेह के आधार पर दोनों को रोका लिया गया। चेकिंग के दौरान उनके पास से स्क्रैप कॉपर केबल बरामद मिला। पूछताछ में दोनों में से सुरेंद्र देवांगन नाम के युवक ने बताया कि वह प्लेट मिल में क्रेन ऑपरेटर का काम करता है, जबकि दूसरा व्यक्ति जगदीश नायक बिल्डिंग नंबर 14 के पिछले हिस्से से प्लांट के अन्दर घुसा था। स्कैप की पहचान कराने पर बीएसपी की संपत्ति निकली।

एक नजर

सूर्यघर योजना से अब घर ही बना बिजलीघर

रायपुर, 6 अक्टूबर। प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना ने नागरिकों के लिए ऊर्जा आत्मनिर्भरता की नई राह खोली है। खैरागढ़ नगर के इतवारी बाजार निवासी श्री मनीष अग्रवाल ने इस योजना के अंतर्गत अपने मकान की छत पर 5 किलोवाट क्षमता का सोलर रूफटॉप सिस्टम स्थापित किया है। लगभग 3 लाख लागत वाले इस सिस्टम पर उन्हें केंद्र सरकार से कुल मिलाकर 1 लाख 8 हजार रुपये की सब्सिडी प्राप्त हुई। सौर ऊर्जा संयंत्र के माध्यम से श्री अग्रवाल के घर में औसतन 450 यूनिट की खपत के मुकाबले 590 यूनिट बिजली का उत्पादन हुआ, जिससे उनका मासिक बिजली बिल 'शून्य' हो गया। उनका कहना है कि मात्र तीन से चार वर्षों में पूरी लागत की भरपाई हो जाएगी और आगामी दो दशकों तक मुफ्त बिजली का लाभ प्राप्त होगा। यह पहल न केवल व्यक्तिगत स्तर पर आर्थिक लाभ दे रही है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छ ऊर्जा के विस्तार में भी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। श्री अग्रवाल ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह योजना हर घर को ऊर्जा आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में ऐतिहासिक कदम है।

कर्जा एक्ट के तहत कार्रवाई, 2 आरोपी गिरफ्तार

बलौदाबाजार 6 अक्टूबर। आवेदक हेमंत कन्नौजे निवासी ठाकुर देव चौक पुरानी बस्ती बलौदाबाजार

द्वारा आवेदन प्राप्त हुआ, जिसमें आरोपी हेमलाल सिन्हा एवं उसकी पत्नी पिंकी सिन्हा द्वारा चेक में अधिक रकम लेखकर, उसे बाउंस करने एवं मारपीट करते हुए जान से मारने की धमकी दिया जाना उल्लेख था। कि जांच पर यह पाया गया कि प्रकरण में आरोपियों द्वारा प्रथम बार दिनांक 16.09.2019 को आवेदक हेमंत कन्नौजे को ब्याज में रुपया दिया गया तथा इसके एवज में 02 नग खाली चेक आरोपियों द्वारा आवेदक से लिया गया। उधारी लिए गए उक्त रकम का आवेदक द्वारा भुगतान कर दिया गया था, इसके बावजूद भी खाली चेक को आरोपियों द्वारा वापस नहीं किया जा रहा था। इसके बाद आरोपियों द्वारा आवेदक से उधारी में दिए गए रकम पर ब्याज की राशि भुगतान करने को कहा गया, जिस पर आवेदक द्वारा ब्याज के रूप में अतिरिक्त रकम भी आरोपियों को दिया गया। इसके बाद भी आरोपियों द्वारा ब्याज में और रकम देने की बात को लेकर आवेदक को मारपीट करने, जान से मारने की धमकी देते हुए पूर्व में दिए गए खाली चेक में अतिरिक्त रकम भरकर धोखाधड़ी किया गया। जिस पर थाना सिटी कोतवाली में अपराध क्र. 951/2025 धारा 420,506,384,34 भादवि एवं 04 कर्जा एक्ट के तहत प्रकरण पंजीबध्द कर विवेचना में लिया गया। प्रकरण में पुलिस अधीक्षक श्रीमती भावना गुप्ता के कुशल निर्देशन में थाना सिटी कोतवाली पुलिस द्वारा जांच एवं विवेचना कार्यवाही करते हुए आरोपी पति-पत्नी हेमलाल एवं पिंकी सिंह को हिरासत में लिया गया, जिनसे पूछताछ करने पर आरोपियों द्वारा आवेदक को रकम उधारी में देना एवं उससे मारपीट कर, जान से मारने की धमकी देते हुए ब्याज आदि के नाम पर अधिक रकम वसूलते हुए आवेदक द्वारा दिए गए खाली चेक में अधिक रकम भरकर धोखाधड़ी करना स्वीकार किया गया।

मानदेय शिक्षक चयन के लिए आज से आवेदन आमंत्रित

सिमगा 6 अक्टूबर। विकास खंड शिक्षा अधिकारी डी एस ठाकुर ने बताया कि विकास खंड सिमगा अंतर्गत संचालित 08शासकीय प्राथमिक शाला,31 पूर्व माध्यमिक शाला,12 हाई स्कूल व 26 हायर सेकेंडरी स्कूलों में 30अप्रैल 2025तक अस्थाई अध्यापन व्यवस्था हेतु 131 शिक्षकों का चयन किया किया जाना है। इसके लिए दिनांक 06 अक्टूबर से 10 अक्टूबर 2025 तक संबंधित विद्यालयों में इच्छुक उम्मीदवार आवेदन जमा कर सकते है। शिक्षकों का चयन संबंधित विद्यालयों के शाला प्रबंधन समिति/शाला प्रबंधन एवं विकास समिति के माध्यम से किया जायेगा। अभ्यर्थियों का आवेदन दिनांक को न्यूनतम आयु 21 वर्ष व अधिकतम आयु 45 वर्ष होना चाहिए। सेवा निवृत/भूतपूर्व सैनिकों हेतु आयु सीमा का बंधन नहीं है। इसके साथ ही दिनांक 26/09/2025 को संकुल प्राचार्य एवं संकुल समन्वयक की बैठक आहूत कर उन्हें मानदेय शिक्षक की चयन प्रक्रिया से अवगत कराया जा चुका है। साथ ही अभ्यर्थियों के लिए आवेदन पत्र का प्रारूप जारी कर दिया गया है। अस्थाई अध्यापन व्यवस्था हेतु चयनित शिक्षकों हेतु मानदेय का भुगतान डी एम फ़ फंड से प्राप्त आवंटन के आधार पर किया जाएगा। इसी तरह विकास खंड स्तर पर 02 अस्थाई कंप्यूटर ऑपरेटर का भी चयन किया जाएगा। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदनों की स्क्रुटनी पश्चात् साक्षात्कार/व्यक्तित्व परीक्षण किया जाएगा। तदोपरांत जिलाक्षाधिकारी के अनुमोदन उपरांत चयनित अभ्यर्थियों की सूची प्रकाशित की जाएगी।

मुख्यमंत्री साय राष्ट्रीय मछुवारा जागरूकता सम्मेलन में हुए शामिल

सामाजिक विकास का मूलमंत्र है शिक्षा शिक्षा के बिना है जीवन अधूरा : साय

रायपुर 6 अक्टूबर। शिक्षा के बिना जीवन अधूरा है। शिक्षा केवल नौकरी प्राप्त करने का साधन नहीं, बल्कि सफल जीवन का मार्ग है। सामाजिक विकास का मूलमंत्र शिक्षा है। चाहे जीवन जीने की कला हो, व्यापार हो, कृषि हो या कोई अन्य क्षेत्र – हर क्षेत्र में सफलता के लिए शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका है।मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने राजधानी रायपुर स्थित बलबीर सिंह जुनेजा इनडोर स्टेडियम में आयोजित राष्ट्रीय मछुवारा जागरूकता सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमारी सरकार प्रारंभ से ही राज्य में शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर कार्य कर रही है। राज्य गठन के समय जहां केवल एक मेडिकल कॉलेज हुआ करता था, वहीं आज प्रदेश में लगभग 15 मेडिकल कॉलेज हो चुके हैं। इसी तरह हमने राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के शैक्षणिक संस्थान जैसे आईआईटी, ट्रिपल-आईटी, आईआईएम, लॉ यूनिवर्सिटी, एम्स और सिपेट जैसे संस्थान छत्तीसगढ़ में स्थापित किए हैं, जिनका लाभ राज्य के स्थानीय विद्यार्थियों को मिल रहा है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रदेश के प्रत्येक जिले में नालंदा परिसर के निर्माण का कार्य चल रहा है, जिससे युवाओं को दिशा और अवसर दोनों मिल रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज समाज को संगठित होने की आवश्यकता है, क्योंकि संगठित समाज से ही राष्ट्र मजबूत होता है। उन्होंने कहा कि नशाखोरी समाज के विकास में बाधक है और इस बुराई से दूर रहना आवश्यक है। मुख्यमंत्री ने समाज से नशा मुक्ति का संकल्प लेने की अपील की।

सदैव निषाद समाज को अग्रणी स्थान दिया

मुख्यमंत्री श्री साय ने राष्ट्रीय मछुवारा संघ के सभी पदाधिकारियों और देशभर से पधारे मेहनतकश मछुआ भाइयों-बहनों को राष्ट्रीय सम्मेलन के सफल आयोजन के लिए हार्दिक शुभकामनाएँ दीं। केंद्रीय राज्य मंत्री डॉ. राजभूषण चौधरी निषाद ने कहा कि निषाद समाज का गौरवशाली इतिहास और परंपरा रही है। हमारे इतिहास और परंपरा के बारे में नई पीढ़ी को बताना और सिखाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने सदैव निषाद समाज को अग्रणी स्थान दिया है।उन्होंने बताया कि जब अयोध्या में प्रभु श्री रामलला के भव्य मंदिर का निर्माण किया गया, तब उसी के सामने सरयू नदी के तट पर निषाद राज मंदिर का निर्माण कर समाज को उचित सम्मान दिलाने का कार्य प्रधानमंत्री श्री मोदी ने किया है। इस हेतु निषाद समाज सदैव उनका ऋणी रहेगा। उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि निषाद समाज अत्यंत मेहनतकश और परिश्रमी समाज है। उन्होंने कहा कि समाज की प्रगति में निषाद समुदाय का योगदान अनुकरणीय है। इस अवसर पर विधायक श्री सुनील सोनी, छत्तीसगढ़ मछुआ कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष श्री भरत मटियारा, सहित प्रदेश और अन्य राज्यों से आए समाज के पदाधिकारी एवं जनप्रतिनिधि बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

800 केजों में मत्स्य पालन

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार मछुआ समाज को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए निरंतर प्रयासरत है। मत्स्य पालन के क्षेत्र में अनेक योजनाएँ प्रारंभ की गई हैं। प्रदेश का पहला एक्वा पार्क हसदेव बांगो जलाशय में लगभग ?37 करोड़ की लागत से निर्मित किया जा रहा है। यह एक्वा पार्क मछली उत्पादन, प्रोसेसिंग, निर्यात और टूरिज़्म-इन चारों क्षेत्रों में नए अवसर सृजित करेगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि वर्तमान में यहाँ 800 केजों में मत्स्य पालन किया जा रहा है, जिससे अनेक पंचायतों को लाभ मिल रहा है। उन्होंने कहा कि यह हमारे मछुआ भाइयों की आय बढ़ाने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

मछली पालन आय का उत्तम साधन

रायपुर, 6 अक्टूबर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय द्वारा मछली पालन अर्थात जलीय कृषि करने वाले किसानों को बढ़ावा देने के लिए राज्य में मत्स्य पालन को बढ़ावा दे रहे हैं। साथ ही महिलाओं को आर्थिक रूप से समृद्ध और आत्मनिर्भर बनाने हेतु खेती किसानी के साथ-साथ अन्य रोजगार से जोड़ा जा रहा है।

छत्तीसगढ़ शासन द्वारा विभिन्न प्रकार की योजनाओं का संचालन भी किया जा रहा है। मत्स्य विभाग द्वारा शासकीय तालाब को पट्टे पर देकर मछली पालन कार्य हेतु महिलाओं को प्रोत्साहित किया जा रहा है। विभाग द्वारा 50 प्रतिशत अनुदान पर मत्स्य बीच के साथ ही विभागीय योजना अंतर्गत निःशुल्क जाल और आईस बॉक्स भी दिया जा रहा है। इसी कड़ी में जशपुर जिला के मनोरा विकासखण्ड में श्री गणेश महिला स्व सहायता समूह के द्वारा मनोरा के बथानडीपा शासकीय तालाब को पट्टे पर लेकर मछली पालन का कार्य किया जा रहा है।

समूह की अध्यक्ष गुड़िया साहू ने बताया कि गणेश महिला स्व सहायता समूह की 11 महिलाओं द्वारा मनोरा में शासकीय तालाब को पट्टे पर लेकर मछली पान का कार्य किया जा रहा है। तालाब 0.801 हेक्टर में निर्माण किया गया है। उक्त तालाब में मछली पालन के लिए विभागीय योजना के तहत 50 प्रतिशत अनुदान पर मत्स्य बीज उपलब्ध कराया गया है। साथ ही योजना अंतर्गत निःशुल्क जाल एवं आईस बॉक्स भी दिया गया है। मछली पालन से समूह की महिलाओं ने 2 लाख 50 हजार रुपए की आय अर्जित किया है।

एग्रीस्टेक पंजीयन एवं फसल सर्वेक्षण सूची का विशेष ग्रामसभा में किया गया पठन

बलौदाबाजार, 6 अक्टूबर। कलेक्टर दीपक सोनी के निर्देशानुसार विशेष ग्रामसभा में खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 की तैयारी हेतु एग्रीस्टेक पोर्टल में पंजीकृत कृषकों और उनके जमीनों की सूची तथा ग्रामवार, कृषकवार डिजिटल फसल सर्वेक्षण और गिरदावरी रिपोर्ट की सूची पंचायत भवन में चस्पा करते हुए पठन किया गया। अपर कलेक्टर सुश्री दीप्ति गौते ने तहसील भाटापारा के ग्राम पंचायत सुरखी में आयोजित ग्रामसभा बैठक में डिजिटल क्रॉप सर्वे और गिरदावरी रिपोर्ट का पठन कराया। इसके साथ ही तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार द्वारा विभिन्न ग्राम पंचायतों में उपस्थित होकर एग्रीस्टेक पोर्टल में पंजीकृत कृषकों और उनके जमीनों तथा डिजिटल फसल सर्वेक्षण एवं गिरदावरी सूची चस्पा सुनिश्चित कराते हुए पठन कराया गया। इसीतरह तहसील कसडोल के ग्राम पंचायत ठाकुरदिया, बरबसपुर ,मोहतरा, दर्रा, तहसील लवन के ग्राम पंचायत खैंदा, भालुकोना तहसील पलारी के ग्राम पंचायत मुड़पार,तहसील टुंडरा के ग्राम पंचायत बलौदा, तहसील बलौदाबाजार के ग्राम पंचायत शुक्लाभाठा,तहसील भाटापारा के ग्राम पंचायत सुरखी,तहसील सोनाखान के ग्राम पंचायत गोलाझर,तहसील सिमगा के ग्राम पंचायत नेवधा एवं तहसील सुहेला के ग्राम पंचायत रावन में भी विशेष ग्रामसभा का आयोजन किया गया।

कांग्रेस के धमतरी जिला अध्यक्ष के लिये पर्यवेक्षक 8 को आयेंगे नगरी-बेलरगाँव

नगरी 6 अक्टूबर। संगठन सृजन-2025 के तहत भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस जिला अध्यक्ष चयन की प्रक्रिया जोरों पर है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (ढ्ढष्ष्ट) द्वारा नियुक्त पर्यवेक्षक सभी जिलों और ब्लॉकों का दौरा कर दावेदारों से चर्चा कर रहे हैं। धमतरी जिले की प्रभारी बनाई गई हैं राजस्थान की पूर्व राज्य मंत्री एवं पूर्व अध्यक्ष राजस्थान महिला आयोग रेहाना रियाज़ चिश्ती। वे जिले के नौ ब्लॉकों का दौरा कर नेताओं व कार्यकर्ताओं से रायशुमारी कर रही हैं। 8 अक्टूबर को वे नगरी और बेलरगांव ब्लॉक का दौरा करेंगी।

अब तक धमतरी कांग्रेस जिलाध्यक्ष पद की कमान कुरुद और धमतरी विधानसभा को मिलती रही है। इस बार सिहावा विधानसभा क्षेत्र

से दावेदारी प्रबल मानी जा रही है। खासकर इसलिए क्योंकि धमतरी व कुरुद को बार-बार मौका दिया गया है, लेकिन सिहावा को आज तक जिलाध्यक्ष पद नहीं मिला। यह क्षेत्र आदिवासी बहुल है और संगठन की दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जाता है। इसी आधार पर पूर्व मंडी अध्यक्ष राजेंद्र सोनी का नाम मजबूत दावेदार के रूप में सामने आया है।

पार्टी कार्यकर्ताओं का मानना है कि उनके अनुभव से कांग्रेस संगठन को मजबूती मिलेगी। साथ ही आदिवासी क्षेत्र से एक युवा नेतृत्व को जिम्मेदारी सौंपने से संगठन में नए उत्साह का संचार होगा। उल्लेखनीय है कि राजनीतिक दृष्टि से भाजपा संगठन ने दो बार सिहावा विधानसभा से जिला अध्यक्ष बनाया है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं का मानना है कि इस बार कांग्रेस को भी नगरी-सिहावा विधानसभा से नेतृत्व चुनकर संतुलन बनाना चाहिए। इस संबंध में राजेंद्र सोनी ने कहा कि इस बार सिहावा विधानसभा को जिला कांग्रेस संगठन की कमान दी जाए। इस विषय पर मैंने जिला प्रभारी व प्रदेश नेतृत्व को अवगत कराया है। सिहावा आदिवासी क्षेत्र है और अब तक उपेक्षित रहा है।

अनुभव और संगठनात्मक पकड़ से लाभ की उम्मीद

गराजेंद्र सोनी का संगठनात्मक अनुभव लंबा और व्यापक रहा है। वे बूथ अध्यक्ष, ज़ोन अध्यक्ष, ज़ोन प्रभारी, युवक कांग्रेस अध्यक्ष, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी नगरी अध्यक्ष, जिला कांग्रेस कमेटी सचिव, बूथ चलो अभियान प्रभारी, मगरलोड विद्युत कटौती आंदोलन प्रभारी, नगर पंचायत चुनाव 2025 के पर्यवेक्षक, नगर पालिका चुनाव प्रभारी गरियाबंद, गुरुर संगठन प्रभारी, मंडल सेक्टर प्रभारी, नगर अध्यक्ष गरियाबंद प्रभारी जैसे कई दायित्वों का निर्वहन कर चुके हैं। सिर्फ संगठन ही नहीं, बल्कि प्रशासनिक क्षेत्र में भी उन्होंने अपनी जिम्मेदारी निभाई है। वे उपसरपंच भोथली, सदस्य कृषि उपज मंडी समिति नगरी और अध्यक्ष कृषि उपज मंडी समिति नगरी जैसे पदों पर भी सक्रिय रहे।

जिला चिकित्सालय बालोद में किया गया स्वस्थ्य नारी, सशक्त परिवार अभियान के तहत मेगा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

बालोद 6 अक्टूबर। कलेक्टर श्रीमती दिव्या उमेश मिश्रा के निर्देशानुसार जिला चिकित्सालय बालोद में 'स्वस्थ नारी सशक्त परिवार' अभियान के तहत मेगा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक डॉ. आर. के. श्रीमाली ने बताया कि मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जे.एल. उइके के मार्गदर्शन में मेगा स्वास्थ्य शिविर में कैंसर रोग विशेषज्ञ डॉ. अवधेश, छाती एवं टीबी रोग विशेषज्ञ डॉ. सरमेश क्लाडियस, चर्मरोग विशेषज्ञ डॉ. सुगंधा गांधी, मेडिसिन विशेषज्ञ डॉ. राजेश बघेल एवं जिला चिकित्सालय बालोद से विशेषज्ञ चिकित्सको के द्वारा सेवा प्रदान किया गया। उन्होंने बताया कि उक्त शिविर में कुल 510 मरीजों की जांच एवं चिकित्सकीय सलाह दिया गया। इस अवसर पर डॉ. बी. एल. रात्रे, डॉ. कमलकांत हल्लिया, डॉ. एन.के. साहू, डॉ. प्रभा बर्मन, अभिषेक मेश्राम, डॉ. वंदना मानसर, डॉ. लक्ष्मीनरायण वर्मा, डॉ. मधु डॉ. गोविन्दराम, डॉ. नितीश साव, डॉ. पूर्वशा पाटिल, डॉ. श्वेता गोटी, डॉ. कल्याण सिंह, एवं अन्य चिकित्सक तथा स्टाफ उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ राज्य युवा आयोग के पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम, रायपुर में आयोजित

छत्तीसगढ़ प्रदेश स्तरीय काव्य पाठ प्रतियोगिता में उभरीं नई प्रतिभाएं,निधि, मीरा और अलीशा ने काव्यपाठ से बांधा समां

रायपुर 6 अक्टूबर । प्रदेश भर के युवा कवियों को मंच प्रदान करने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ राज्य युवा आयोग तथा खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा राज्य स्तरीय काव्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया प्रदेश भर के 1038 युवा कवियों ने प्रतियोगिता में सहभागिता की। संभाग स्तर पर चयनित प्रतिभागियों का फाइनल मुकाबला शनिवार को रायपुर के पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में किया गया। प्रतियोगिता में बिलासपुर की निधि तिवारी ने प्रथम स्थान, बिलासपुर की ही मीरा मृदु ने द्वितीय तथा सरगुजा की अलीशा शेख ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। युवा कवि सम्मेलन में तीनों को क्रमशः 50 हजार, 30 हजार एवं 20 हजार रुपए की पुरस्कार राशि सीएम साय एवं डिप्टी सीएम साव ने प्रदान की।

छत्तीसगढ़ राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष विश्व विजय सिंह तोमर ने मीडिया को जानकारी देते हुए बताया कि, पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में छत्तीसगढ़ राज्य युवा आयोग द्वारा हास्य कवि सम्मेलन का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी, उप मुख्यमंत्री अरुण साव जी की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस युवा कवि सम्मेलन में प्रीतयोगिता में विजयी

तीनों नवोदित कवियों को मंच पर सर्वप्रथम काव्य पाठ का अवसर दिया गया। वरिष्ठ कवियों ने तीनों युवा कवियों की रचनात्मकता की सराहना करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ की भूमि प्रतिभा से परिपूर्ण है, जो राष्ट्रीय मंच पर भी अपनी पहचान बनाने के लिए तैयार है। बता दें कि कवि सम्मेलन में देश के प्रख्यात कवि शशिकांत यादव, दिनेश बावरा, नीलोत्पल मृणाल, कवयित्री कविता तिवारी एवं मनु वैशाली ने अपनी भावपूर्ण कविताओं से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। सभागार कविताओं की विविध रसधाराओं से गूंज उठा। इस अवसर पर मंत्री श्री टंकराम वर्मा जी, मंत्री गुरु खुशवंत साहेब जी, मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े जी, मंत्री श्री राजेश अग्रवाल जी, विधायक श्री मोतीलाल साहू जी, युवा आयोग के अध्यक्ष श्री विश्व विजय सिंह तोमर जी, छत्तीसगढ़ संस्कृति परिषद के अध्यक्ष श्री शंशाक तिवारी जी, भाजपा युवा मोर्चा के अध्यक्ष श्री राहुल टिकरिहा जी, अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष श्री अमरजीत छाबड़ा जी, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री नवीन अग्रवाल जी, छत्तीसगढ़ वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. सलीम राज जी, लौह शिल्पकार बोर्ड अध्यक्ष श्री प्रफुल्ल विश्वकर्मा जी एवं प्रदेश के युवा कवि उपस्थित रहे।

माई की डोली को दशहरा में नहीं मिला सम्मान,पुजारी नाराज

जगदलपुर 6 अक्टूबर। बस्तर दशहरा में शामिल दंतेश्वरी मंदिर दंतेवाड़ा के प्रधान पुजारी परमेश्वर नाथ जिया ने वर्तमान दशहरा की व्यवस्था पर नाराजगी जताते हुए कहा कि जगदलपुर में माता की डोली को यहां पर उचित सम्मान और आदर नहीं मिलता, जिसका उन्हें दुख है। दंतेवाड़ा से छत्र एवं डोली बड़े सम्मान के साथ जगदलपुर लायी जाती है, लेकिन जैसी व्यवस्था यहां होती है, वह असहज है। दशहरा समिति एवं दशहरा के आयोजन को लेकर जिन अधिकारियों को जिम्मेदारी दी गई है, उसकी समीक्षा की महती जरूरत है। पुजारी ने कहा कि हम सबको मिलकर ऐसा प्रयास करना है कि देश-विदेश में बस्तर दशहरा की ख्याति बढ़े। बस्तर दशहरा की गरिमा, वैभवता और उसका आभा मंडल पूरे विश्व में हो। इस दौरान अर्जुन कर्मा, कृष्ण कुमार पाढ़ी, कुमार विजीत देव, जगत सिंह, सिकन्दर सिंह मौजूद रहे। पुजारी और मांझी और चालकियों की बातें सुनने के बाद कुमार जयदेव ने कहा कि वर्तमान बस्तर दशहरा केवल बस्तर जिले तक सीमित नजर आ रहा है, इसे संभाग स्तर पर मनाने की दरकार है। इस नाते प्रत्येक जिले में एक समिति बनाकर दशहरा से उन्हें जोड़ने का प्रयास किया जाना चाहिए, ताकि इसकी भव्यता और व्यापकता और बढ़े। इस वर्ष बस्तर दशहरा में महिलाओं की भागीदारी नगण्य रही। माताओं और बहनों का इस दशहरा में शामिल न होना दुर्भाग्यपूर्ण है। हम चाहते हैं कि अधिक से अधिक लोगों की इस पवित्र परंपरा में सहभागिता रहे।

बस्तर अंचल के गांव-गांव के विकास कार्यों से आ रहा सकारात्मक बदलाव:केदार कश्यप

सालेमेटा में 38.64 लाख रुपये के विकास कार्यों का भूमिपूजन-लोकार्पण

रायपुर,6 अक्टूबर। वन मंत्री श्री केदार कश्यप ने कहा है कि हमारी सरकार बस्तर अंचल के गांव-गांव के विकास के जरिए लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने की दिशा में कार्य कर रही है। वे आज आज बस्तर जिले के सालेमेटा में 38.64 लाख रुपये की लागत वाले विकास कार्यों का भूमिपूजन और लोकार्पण कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे। वन मंत्री श्री कश्यप ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में सरकार शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा पर विशेष ध्यान दे रही है। बस्तर तेजी

से विकास की राह पर है और यह गति आगे भी जारी रहेगी। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि विकास कार्यों की गुणवत्ता पर नजर रखें और सुनिश्चित करें कि सभी काम ईमानदारी से पूरे हों। वनमंत्री श्री कश्यप ने खण्डसरा और खड़का में 11.74 लाख की लागत से सोलर हाई मास्ट लाइट का लोकार्पण किया। उन्होंने सालेमेटा-1 ग्राम पंचायत में 14 लाख रुपये की लागत से पुलिया निर्माण, हायर सेकेंडरी स्कूल में 200 मीटर आहाता निर्माण तथा कोटगढ़ में 12 लाख 90 हजार रुपये की लागत से पुलिया और आंगनबाड़ी केंद्र तक 300 मीटर सीसी रोड़ निर्माण कार्य का भी भूमिपूजन किया।

पूरे बस्तर संभाग एवं पड़ोसी राज्य ओडिशा व महाराष्ट्र के समीपवर्ती गांव से पर्व में लोग शामिल हुए

बस्तर दशहरा : कुटुंब जात्रा रस्म के साथ हुई देवी-देवताओं की ससम्मान विदाई

रायपुर, 5 अक्टूबर। अपनी अनूठी परंपराओं और रस्मों के लिए विश्व प्रसिद्ध बस्तर दशहरा पर्व की एक और महत्वपूर्ण रस्म, 'कुटुंब जात्रा', रविवार को स्थानीय महात्मा गांधी स्कूल परिसर के गुड़ी में संपन्न हुई। इस रस्म के तहत पूरे बस्तर संभाग एवं पड़ोसी राज्य ओडिशा व महाराष्ट्र के समीपवर्ती गांव से पर्व में शामिल हुए हजारों देवी-देवताओं के छत्र और डोली को बस्तर राजपरिवार के सदस्य श्री कमलचंद भंजदेव ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर ससम्मान विदा किया। यह रस्म 75 दिनों तक चलने वाले बस्तर दशहरा पर्व की समाप्ति की ओर इशारा करती है।

शहर के गंगामुण्डा वार्ड में स्थित देवगुड़ी में श्रद्धालुओं ने अपनी मनोकामना अनुसार देवी देवताओं को भेंट भी अर्पित

किया। बस्तर राजपरिवार और दशहरा समिति की अगुवाई में संपन्न हुई इस कुंटुब जात्रा रस्म के साथ ही, 600 साल से अधिक पुरानी बस्तर दशहरा पर्व की परंपराएं विधि विधान से पूरी की गईं। इस दौरान पूरे परिसर में उपस्थित देवी-देवता का आपस में मेल मिलाप देखते ही बन रहा था। देवी देवताओं के लाठ, डोली के साथ झुमते सिरहा और विभिन्न क्षेत्रों के आंगादेव का खेल माहौल को आकर्षक एवं अचम्भित किया। इस अवसर पर स्थानीय एवं आस-पास के गांव से पहुंचे श्रद्धालुओं ने भी देवी-देवताओं का अपने परंपरा के अनुसार पूजा-अर्चना कर उनका आशीर्वाद लिया।

600 साल से अधिक पुरानी परंपरा

बस्तर दशहरा की सबसे खास बात यह है कि केवल इसी पर्व में इतनी बड़ी संख्या में एक-एक गांव के देवी-देवताओं के छत्र और डोली शामिल होते हैं। रियासत काल से चली आ रही यह परंपरा आज भी कायम है, जिसमें राजा-महाराजाओं की तरह राजपरिवार के सदस्य और दशहरा समिति गांव-गांव से आए देवी-देवताओं और उनके पुजारियों को ससम्मान विदा करते हैं।

'रूसूम' देकर दी गई विदाई

परंपरानुसार, दशहरा पर्व में शामिल होने आए संभाग के सभी ग्राम के देवी-देवताओं को श्रूसूमश् (दक्षिणा/भेंट) भी दी गई। राजपरिवार के सदस्य कमलचंद भंजदेव और दशहरा समिति ने देवी-देवताओं के छत्र और डोली लेकर पहुंचे पुजारियों को कपड़े, पैसे और मिठाइयां देकर उनकी ससम्मान विदाई की।

संपादकीय

दवा के नाम पर बनाया जहर

दवा तो बीमार आदमी के स्वस्थ होने के लिए बनाई जाती है। दवा के नाम पर जब जहर बनाया जाता है और वह बाजार में बिकता भी है और पीकर मप्र व राजस्थान में 16 बच्चों की मौत हो जाती है तो यह अक्षम्य अपराध है। इसके लिए दवा बनाने से लेकर दवा को बाजार में बिकने की स्वीकृति देने वालों पर हत्या का मामला चलाया जाना चाहिए और उनको हत्या की जो सजा होती है,वह सजा भी जरूर मिलनी चाहिए। क्योंकि बच्चों को मप्र में सिरप पिलाने पर बच्चों की मौत हुई है और यह कोई पहला ऐसा मामला नहीं है। इससे पहले भी भारत की दूषित दवा के कारण विदेशों में मौत हो चुकी है और उससे कोई सबक नहीं लिया गया है। दवा बनाने से लेकर उसकी जांच वह आदमी के उपयोग योग्य है या नहीं, उसके बाद उनकी बिक्री तक सावधानी बरतने की जरूरत होती है। दवा के नाम पर कभी जहर बन जाता है तो उसका पता तो जहां दवा बन रही है, वहां की जांच में ही चल जाना चाहिए। दवा बनाने वाले कम लागत में दवा बनाने के लिए कुछ गलत भी करते हैं तो राज्यों में दवा की जांच करने वाली संस्था की जिम्मेदारी होती है कि वह अपने यहां दवा बिक्री के पहले देखे दवा आदमी के लिए नुकसानदायक तो नहीं है, दवा में कोई ऐसा रसायन तो नहीं मिलाया गया है जो स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक हो। मप्र व राजस्थान में दूषित दवा पीने से बच्चों की मौत हुई है तो इसके लिए राज्य की वह संस्था दोषी है जिसने बिना जांच के दवा को राज्य में बिकने की अनुमति दी। दूषित दवा का पता बच्चों की मौत के बाद जांच में पता लगाया जा सकता है तो दूषित दवा का पता राज्य में उपयोग के पहले भी लगाया जा सकता है। सरकारी तंत्र इसका पता उपयोग के पहले नहीं लगा सका इससे सरकारी तंत्र पर लोगों को भरोसा कम होना स्वाभाविक है। सरकारी तंत्र अपना काम तब ही ठीक से नहीं करता है जब उसमें भ्रष्टाचार की गुंजाइश होती है। दूषित दवा फैक्ट्री में बन गई, उसकी जहां जांच की गई, उसे उपयोग के योग्य होने का प्रमाणपत्र भी मिल गया और उसके आधार पर उसकी राज्यों में बिक्री भी हो गई। इससे साफ है कि इसमें दवा बनाने से लेकर उसे बाजार में बेचने तक कई लोगों ने लापरवाही की है। कुछ लोगों की लापरवाही के कारण दो राज्यों में बच्चों की मौत हो गई है। यह बहुत ही गंभीर बात है कि दवा पीने से बच्चों की मौत हुई है। दवा बेचने वाले जहर बेच रहे हैं और आम लोग अपने बच्चों की बीमारी ठीक होने के लिए पिला रहे हैं तो बच्चे ठीक होने की जगह मर गए। किसी भी परिवार में ऐसा होता है तो परिवार के दुख का अंदाजा न तो दवा बनाने वाले न ही उसे बाजार में बिकने की अनुमति देने वाले और उस दवा तो बीमार बच्चों के लिए लिखने वाला डॉक्टर कभी जान नहीं सकते। जिस दवा को पीकर बच्चों की मौत हुई है वह तमिलनाडु की कंपनी में बनी है, वहां तो फैक्ट्री सील कर दी गई है और दवा की जांच करने पर पता चला है कि कफ सिरप बनाने के लिए जो प्रोपीलीन ग्लाईकाल इस्तेमाल किया गया है।वह फार्मा में उपयोग करने के लिए था हीं नहीं वह तो इंडस्ट्री में उपयोग करने वाला था। इसका उपयोग ब्यूटी प्रोडक्ट, प्लास्टिक व पेंट बनाने में किया जाता है। यह फार्मा में उपयोग होने वाले रसायन से सस्ता पड़ता है इसलिए फैक्ट्री वाले ने जानबूझकर इसका उपयोग किया है, इससे साफ है कि उसने अनजाने में नहीं जानबूझकर ऐसी दवा बनाई है जिससे बच्चों की मौत हो सकती थी, इसलिए उसके खिलाफ तो बच्चों की हत्या का मामला बनाया जानाा चाहिए और उसे बच्चों की हत्या के मामले में सजा भी मिलनी चाहिए। राज्य सरकारों ने बच्चों की मौत के बाद दवा की बिक्री पर रोक लगा दी, कई सिरप की बिक्री रोक दी, केंद्र सरकार ने एडवाइजरी जारी कर दी कि बच्चों को सिरप न पिलाया जाए। ऐसा हमेशा होता है। इससे भविष्य में फिर ऐसी घटना पर रोक नहीं लगती है। इससे तो फिर ऐसी घटना होने की आशंका बनी रहती है। इससे देश में बनने वाली दवा की विश्वसनीयता कम होती है। दवा का पूरा व्यवसाय देश व विदेश में प्रभावित होता है। इसके लिए जरूरी है कि दवा निर्माण से लेकर उसके बाजार में बिकने तक उसकी कई स्तरों पर सख्ती से जांच जरूरी है। ऐसे मामले में यदि किसी स्तर पर कोई लापरवाही करता है तो उसके खिलाफ भी कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए ताकि किसी एक संस्था या व्यक्ति की लापरवाही के चलते देश के किसी राज्य में दवा खाकर किसी की मौत न हो।

राशिफल

मेष आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। आज आपके मन में प्रेम और सहयोग की भावना बनी रहेगी और आपको किसी पुराने मित्र से लंबे समय बाद मिलकर खुशी होगी। सरकारी मामले में आप लापरवाही बिल्कुल ना करें और अपने धन को आपको थोड़ा सही इस्तेमाल करना होगा, क्योंकि आप शौक-मौज की चीजों में ज्यादा खर्चा करेंगे। जो बाद में आपके लिए समस्या बन सकती है। आपको अपनी इनकम को ध्यान में रखकर व्यय करना होगा।

वृषभ आज का दिन आपके लिए स्वास्थ्य के लिहाज से सचेत रहने के लिए रहेगा। यदि आपको कोई पुरानी समस्या चली आ रही थी, तो उससे सबको राहत मिलेगी। घूमने-फिरने के दौरान आपको कोई महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त होगी। आपको अपने आसपास रह रहे लोगों की बातों में आने से बचना होगा। आपके भाई की ओर से आपको कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है। आपकी कोई मन की इच्छा पूरी हो सकती है।

मिथुन आज का दिन रोजगार को लेकर परेशान चल रहे लोगों के लिए बढ़िया रहने वाला है, उन्हें किसी नई नौकरी की प्राप्ति हो सकती है। आपके मित्र आपको काम को लेकर कोई अच्छा सा जवाब देंगे। आज आप अपनी पोस्ट का गलत फायदा उठाने की कोशिश न करें। आपके घर किसी अतिथि का आगमन होने से परिवार के सदस्यों में किसी बात को लेकर वाद-विवाद खड़ा हो सकता है। नौकरी में बदलाव की योजना बना रहे थे, आप किसी दूसरी जगह अप्लाई कर सकते हैं।

कर्क आज आपको अच्छी सोच का आपको लाभ मिलेगा। किसी सामाजिक कार्यक्रम में आपको मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। बच्चे आपके साथ कहीं घूमने-फिरने की जिद कर सकते हैं। आज का दिन आपके लिए किसी मन की इच्छा की पूर्ति के करने के लिए रहेगा। आपको कोई लेनदेन से संबंधित मामला परेशान करेगा। यदि आपने किसी से कुछ कर्ज लिया था, तो उसे भी उतारने की पूरी कोशिश करेंगे। आपको अपने आसपास रह रहे लोगों से कोई जरूरी जानकारी शेयर नहीं करनी है।

सिंह आज का दिन आपके लिए सेहत के मामले में सचेत रहने के लिए रहेगा, क्योंकि आप अपने खानपान में लापरवाही करेंगे। आपको अपने परिवार में वरिष्ठ सदस्यों की सेवा के लिए भी कुछ समय निकालेंगे। वाहन की अकस्मात खराबी के कारण आप किसी नए वाहन की खरीदारी की प्लानिंग कर सकते हैं। आप अपने किसी परिजन से मेल-मिलाप करने जाने की सोच सकते हैं। आपने यदि किसी से कोई वादा किया था, तो उसे भी पूरा करने की कोशिश करेंगे।

कन्या आज आपकी कुछ नया करने की कोशिश रंग लाएगी। आज अच्छी सोच का आपको लाभ मिलेगा। आपके बॉस से आपको शाबाशी मिल सकती हैं। बिजनेस में कुछ उतार-चढ़ाव आएंगे, लेकिन आप उनसे घबराएंगे नहीं। आपका अपने किसी पारिवारिक समस्या को लेकर आपका मन परेशान रहेगा। आप बेवजह की भागदौड़ करने से बचें। आप अपने कामों में जिम्मेदारी दिखाएंगे। आप घूमने-फिरने की योजना बना सकते हैं। संतान के करियर को लेकर आपके मित्र आपको अच्छा सुझाव देंगे।

तुला आज का दिन आपके लिए सुखमय रहने वाला है। वैवाहिक जीवन में चल रही समस्याओं से राहत मिलेगी। आप अपने घर के साथ-साथ बाकी कामों पर भी पूरा ध्यान देंगे। जीवनसाथी को शॉपिंग आदि पर लेकर जा सकते हैं। आप दिल से लोगों का भला सोचेंगे, लेकिन लोगों इसे आपका स्वार्थ समझ सकते हैं। आप अपने घर किसी पूजा-पाठ का आयोजन कर सकते हैं। जिसमें परिजनों का आना-जाना लगा रहेगा।

वृश्चिक आज आपको लेनदेन से संबंधित मामलों में लापरवाही नहीं करनी है। ससुराल पक्ष का कोई व्यक्ति आपसे मेल-मिलाप करने आ सकता है। आप अपनी संतान को किसी सरकारी कोचिंग की तैयारी करा सकते हैं। आपकी जल्दबाजी की आदत के कारण आपसे कोई गड़बड़ी हो सकती है। बॉस आपके कामों में वृद्धि करेंगे, जिससे आपको मेहनत अधिक करनी होगी, लेकिन इसका आपको फल अवश्य मिलेगा।

धनु आज का दिन आपके लिए आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए अच्छा रहेगा। आपको अपने भाई-बहनों का पूरा साथ मिलेगा। धन को लेकर भी आप बचत की योजनाओं पर पूरा ध्यान देंगे, जिससे आप भविष्य को लेकर भी कुछ इन्वेस्टमेंट कर सकते हैं। आप अपने किसी सहयोगी की कहीसुनी बातों पर भरोसा ना करें। माता-पिता के आशीर्वाद से आपका कोई रुका हुआ काम पूरा होगा। आप परिवार के सदस्यों के साथ किसी पिकनिक आदि पर जाने की योजना बना सकते हैं।

मकर आज का दिन आपके लिए उन्नति की राह पर आगे बढ़ने के लिए रहेगा। आपको किसी नए काम को करने की इच्छा जागृत हो सकती है। सरकारी मामलों में लापरवाही करने से आपको कोई बड़ा खमियाजा भुगतना पड़ेगा। प्रॉपर्टी डिलिंग में आप थोड़ा सोच समझकर ही आगे बढ़ें। ऑनलाइन काम कर रहे लोगों को थोड़ी सावधानी बरतनी होगी। आज आपको अपने किसी सहयोगी से काम को लेकर मदद मिलेगी।

कुंभ आज का दिन आपके लिए मिलाजुला रहने वाला है। आपकी कला कौशल में निखार आएगा। आपकी निर्णय लेने की क्षमता भी बेहतर रहेगी। आप आज एक बड़ा लक्ष्य लेकर चलेंगे, तभी वह आसानी से पूरा हो सकेगा। आप वाहनों के प्रयोग से थोड़ा सावधानी बरतें। आपकी किसी बात को लेकर आज कार्यक्षेत्र में कहासुनी हो सकती है। आप शेयर मार्केट में थोड़ा सोच समझकर ही आगे बढ़ें।

मीन आज का दिन आपके लिए कुछ कठिन रहने वाला है। आपका अपने किसी सहयोगी से भी बेवजह का लड़ाई-झगड़ा होने की संभावना है। परिवार में किसी सदस्य से आपको खरी खोटी सुनने को मिल सकती है। जीवनसाथी की किसी शारीरिक समस्या को लेकर अपना परेशान रहेंगे। आपको अपनी माताजी से अपने मन में चल रही किसी उलझन को लेकर बातचीत कर सकते हैं। सरकारी योजनाओ का आपको पूरा लाभ मिलेगा।

शहरी समाधान और जन-भागीदारी: छत्तीसगढ़ के लिए सीख

हृदय मोहन

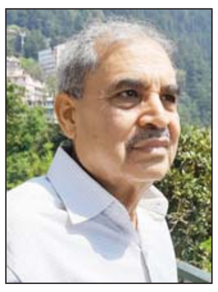

विश्व पर्यावास दिवस केवल एक दिन का उत्सव नहीं है, बल्कि यह हमें यह सोचने का अवसर देता है कि हमारे शहर और कस्बे कैसे विकसित हो रहे हैं और भविष्य की शहरी चुनौतियों से निपटने के लिए हम क्या कर सकते हैं। इस वर्ष का विषय "संकट के समाधानः शहरी दृष्टि से (Urban Solutions to Crisis)" केवल तकनीकी समाधान तक सीमित नहीं है। यह समाज, प्रशासन और नागरिकों की सक्रिय भागीदारी का आह्वान भी है।

चीन का अनुभवः जन-भागीदारी और तकनीकी अनुशासन-मैंने लगभग छह वर्ष बीजिंग, चीन में कार्य किया। वहाँ मैंने देखा कि कैसे उन्होंने जन-भागीदारी और अभियंत्रण अनुशासन को जोड़कर अपने गांवों और कस्बों का कायाकल्प किया। "सुंदर गांव आंदोलन" और "ग्राम अवसंरचना कार्यक्रम" जैसी योजनाओं में स्थानीय श्रमिकों और तकनीकी टीमों को जोड़कर सड़कें, जल निकासी प्रणाली, किफायती आवास और सामुदायिक उद्यान विकसित किए गए और उनका रखरखाव किया गया। यह दृष्टिकोण हमारे मनरेगा (MNREGA) जैसी भावना से मेल खाता है, लेकिन चीन ने हर परियोजना को दीर्घकालिक स्थायित्व और स्थानीय स्वामित्व के साथ लागू किया। नतीजा – ग्रामीण जीवन में सुधार, रोजगार के अवसरों में वृद्धि और शहरी प्रवासन में कमी।

भूटान का अनुभवः पारिस्थितिक संरक्षण और स्थानीय आजीविका-हाल ही में, 1 अक्टूबर को मैं भूटान से लौटा हूं। वहाँ फोब्जिखा घाटी में सरकार और स्थानीय समुदाय मिलकर लुप्तप्राय पक्षी "ब्लैक-नेक्ड क्रेन" के आवासीय क्षेत्र के विकास पर काम कर रहे हैं। यह परियोजना केवल संरक्षण नहीं है। यह एक मॉडल है – पारिस्थितिक संरक्षण और स्थानीय आजीविका कैसे साथ-साथ चल सकते हैं। स्थानीय लोगों को रोजगार, पर्यावरण शिक्षा और पर्यटन से जुड़े अवसर दिए जा रहे हैं, जिससे उनकी आजीविका सुरक्षित होती है और संकटग्रस्त प्रजातियों का संरक्षण भी होता है।

छत्तीसगढ़ के लिए संदेश-इन दोनों अनुभवों से स्पष्ट है कि शहरी समाधान केवल तकनीक से नहीं, बल्कि समुदाय की भागीदारी और पर्यावरणीय संवेदनशीलता से बनते हैं। छत्तीसगढ़ के लिए यह महत्वपूर्ण संदेश है। यहाँ भी मनरेगा जैसी योजनाओं को शहरी अवसंरचना – जैसे वर्षा जल संचयन, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन और हरित गलियारों का विकास – से जोड़कर टिकाऊ मॉडल तैयार किए जा सकते हैं।

हमारे शहर तेजी से बढ़ रहे हैं – भिलाई और रायपुर जैसे औद्योगिक केंद्रों में प्रदूषण, यातायात और आवासीय दबाव बढ़ रहा है। वहीं, छोटे नगर और अर्ध-शहरी क्षेत्र जैसे कवर्धा, कोरिया, अंबिकापुर, अनियोजित विकास, जल असंतुलन और ठोस कचरा प्रबंधन जैसी समस्याओं का सामना कर रहे हैं।

यदि इंजीनियर, प्रशासन और स्थानीय नागरिक मिलकर योजना बनाएं, तो यह केवल शहरों के आकार को बढ़ाने की प्रक्रिया नहीं होगी, बल्कि एक सतत और समावेशी शहरी पारिस्थितिक तंत्र तैयार कर सकती है।

सीख और प्रेरणा

चीन जैसे विकसित और भूटान जैसे छोटे देश का अनुभव यह सिखाता है कि बड़े समाधान छोटे स्तर से शुरू होते हैं। स्थानीय भागीदारी, श्रमिकों का कौशल और पर्यावरण के प्रति संवेदनशील दृष्टिकोण मिलकर किसी भी चुनौती को अवसर में बदल सकते हैं।

जब शहरी विकास केवल ढाँचों और सड़कों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि समाज, पर्यावरण और तकनीक के संतुलन के साथ लागू होता है, तभी यह स्थायी और अर्थपूर्ण बनता है।

समापन संदेश

"जन-भागीदारी से जब सपने सजे,
तो छत्तीसगढ़ नए आयाम गढ़े।"

इस विश्व पर्यावास दिवस पर यही संदेश छत्तीसगढ़ के नागरिकों, अभियंताओं और योजनाकारों के लिए प्रेरणा बन सकता है।

हमें मिलकर ऐसे नगर और कस्बे तैयार करने होंगे, जहाँ विकास टिकाऊ, समावेशी और संवेदनशील हो – और हर नागरिक के जीवन की गुणवत्ता में वास्तविक सुधार आए।

जहरीली दवा बनी अभिशाप

प्रमोद भार्गव

मध्यप्रदेश और राजस्थान में सर्दी-खांसी की दवा के सेवन से 16 बच्चों की मौत हो गई। इन बच्चों को कोल्ड्रिफ कफ सीरप स्वास्थ्य लाभ के लिए दिया गया था, किंतु वह मौत का कारण बन गया। इसकी गुणवत्ता संदेह के दायरे में है। मध्य प्रदेश के खाद्य एवं दवा नियंत्रक दिनेश कुमार मौर्य ने कहा है कि संदिग्ध सिरप को परीक्षण के लिए 1 अक्टूबर को तमिलनाडु भेजा था। इसकी रिपोर्ट तीसरे दिन मिल गई थी। किंतु मप्र में 29 सितंबर से जांच जारी है, जो अभी तक पूरी नहीं हुई। जबकि इसी बीच स्वास्थ्य विभाग का कार्य देख रहे प्रदेश के उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने सार्वजनिक बयान दे दिया कि सीरप के नौ नमूनों में हानिकारक तत्व नहीं मिले हैं। यह सीरप श्रीसन कंपनी बनाती है, जिसकी उत्पादन इकाई तमिलनाडु के कांचीपुरम में है। मप्र सरकार के कहने पर तमिलनाडु सरकार के औषधि प्रशासन विभाग ने कंपनी की उत्पादन इकाई से नमूने लेकर जांच की तो एसआर-13 बैच में हानिकारक रसायन डायथिलीन ग्लायकल (डीईजी) पाया गया। दवा में इसकी निर्धारित मात्रा 0.1 प्रतिशत से अधिक नहीं होनी चाहिए, जबकि इसका प्रतिशत जांच में 48 प्रतिशत से अधिक पाया गया। इस रिपोर्ट के बाद प्रदेश सरकार सक्रिय हुई और इसके उपयोग एवं विक्रय पर रोक लगा दी। मृतक बल-गोपालों का इलाज करने वाले छिंदवाड़ा के चिकित्सक डॉ प्रवीण सोनी पर मामला दर्ज करके,उन्हें फ़िलहाल जमानत पर रिहा कर दिया है। इन मौतों और इस रिपोर्ट के बाद सतर्कता बरतते हुए कई राज्य सरकारों ने इस दवा को प्रतिबंधित कर दिया है। केंद्र सरकार ने भी सलाह दी है कि दो वर्ष से छोटे बच्चों को कफ सीरप नहीं पिलाया जाए। इस पूरी प्रक्रिया से लगता है कि प्रदेश में ही नहीं देश में निगरानी तंत्र कमजोर है। यूपीए सरकार ने जब नकली दवाओं से छुटकारे के नजरिए से औषधीय एवं सौंदर्य प्रसाधन अधिनियम बनाया था तब यह मान लिया गया था कि अब नकली दवाओं पर कमोबेश प्रतिबंध लग जाएगा। क्योंकि इस कानून के तहत न केवल इस धंधे को गैर जमानती बना दिया गया था, बल्कि दवा बनाने वालों से लेकर बेचने वालों तक को दस साल से लेकर आजीवन कारावास का प्रावधान रखा गया था। लेकिन देखने में आया है कि दवा दुकानों पर लगातार नकली दवाओं के भण्डार बरामद हो रहे हैं और लोग बेमौत मारे जा रहे हैं। साफ है, नकली दवा कारोबार न केवल बेखौफ जारी है बल्कि इसमें बेइंतहा इजाफा भी हो रहा है। यही नहीं ये दवाएं सरकारी अस्पतालों के माध्यम से भी धड़ल्ले से उपयोग में लाई जा रही हैं। इससे जाहिर होता है कि सरकारी चिकित्सा-तंत्र का एक बड़ा हिस्सा इस कारोबार को ताकत दे रहा है।

इसके पहले 2019-20 में जम्मू के रामनगर में भी एक फार्मा कंपनी के बनाए सीरप से 12 बच्चों ने दम तोड़ दिया था। कंपनी पर एफआईआर हुई, लेकिन मामला अभी भी लंबित है। वर्श 2022 में हरियाणा की दवा कंपनी के सीरप से गांबिया में 70 और उज्बेकिस्तान में 65 बच्चों की मौतें हो गई थीं। सिंतबर 2008 में भारत की सबसे बड़ी दवा कंपनी रैनबैक्सी की तीस जेनेरिक दवाओं को अमेरिका ने प्रतिबंधित किया था। रैनबैक्सी की देवास (मध्य प्रदेश) और पांवटा साहिब (हिमाचल प्रदेश) में बनने वाली दवाओं के आयात पर अमेरिका ने रोक लगाई थी। अमेरिका की सरकारी संस्था फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एफडीए) का दावा था कि रैनबैक्सी की भारतीय इकाइयों से जिन दवाओं का उत्पादन हो रहा है उनका मानक स्तर अमेरिका में बनने वाली दवाओं से घटिया है। ये दवाएं अमेरिकी दवा आचार संहिता की कसौटी पर भी खरी नहीं उतरी थीं। जबकि भारत की रैनबैक्सी ऐसी दवा कंपनी है जो अमेरिका को सबसे ज्यादा जेनेरिक दवाओं का निर्यात करती है। रैनबैक्सी एक साल में कई हजार करोड़ की दवाएं देश व दुनिया में बेचती है। ऐसी ही बड़ी बहुराष्ट्रीय कंपनियां किसी आचार संहिता के पालन के पक्ष में नहीं हैं। किसी बाध्यकारी कानून को अमल में लाने में भी ये रोड़ा अटकाने का काम करती हैं। क्योंकि ये अपना कारोबार विज्ञापनों व चिकित्सकों को मुनाफा देकर ही फैलाये हुए हैं। छोटी दवा कंपनियों के संघ का तो यहां तक कहना है कि चिकित्सकों को उपहार देने की कुप्रथा पर कानूनी तौर से रोक लग जाए तो दवाओं की कीमतें 50 फीसदी तक कम हो जाएंगी। चूंकि दवा का निर्माण एक विशेष तकनीक के तहत किया जाता है और रोग व दवा विशेषज्ञ चिकित्सक ही पर्चे पर एक निश्चित दवा लेने को कहते हैं। दरअसल इस तथ्य की पृष्ठभूमि में यह मकसद अंतर्निहित है कि रोगी और उसके अभिभावक दवाओं में विलय रसायनों के असर व अनुपात से अनभिज्ञ होते हैं, इसलिए वे दवा अपनी मर्जी से नहीं ले सकते। इस कारण चिकित्सक की लिखी दवा लेना जरूरी होती है।इंसान की जीवन-रक्षा से जुड़ा दवा करोबार अपने देश में तेजी से मुनाफे की अमानवीय व अनैतिक हवस में बदलता जा रहा है। चिकित्सकों को महंगे उपहार देकर रोगियों के लिए मंहगी और गैर जरुरी दवाएं लिखवाने का प्रचलन लाभ का धंधा हो गया है। इस गोरखधंधे पर लगाम लगाने के नजरिये से कुछ समय पहले केन्द्र सरकार ने दवा कंपनियों से ही एक आचार संहिता लागू कर उसे कड़ाई से अमल में लाने की अपील की थी। लेकिन संहिता का जो स्वरूप सामने लाया गया, वह राहत देने वाला नहीं था। संहिता में चिकित्सकों को उपहार व रिश्वत देकर न तो अनैतिक कारगुजारियों को लेकर कोई साफगोई है और न ही संहिता की प्रस्तावित शर्तें व कानून बाध्यकारी हैं। इन प्रस्तावों को लेकर दवा संघों में भी मतभेद हैं।विज्ञान की प्रगति और उपलब्धियों के सरोकार आदमी और समाज के हितों में निहित हैं। लेकिन हमारे देश में मुक्त बाजार की उदारवादी व्यवस्था के साथ बहुराष्ट्रीय कंपनियों का जब आगमन हुआ, तो उसके तईं जिस तेजी से व्यक्तिगत व व्यवसायजन्य अर्थ-लिप्सा और लूटतंत्र का विस्तार हुआ है, उसके शिकार चिकित्सक तो हुए ही, निगरानी तंत्र भी इसकी चपेट में है। नतीजतन देखते-देखते भारत के दवा बाजार में बहुराष्ट्रीय दवा कंपनियों की 70 प्रतिशत से भी ज्यादा की भागीदारी हो गई। इनमें से 25 फीसदी दवा कंपनियां ऐसी हैं जिन पर व्यवसायजन्य अनैतिकता अपनाने के कारण अमेरिका भारी आर्थिक दण्ड दे चुका है।

ऐसे हालात में चिकित्सक अनैतिकता और दवा कंपनियां केवल लाभ का दृष्टिकोण अपनाएंगी तो आर्थिक रूप से कमजोर तबका तो स्वास्थ्य चिकित्सा से बाहर होगा ही, जो मरीज दवा ले रहे हैं उनके मर्ज की दवा सटीक दी जा रही हैं अथवा नहीं इसकी गारंटी भी नहीं रह जाएगी ? इस कारण सरकार ने 2009 के आरंभ में दवा कंपनियों के संघ से स्वयं एक आचार संहिता बनाकर अपनाने को कहा था। साथ ही सरकार ने यह हिदायत भी दी थी कि यदि कंपनियां इस अवैध गोरखधंधे पर अंकुश नहीं लगातीं तो सरकार को इस बाबत कड़ा कानून लाने के लिए बाध्य होना पड़ेगा।

लेकिन सरकारी चेतावनी की परवाह किए बिना दवा कंपनियों का संघ जो नई आचार संहिता सामने लाया, उसमें उपहार के रूप में लाभ देने का केवल तरीका बदला गया। मसलन तोहफों का सिलसिला बदस्तूर जारी रहेगा। संहिता में केवल दवा निर्माताओं से उम्मीद जताई गई है कि वे चिकित्सकों को टीवी, फ्रिज, एसी, लैपटॉप, सीडी, डीवीडी जैसे इलेक्ट्रॉनिक उपकरण व नकद राशि नहीं देंगे। लेकिन वैज्ञानिक सम्मेलन, कार्यशालाओं और परिचर्चाओं के बहाने उपहार देने का सिलसिला और चिकित्सकों की विदेश यात्राएं जारी रहेंगी। जाहिर है आचार संहिता के बहाने चिकित्सक और उनके परिजनों को विदेश यात्रा की सुविधा को परंपरा बनाने का फरेब संहिता में जानबूझकर डाला गया। विश्व स्वास्थ्य संगठन का दावा है कि भारत में बनने वाली दवाएं करीब 35 प्रतिशत नकली होती हैं। एसौचेम के मुताबिक देश में 25 प्रतिशत की दर से हर साल इस कारोबार में इजाफा हो रहा है। बहरहाल भारत सरकार को दवाओं पर निगरानी के लिए मजबूत तंत्र खड़ा करने की जरूरत है।

वनवासियों के हितचिंतक स्वामी आत्मानंद

रामकृष्ण मिशन से संबंधित स्वामी आत्मानंद जी का जन्म छह अक्तूबर, 1929 को ग्राम बरबंदा (रायपुर, छत्तीसगढ़) निवासी धनीराम वर्मा के घर हुआ था। जन्म से एक दिन पूर्व उनकी माता श्रीमती भाग्यवती देवी को सपना आया कि साक्षात भगवान उनकी गोदी में बैठे हैं और वे उन्हें दूध पिला रही हैं। धर्मप्रेमी मां ने इसे ईश्वरीय संकेत समझ कर बच्चे का नाम 'रामेश्वर' रखा। तुला राशि में जन्म के कारण वे तुलेन्द्र भी कहलाए। धनीराम जी मांढर में अध्यापक थे; पर 1942 के आंदोलन में जेल जाने से उनकी सरकारी नौकरी समाप्त हो गयी थी। कुछ समय बाद तुलेन्द्र पढ़ने नागपुर गये। वहां रामकृष्ण मिशन के छात्रावास में उनके रहने और भोजन की व्यवस्था हो गयी। वहां उन्होंने मंत्र दीक्षा ली। वे संन्यास भी लेना चाहते थे, पर गुरु के आदेश से एम.एस-सी कर अति प्रतिष्ठित आई.सी.एस. परीक्षा उत्तीर्ण की; पर उसके प्रति अनिच्छा के कारण मौखिक परीक्षा छोड़ दी।

1960 में बुद्ध पूर्णिमा पर उन्होंने अमरकंटक में नर्मदा तट पर रामकृष्ण परमहंस के चित्र के सम्मुख स्वयं ही संन्यास लेकर अपना नाम आत्मानंद रख लिया। कई वर्ष बाद नागपुर आश्रम की अनुमति से वे कोलकाता में बेलूड़ मठ गये और ब्रह्मचर्य दीक्षा ली। अब उनका नाम ब्रह्मचारी तेज चैतन्य हो गया। इसके बाद ऋषिकेश में छह माह स्वामी पुरुषोत्तमानंद के पास योग वशिष्ठ का अध्ययन किया। वहां से वे अपने गृह नगर रायपुर आये। रायपुर में दो मास तक विवेकानंद अपने माता-पिता के साथ रहे थे। आत्मानंद जी की इच्छा वहां एक भव्य स्मारक बनाने की थी; पर बेलूड़ मठ ने अनुमति नहीं दी। अतः उन्होंने 'रामकृष्ण सेवा समिति' का गठन कर अपने बलपर इसे बनाने का निर्णय लिया। इसमें उन्हें बहुत कष्ट और अपमान झेलने पड़े। वे स्वामी विवेकानंद के जन्मशती वर्ष (1963) तक स्मारक पूरा करना चाहते थे। इसके लिए काफी धन चाहिए था। अतः उन्होंने रायपुर के नगरपालिका भवन में प्रति रविवार गीता पर प्रवचन शुरू किया। इससे कुछ धन आने लगा। यह देखकर शासन ने उन्हें एक बड़ा भूखंड स्मारक के लिए दे दिया। कुछ समय में वहां आश्रम जैसा स्वरूप बन गया। 30 युवकों ने संन्यास की दीक्षा भी ली। 14 नवम्बर, 1969 को मिशन के अध्यक्ष स्वामी वीरेश्वरानंद ने रामकृष्ण मंदिर का शिलान्यास तथा दो फरवरी, 1976 को उद्घाटन किया। इस बीच म.प्र. में अकाल पड़ने से मंदिर के लिए एकत्रित काफी धन जनसेवा में लग गया। फिर भी क्रमशः मंदिर, छात्रावास, पत्रिका, डाकघर, पुस्तकालय, चिकित्सालय आदि बनते चले गये। यद्यपि यह स्मारक उन्होंने अपने बल पर बनाया था; लेकिन उनके आग्रह पर 1968 में यह बेलूड़ मठ में विलीन कर दिया गया और इसका नाम 'रामकृष्ण मिशन विवेकानंद आश्रम' हो गया। यद्यपि वे तन और मन से संन्यासी थे; पर 'रामकृष्ण मिशन' उन्हें अलग मानता था। 1968 में मां सारदा के जन्मदिवस पर बेलूड़ मठ में उन्हें विधिवत संन्यास की दीक्षा दी गयी। उन्होंने हिन्दी, अंग्रेजी और बांग्ला के कई ग्रंथों का परस्पर अनुवाद किया। वे टेनिस, वॉलीबॉल, शतरंज के खिलाड़ी तथा गीत और संगीत प्रेमी थे। नागपुर के आश्रम में तो प्रायः वे ही आरती आदि गाते थे। गीता और मानस पर उनके अपने प्रवचन भी प्रकाशित हुए हैं। इसके बाद मिशन की योजना से वे जहां भी रहे, अध्यात्म साधना के साथ जनसेवा में भी लगे रहे। वनवासी कल्याण आश्रम के हर काम में वे पूरा सहयोग देते थे। 27 अगस्त, 1989 को रायपुर आते समय राजनादगांव में उनकी जीप एक पुलिया से टकरा गयी। दरवाजे के पास बैठे स्वामी आत्मानंद जी नीचे गिर पड़े। तभी जीप पीछे पलटी और उनके सीने को कुचल दिया। इससे सेवा पथ के पथिक स्वामी जी का वहीं दुखद प्राणांत हो गया।

सू- दोकू क्र.191

	7			4		3		
2			3			9		4
	6			2				
3		1			7		4	
	2			1			6	
8			9		4			1
		2		3		7		
1			7		2	4		3
	5	3		8			7	2

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.190 का हल

9	2	8	3	1	5	7	4	6
4	1	6	8	9	7	2	5	3
7	3	5	4	6	2	8	1	9
2	7	3	9	8	1	4	6	5
5	4	1	6	7	3	9	2	8
6	8	9	2	5	4	1	3	7
3	6	2	7	4	9	5	8	1
8	5	7	1	2	6	3	9	4
1	9	4	5	3	8	6	7	2

एक नजर

बस्तर दशहरा लोकोत्सव के पहले दिन अयोध्या की राम लीला ने बांधा समां

जगदलपुर 6 अक्टूबर। बस्तर दशहरा लोकोत्सव 2025 के सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ प्रथम दिन का आगाज हुआ। इस अवसर पर अयोध्या से आई रामलीला मंडली ने भगवान श्रीराम की जीवन लीला पर आधारित मनमोहक मंचन प्रस्तुत किया, जिसने दर्शकों का दिल जीत लिया।इसके अलावा कार्यक्रम में स्थानीय कलाकारों और स्कूली बच्चों ने भी पारंपरिक नृत्य और लोकगीतों की सुंदर प्रस्तुति दी। बस्तर की सांस्कृतिक झलकियों से सजी इस संध्या ने दशहरा लोकोत्सव के पहले दिन को यादगार बना दिया। समारोह में बड़ी संख्या में नागरिक, पर्यटक और स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दूसरे दिन स्थानीय कलाकारों और स्कूली बच्चों के कार्यक्रम के अलावा अयोध्या वाली रामलीला और रूपाली जग्गा का कार्यक्रम की प्रस्तुति होगी।

क्विज प्रतियोगिता में युवाओं ने दिखाया उत्साह

जगदलपुर 6 अक्टूबर। जनसंपर्क विभाग द्वारा आमजन को शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देने के उद्देश्य से लालबाग मैदान में आयोजित मेला स्थल में प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी में प्रधानमंत्री आवास योजना, मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना, आयुष्मान भारत, वन धन योजना, मनरेगा, शिक्षा और स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख योजनाओं से संबंधित आकर्षक जानकारी प्रदर्शित की गई।प्रदर्शनी स्थल में नागरिकों, विशेषकर विद्यार्थियों और युवाओं के लिए क्विज प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने शासन की योजनाओं से संबंधित प्रश्नों के उत्तर देकर अपनी जागरूकता का परिचय दिया। प्रतियोगिता में विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए गए। जनसंपर्क विभाग के उप संचालक श्री कमल बघेल ने बताया कि इस प्रकार के आयोजन का मुख्य उद्देश्य आमजन में सरकारी योजनाओं के प्रति जानकारी और भागीदारी को बढ़ाना है, ताकि योजनाओं का अधिकाधिक लाभ लोगों तक पहुँच सके।

इस वर्ष शरद पूर्णिमा पर पड़ रहा भद्रा का साया

जगदलपुर। पंचांग के अनुसार शरद पूर्णिमा 6 अक्टूबर सोमवार को पड़ रही है। हिंदू धर्म में इस दिन का विशेष महत्व है, इस दिन से ही शरद ऋतु की शुरूवात होती है, इस दिन चंद्रमा सोलह कलाओं से युक्त होता है। ऐसी भी कहा जाता है कि शरद पूर्णिमा पर चंद्रमा अमृत की वर्षा करता है, जिससे धन, प्रेम और स्वास्थ्य के मोर्चे पर लाभ मिलता है, किंतु इस वर्ष शरद पूर्णिमा पर भद्रा का साया है। पौराणिक शास्त्रों के अनुसार, भगवान श्री कृष्ण ने इसी दिन महारास रचाया था। कहते हैं कि इस दिन चांद की रोशनी में खीर रखकर खाने से इंसान का भाग्य संवरता है। हालांकि इस बार शरद पूर्णिमा पर चंद्रमा के साए में खीर रखने का मामला थोड़ा गड़बड़ दिख रहा है। दरअसल, 6 अक्टूबर को शरद पूर्णिमा के दिन भद्रा भी लगने वाला है। भद्रा काल में कोई भी शुभ कार्य या धार्मिक अनुष्ठान करने की मनाही होती है।इस साल शरद पूर्णिमा पर लगभग पूरे दिन भद्रा का साया रहने वाला है। शरद पूर्णिमा के दिन दोपहर 12 बजकर 23 मिनट से भद्रा काल आरंभ हो जाएगा। इसका समापन रात 10 बजकर 53 मिनट पर होगा। ज्योतिषविदों का कहना है कि भद्रा काल के बाद ही चंद्रमा के साए में खीर रखना उचित होगा। रात 10.53 बजे तक भद्रा भी रहेगा। इसलिए भद्रा काल से बचते हुए उन्नति मुहूर्त में 10.55 से किसी भी समय खीर रख सकते हैं। पंडित अरकीत दास ने बताया कि हिंदू पंचांग के अनुसार, आश्विन माह की पूर्णिमा तिथि 6 दोपहर में 12 बजकर 24 मिनट पर शुरू होगी, और इसका समापन 7 अक्टूबर को सुबह 9 बजकर 18 मिनट पर होगा। ऐसे में शरद पूर्णिमा 6 अक्टूबर को ही मनाई जाएगी।

मुख्यमंत्री के लिए अभद्र भाषा का प्रयोग भाजपा करवाएगी एफआईआर

कांकेर 6 अक्टूबर। जिले के अंतागढ़ जिला पंचायत सदस्य गुप्तेश उसेंडी ने पोडगांव इलाके की खराब सड़क को लेकर प्रदर्शन करने ग्रामीणों के साथ बैठक में मुख्यमंत्री के लिए अभद्र भाषा का प्रयोग कर वीडियो बनवाया। फिर उसे अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वायरल कर दिया। वीडियो भाजपा नेताओं के हाथ लगने पर इसका विरोध करते हुए कहा गया कि जिला पंचायत सदस्य का बयान को सोची समझी साजिश बताते हुए इसकी निंदा कर एफआईआर दर्ज कराने

संघ स्थापना के शताब्दी वर्ष पूर्ण होने एवं विजयदशमी पर दंतेवाड़ा में हुआ पथ संचलन

दंतेवाड़ा 6 अक्टूबर। राष्ट्रिय स्वयं सेवक संघ छत्तीसगढ़ प्रान्त जिला दंतेवाड़ा द्वारा पथ संचलन का कार्यक्रम दंतेवाड़ा नगर में आयोजित किया गया जिसमे बड़ी संख्या में स्वयं सेवक शामिल हुए । प्रति वर्ष की भांति राष्ट्रिय स्वयं सेवक संघ अपने प्रारम्भ वर्ष 1925 से प्रमुख पर्व एवं उत्सवों के अवसर पर संघ शक्ति प्रकटीकरण हेतु संचलन आयोजित करता आ रहा है। इस वर्ष संघ के शताब्दी वर्ष पूर्ण होने एवं विजयदशमी के पावन पर्व के अवसर पर दंतेवाड़ा नगर में वृहद् पथ संचलन का आयोजन राष्ट्रिय स्वयं सेवक संघ छत्तीसगढ़ प्रान्त जिला दंतेवाड़ा द्वारा किया गया। इस पथ संचलन के महत्वपूर्ण अवसर पर सैकड़ों की संख्या में स्वयंसेवक कतारबद्ध होकर रैली के शक्ल में पथ संचलन के सहभागी बने। पथ संचलन इतिहास निर्माण के लिए गौरव पूर्ण क्षण है जिसका जगह जगह नगर के चौक चौराहों पर मातृशक्ति एवं आम जनों ने पुष्प वर्षा कर स्वागत किया । विजयदशमी के अवसर पर आयोजित पथ संचलन में जिले के जनप्रतिनिधि समेत प्रतिष्ठित नागरिक भी सहभागी एवं साक्षी बनकर गौरवान्वित हुए।

कुआकोण्डा, किरन्दुल और अब कुंदेली में दुष्कर्म कर महिला की हत्या

आदिवासी महिलाओं को टारगेट कर हो रही हत्या : तुलिका कर्मा

दंतेवाड़ा 06 अक्टूबर। जिला मुख्यालय दंतेवाड़ा में भ्रष्टाचार के साथ अब आदिवासी महिलाओं के साथ दुष्कर्म के मामले भी लगातार सामने आ रहे हैं। पहले किरन्दुल फिर कुआकोण्डा और अब भांसी के कुंदेली में महिला के साथ अनाचार कर उसे मार कर जंगल में फेंक दिया गया। इस मामले में बयान जारी कर जिला पंचायत सदस्य तुलिका कर्मा ने कहा कि बीते तीन महीनों में महिलाओं के साथ लगातार अत्याचार हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि सभी महिलाओं के साथ एक ही तरह की घटनाएं हो रही है। पहले महिलाओं के साथ दुष्कर्म होता है फिर उन्हें जान से मार दिया जाता है। उल्लेखनीय है कि आज जिपं सदस्य तुलिका ने घटना स्थल पहुंच मामले की जानकारी ली साथ ही आसपास के ग्रामीणों से बातचीत भी की। ग्रामीणों ने बताया कि रोड़ से करीब 50 मीटर दूर महिला की लाश मिली। घटना स्थल के आसपास महिला को घसीटकर ले जाने के निशान है और चुढ़ी के कुछ टुकड़े भी मिले हैं। तुलिका ने बताया कि महिला के साथ एक से ज्यादा लोगों ने अनाचार किया है और महिला के शरीर पर चोट के निशान भी साफ हैं। ग्रामीणों ने तुलिका को बताया कि घटना जिस रास्ते पर हुई है उसी रास्ते पर नाहर कंस्ट्रक्शन कंपनी का डामर प्लांट भी स्थिति है। ग्रामीणों का अंदेशा है कि इस डामर प्लांट में काम करने बाहर से कई व्यक्ति आए हैं। तुलिका ने घटना स्थल का मुआयना किया साथ ही भांसी थाना पहुंच

थाना प्रभारी से मुलाकात भी है। तुलिका ने बयान में कहा कि दंतेवाड़ा जिले में इस तरह की घटना लगातार हो रही है जो जिलेको शर्मशार करने वाली है। आदिवासी महिलाओं को टारगेट कर उनके साथ दुष्कर्म कर हत्या कर दी जा रही है। भाजपा सरकार में जिस तरह से महिलाओं के साथ अनाचार के मामले में बढ़त हुई है वह काफी निदंनीय है। विधायक चैतराम अटामी इन मामलों को संज्ञान में लेना छोड़ हमेशा ऐसी घटनाओं से दूरी बना लेते हैं, जिससे आरोपियों के हौसले और बुलंद हो जाते हैं। बाहर की कंपनियां लगातार जिले में डेरा डाल अपना काम कर रहे हैं। कंपनियों में काम करने आए व्यक्तियों की कोई जानकारी पुलिस के पास नहीं है। विधायक चैतराम अटामी कई आयोजनों में कहते हैं हमारा पहला लक्ष्य है महिलाओं को सुरक्षा प्रदान करना पर यह सिर्फ नारा बनकर रह गया है। दंतेवाड़ा जिले में इस तरफ की घटनाएं कभी नहीं हुई पर जब से भाजपा सरकार सत्ता पर काबिज हुई है तब से महिलाओं से जुड़ी घटनाओं का काफी ईजाफा हुआ है। तुलिका ने पुलिस प्रशासन पर दो टूक आरोप लगाते हुए कहा कि पुलिस की लचर सुरक्षा व्यवस्था के चलते घटनाएं बढ़ रही है। शासन के बड़े पद पर बैठे नेता ध्यान नहीं दे रहे हैं इस कारण पुलिस भी सिर्फ घटना होने के बाद एफआईआर तक सिमित होकर रह गई है। तुलिका कर्मा ने पुलिस प्रशासन को अल्टीमेटम देते हुए कहा कि अगर एक सप्ताह के भीतर आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हुई तो महिला कांग्रेस द्वारा पुलिस अधीक्षक कार्यालय का घेराव किया जाएगा।

शाह बस्तर में जनता के सामने सरकार की झूठी तारीफ करके गये : दीपक बैज

जगदलपुर 6 अक्टूबर। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह बस्तर में आकर बस्तर की जनता के सामने अपनी सरकार की झूठी तारीफ करके गये है, अमित शाह कह रहे थे साय सरकार में शिक्षा पर बड़ा काम हुआ है, युक्ति युक्तकरण के नाम पर 10,400 से अधिक स्कूल बंद हो गये, शायद अमित शाह को इसकी जानकारी नहीं थी।

अमित शाह कह रहे थे स्वास्थ्य के मामले में साय सरकार ने बेहतरीन कार्य किया है, लेकिन वे भूल रहे थे कि, सरकारी जमीन पर बने तथा एनएमडीसी के सीएसआर फंड के पैसे से बने सुपर स्पेशिलटी हॉस्पिटल को हैदराबाद की निजी कंपनी को चलाने दे दिया, जहां गरीबों का इलाज होना था वहां पर अब स्वास्थ्य का व्यापार होगा।

उन्होंने कहा कि शाह बस्तर ओलंपिक की बात कर रहे थे, बस्तर ओलंपिक के नाम पर किये गये भ्रष्टाचार पर क्यों चुप रहे? 1400 का ट्रेक सूट 2500 में खरीदा गया, इस पर कुछ नहीं बोल। साय सरकार के भ्रष्टाचार 400 का जग 32000 में खरीदा गया। 1 लाख की टीवी 10 लाख में खरीदी गई। 60 हजार की रोटी मशीन 8 लाख में खरीदी गयी। 100 का चप्पल 1200 में खरीदा गया, इस पर अमित शाह चुप थे।

दीपक बैज ने कहा बस्तर की जनता की तरफ से हमने अमित शाह से 8 सवाल पूछे थे, लेकिन अमित शाह ने उनका जवाब नहीं दिया। अमित शाह के पास इन सवालों का जवाब था ही नहीं, उनमें से कुछ सवाल उनकी सरकार की बदनीयती को उजागर करते थे, इसलिए वे उनका जवाब देना ही नहीं चाहते थे।

प्रेसवार्ता में मुख्य रूप से संगठन सृजन प्रभारी सप्तगिरि उल्का, सहप्रभारी प्रेमसाय सिंह टेकाम, प्रेमचंद जायसी, नोवेल वर्मा, शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुशील मौर्य, ग्रामीण जिलाध्यक्ष प्रेमशंकर शुक्ला, उमाशंकर शुक्ला,पूर्व विधायक रेखचंद जैन,जतिन जायसवाल आदि मौजूद रहे।

हमने पूछा था

- क्या शाह इस बात की गारंटी देंगे कि बस्तर वासियों की मंशा के खिलाफ बस्तर में अडानी या अन्य उद्योगपतियों की इंट्री नहीं होगी?
- एनएमडीसी का मुख्यालय बस्तर क्यों नहीं आ रहा?
- केंद्र नंदराज पर्वत की लीज रद्द क्यों नहीं कर रहा?
- नगर नार इस्पात संयत्र नहीं बिकेगा क्या इसकी गारंटी देंगे?
- बस्तर में आदिवासियों का फर्जी एन काउंटर अब नहीं होगा, इसी की गारंटी देंगे? आरक्षण संशोधन विधेयक कब तक लंबित रहेगा?
- बस्तर की तीन खदानों बैलाडीला 1ए, 1बी, 1सी को मित्तल समूह और कांकेर
- की हाहालदी को रूंगटा को क्यों बेचा क्या इसका जवाब अमित शाह जी देंगे? मोदी सरकार ने आदिवासियों को संरक्षण देने वाले 2006 के वन अधिकार
- अधिनियम में संशोधन क्यों किया?

किंतु अमित शाह छत्तीसगढ़ बस्तर की जनता की ओर से पूछे गए इन सवालों का जवाब नहीं दे पाये?

उचित मूल्य दुकान संचालकों ने छह सूत्रीय मांगों को लेकर पदयात्रा चारामा से शुरू की

कांकेर 6 अक्टूबर। जिले में शासकीय उचित मूल्य दुकान संचालक विक्रेता कल्याण संघ ने अपनी छह सूत्रीय मांगों को लेकर पदयात्रा शुरू की है। यह यात्रा आज 5 अक्टूबर को बस्तर के प्रवेश द्वार चारामा मुख्यालय से रायपुर के लिए रवाना हुई है, जो लगभग 125 किलोमीटर की दूरी तय करेगी। संघ के सदस्यों का कहना है कि वे पिछले 20 वर्षों से अपनी समस्याओं और कमीशन वृद्धि की मांगों को लेकर सरकार से गुहार लगा रहे हैं, लेकिन उनकी सुनवाई नहीं हुई है। वे छत्तीसगढ़ सरकार की महत्वाकांक्षी पीडीएस योजना के तहत लगातार काम करते आ रहे हैं। प्रदेश अध्यक्ष रामदेव सिन्हा ने बताया कि पदयात्रा पहले दिन धमतरी में रुकेगी। इसके बाद दूसरे दिन अभनपुर में एक सभा का आयोजन किया जाएगा, जिसके बाद यात्रा मुख्यमंत्री निवास, रायपुर की ओर आगे बढ़ेगी।

संघ की प्रमुख छह सूत्रीय मांगें इस प्रकार हैं - 1. कमीशन वृद्धि, 2. हेडिंग लॉस प्रतिपूर्ति और अतिरिक्त खाद्यान्न, 3. वेइंग मशीन की स्टैंपिंग, 4. वित्तीय पोषण राशि, 5. ई-पास मशीन की अतिरिक्त कमीशन, 6. एनएफएसए कमीशन राशि, को लेकर पदयात्रा शुरू की है। सरकार द्वारा मांगों पर कोई पहल न किए जाने पर, संघ ने 1 अक्टूबर, 2025 से छत्तीसगढ़ राज्य में सभी राशन दुकानें बंद करने का निर्णय लिया था, जिसके बाद यह पदयात्रा निकाली जा रही है।

इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष रामदेव सिन्हा, प्रदेश अध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ लक्ष्मनिया उईके, प्रदेश कोषाध्यक्ष रूपनारायण सोनी, प्रदेश संरक्षक विनोद मोदी, कृष्ण कुमार गुप्ता, बुधराम वर्मा, सुदामा यादव, तुलाराम निराला, राकेश पांडे, कमलेश जैन, रोहित नाग, गौरी शंकर गुप्ता, राम स्नेही लोनिया, राजेश सिन्हा, विष्णु बंजारे, रोहित नाग, राजेश सिन्हा, ऋषि उपाध्याय मुख्य रूप पद यात्रा में शामिल हैं।

अब पहली नवम्बर को ही खुलेगी कोटमसर गुफा

जगदलपुर 6 अक्टूबर । कांगेरघाटी नेशनल पार्क के भीतर स्थित कोटमसर गुफा को मुख्यालय से अनुमति लेकर विभाग दशहरा पर्व के दौरान पर्यटकों के लिए खोलने का प्रयास किया था, लेकिन बारिश होने के कारण गुफा की साफ-सफाई भी नहीं हो पायी और खोलना असंभव हुआ। अब हर साल की तरह ही पूर्व निर्धारित तिथि 1 नवम्बर को गुफा का द्वार आम पर्यटकों के लिए खोला जाएगा। उल्लेखनीय है कि कोटमसर गुफा को प्रतिवर्ष 1 नवम्बर को आम पर्यटकों के लिए खोला जाता है और बरसात के मौसम आते ही 15 जून को बंद कर दिया जाता है, क्योंकि बरसात के मौसम में गुफा में पानी भर जाता है। हर साल गुफा के भीतर की सुंदरता को निहारने हजारों की संख्या में पर्यटक पहुंचते हैं। बस्तर दशहरा के दौरान बड़ी संख्या में पर्यटक बस्तर पहुंचते हैं और पर्यटकों की मांग पर विभाग कोटमसर गुफा का द्वार खोलने प्रयास करता है, लेकिन कभी सफलता नहीं मिली। इस साल भी गुफा को खोलने का प्रयास किया गया, लेकिन बारिश के कारण नहीं खोल पाए। संभागीय मुख्यालय से लगभग 30 किलोमीटर दूर ओडिशा बॉर्डर से लगे गांव तिरिया में रविवार को विशेष ग्राम सभा का आयोजन किया गया। यह सभा वन अधिकार कानून 2006 के प्रावधानों के तहत आयोजित की गई थी। इसके अंतर्गत ग्राम सभाओं को अपने पारंपरिक संसाधनों, वनों और प्राकृतिक स्थलों के संरक्षण, प्रबंधन एवं उपयोग से संबंधित निर्णय लेने का अधिकार है। तय हुआ कि गांव का प्राकृतिक पर्यटन स्थल 15 अक्टूबर से आम जनता के लिए खोला जाएगा। पर्यटन स्थल के सुचारू संचालन और प्रबंधन के लिए गश्त करने वाली टीम एवं सुरक्षा टीम के सदस्यों को पहचान स्वरूप शर्ट भी वितरित किए गए।

कांग्रेस पार्टी ने संगठन को मजबूत करने सृजन अभियान की शुरुआत की: सप्तगिरि

कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व ने वर्ष 2025 को संगठन का वर्ष घोषित किया

जगदलपुर 6 अक्टूबर । आज एआईसीसी पर्यवेक्षक व संगठन सृजन प्रभारी सप्तगिरि शंकर उल्का ने पत्रवार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) द्वारा नियुक्त पर्यवेक्षकों का दौरा शनिवार से शुरू हुआ. ये केंद्रीय पर्यवेक्षक राय के विभिन्न जिलों में जाकर जिला अध्यक्षों के चयन के लिए जमीनी फीडबैक जुटा रहे हैं। कांग्रेस पार्टी ने संगठन को मजबूत करने के लिए सृजन अभियान की शुरुआत की है। इस अभियान की शुरुआत गुजरात से हुई थी और कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व ने वर्ष 2025 को संगठन का वर्ष घोषित किया है। यह निर्णय दिसंबर 2024 में कर्नाटक में आयोजित कांग्रेस अधिवेशन में लिया गया था, जिसके तहत संगठन निर्माण का कार्य शुरू किया गया है।

इस अभियान के अंत में पूरी रिपोर्ट कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व को सौंपी जाएगी। देश में अब युवा नेतृत्व की जरूरत है और इसी को ध्यान में रखते हुए नई लीडरशिप तैयार की जा रही है। वरिष्ठ नेताओं को पर्यवेक्षक बनाकर हर जिले और ब्लॉक से फीडबैक लिया जा रहा है, जिससे जिला अध्यक्षों की नियुक्ति में सभी की सहभागिता सुनिश्चित हो सके। हमारा प्रयास है कि जमीन से जुड़े कार्यकर्ताओं को संगठन से किस तरह जोड़ा जाए, यह समझा जाए। संवाद के आधार पर जो निष्कर्ष निकलेंगे, उन्हें नेतृत्व से साझा कर संगठन को नए रूप में सक्रिय किया जाएगा, ताकि आने वाली चुनौतियों और संभावनाओं का बेहतर तरीके से सामना किया जा सके। इस प्रेसवार्ता में मुख्य रूप से संगठन सृजन प्रभारी सप्तगिरि उल्का, सहप्रभारी प्रेमसाय सिंह टेकाम, प्रेमचंद जायसी, नोवेल वर्मा, शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुशील मौर्य, ग्रामीण जिलाध्यक्ष प्रेमशंकर शुक्ला, उमाशंकर शुक्ला,पूर्व विधायक रेखचंद जैन, जतिन जायसवाल आदि मौजूद रहे।

स्वदेशी मेला में महिला स्व-सहायता समूहों की खाद्य सामग्री सहित कला-शिल्प खूब लुभा रहे

जगदलपुर 6 अक्टूबर। ऐतिहासिक बस्तर दशहरा 2025 के अवसर पर 8 अक्टूबर तक बस्तर जिले में आयोजित स्वदेशी मेला ने स्थानीय संस्कृति और ग्रामीण आजीविका की अनूठी छटा बिखेर दी है। इस मेले में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत गठित स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने अपने हाथों से बने उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों को प्रदर्शन एवं विक्रय कर आत्मनिर्भरता का संदेश दिया है। मेले में जिला पंचायत का स्टॉल आकर्षण का केंद्र बन गया है, जहां बस्तर और संभाग के अन्य जिलों की महिला समूहों द्वारा उत्पादित विविध सामग्रियां ग्राहकों को खूब लुभा रही हैं। इस स्टॉल पर विशेष रूप से हल्दी, मिर्ची, धनिया, तीखुर जैसे शुद्ध मसाले, साथ ही पारंपरिक व्यंजन जैसे महुआ लड्डू, इमली चपाती, कुकीज़, और मिक्सचर उपलब्ध हैं।

उत्पादों की श्रंखला सिर्फ खाद्य सामग्रियों तक सीमित नहीं है। यहां बेलमेटल की उत्कृष्ट कलाकृतियां, काष्ठकला के महीन नमूने, और पारंपरिक वेशभूषा एवं सूती वस्त्र जैसे परिधान भी प्रदर्शित किए गए हैं। इसके अलावा, बाँस के समान, सीसल और जूट से बने आकर्षक उत्पाद, हस्तनिर्मित ज्वैलरी तथा घर की रोजमर्रा की ज़रूरतों के लिए साबुन, सर्फ, फिनाइल और सेनेटरी पैड जैसे उत्पाद भी बिक्री के लिए उपलब्ध हैं। इस मेले में बस्तर संभाग के अन्य जिलों के स्वयं सहायता समूह सदस्यों द्वारा बनाए गए। उत्पादों को भी शामिल किया गया है, जो लोकल फॉर वोकल की भावना को बल देते हुए ग्रामीण महिलाओं के उद्यमशीलता के हुनर को एक बड़ा मंच प्रदान कर रहा है। यह मेला ग्रामीण महिलाओं की आर्थिक सशक्तिकरण की कहानी भी बयां कर रहा है। स्थानीय उत्पादों की खरीदकर, लोग सीधे इन मेहनती महिला समूहों की आजीविका में सहयोग कर रहे हैं। यह आयोजन 8 अक्टूबर तक चलेगा और स्थानीय उत्पादों का यह खजाना सभी आगंतुकों के लिए खुला है।

रात में खीर बनाकर छत पर रखने की है परंपरा

शरण पूर्णिमा पर धन की देवी मां लक्ष्मी का किया व्रत-पूजन

दंतेवाड़ा 6 अक्टूबर। देश भर में आज शरद पूर्णिमा का त्यौहार भक्तिभाव के साथ मनाया जा रहा है। शारदीय नवरात्रि के संपन्न होने के बाद शरद पूर्णिमा आता है। आज से सर्दियों का मौसम भी शुरू हो जाता है। आज के दिन मां लक्ष्मी का व्रत पूजन करने का विधान है। आज की रात चंद्रमा अपनी सोलह कलाओं में होता है। शरद पूर्णिमा की रात लोग खीर बनाकर छतों पर रखते हैं और अगली सुबह उसी खीर को प्रसाद के तौर पर ग्रहण करते हैं।

आज 6 अक्टूबर 2025 दिन सोमवार को शरद पूर्णमासी पड़ रहा है। शरद पूर्णिमा पर लोग सुबह नदी तालाबों में जाकर स्नान करते हैं जिसके बाद मां लक्ष्मी देवी का व्रत रखा जाता है। बंगाली समुदाय के लोग आज की

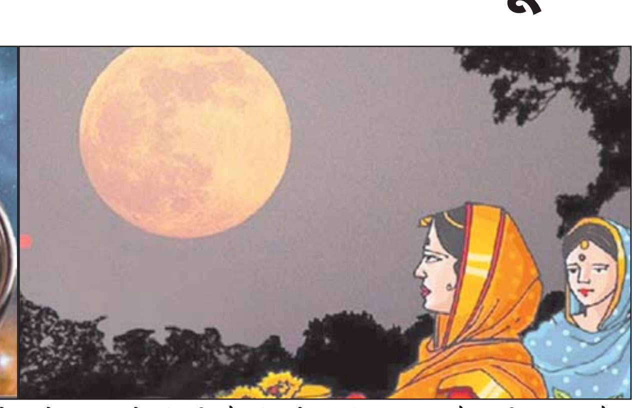

रात में मां लक्ष्मी का विधि विधान से पूजन करते हैं। कहा जाता है कि शरद पूर्णिमा के दिन ही मां लक्ष्मी देवी का जन्म हुआ था। यह बंगाल में बहुत ही प्रसिद्ध है। आज से सर्दियों का मौसम भी शुरू हो जाता है। धार्मिक मान्यतानुसार शरद पूर्णिमा के दिन ही भगवान श्रीकृष्ण ने महारास रचाया था। शरद पूर्णिमा का चांद अपनी सभी 16 कलाओं से संपूर्ण होकर अपनी किरणों से रात भर अमृत की वर्षा करती है।

खीर बनाकर रात भर चांदनी में रखने का विधान है- मान्यता है कि चांदनी में रखी खीर औषधि का काम करती है। माना जाता है कि इस दिन खीर को खुले में रखने से ओस के कण के रूप में अमृत रूपी बूंदे खीर के पात्र में गिरती है जिसके फलस्वरूप यह खीर अमृत तुल्य हो जाता है। जिसको सुबह प्रसाद के रूप में ग्रहण किया जाता है। ऐसी भी मान्यता है कि इस खीर को खाने से मनुष्य निरोगी होता है उसके शरीर के सभी रोग एवं व्याधि दूर हो जाती है। शरद पूर्णिमा की रात को छत पर खीर रखने के पीछे वैज्ञानिक तथ्य भी छिपा हुआ है। खीर दुध और चांवल से बनकर तैयार होता है। दरअसल दूध में लैक्टिक नाम का एक अम्ल होता है यह एक ऐसा तत्व होता है जो चंद्रमा की कीरणों से अधिक मात्रा में शक्ति का शोषण करता है। वहीं चांवल में स्टार्च की मात्रा होने से खीर और भी ज्यादा असरकारक हो जाता है।

एक नजर

निरूल नाला पर स्टॉप डेम निर्माण को मिली प्रशासकीय स्वीकृति

कांकेर, 6 अक्टूबर। राज्य शासन, जल संसाधन विभाग द्वारा कांकेर जिले के विकासखण्ड अंतागढ़ के मड़या स्थित निरूल नाला में फूलसिंग के खेत के पास स्टॉप डेम निर्माण कार्य हेतु दो करोड़ अस्सी लाख बासठ हजार रूपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। यह स्वीकृति अद्यतन अनुसूची में संशोधन दिनांक 08 अगस्त 2025 के आधार पर दी गई है।निर्माण कार्य पूर्ण होने पर क्षेत्र में जल संवर्धन, निस्तारी, पेयजल आपूर्ति तथा लगभग 35 हेक्टेयर खरीफ क्षेत्र में सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी, जिससे स्थानीय कृषकों की कृषि उत्पादकता और आजीविका में वृद्धि होगी। योजना पर व्यय अनुसूचित जनजाति उपयोजना के अंतर्गत लघु सिंचाई पर पूंजी परिव्यय शीर्ष से किया जाएगा। यह स्वीकृति वित्त एवं योजना विभाग के स्थायी वित्त निर्देश 15/2025 के अनुसार मंत्रीस्तरीय अनुमोदन प्राप्त कर दी गई है।कार्य की तकनीकी स्वीकृति (ज्ञस) सक्षम अधिकारी से प्राप्त करने के उपरांत ही निविदा आमंत्रित की जाएगी। निविदा प्रक्रिया निष्पक्ष एवं पारदर्शी होगी तथा कम से कम 75 प्रतिशत बाधा-रहित भूमि उपलब्ध होने पर ही कार्य प्रारंभ किया जाएगा। निर्माण की गुणवत्ता, मितव्ययिता एवं वित्तीय अनुशासन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।मुख्य अभियंता को कार्य की प्रगति पर नियंत्रण रखते हुए प्रशासकीय एवं वित्तीय नियमों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। यह परियोजना क्षेत्रीय जल-संसाधन विकास और किसानों को सिंचाई सुविधा प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होगी, जिससे अंतागढ़ क्षेत्र में जलस्तर सुधार एवं कृषि विकास को बढ़ावा मिलेगा।

प्रदेश में अब तक 1191.2 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

रायपुर, 6 अक्टूबर। छत्तीसगढ़ में 1 जून से अब तक 1191.2 मि.मी. औसत वर्षा रिकार्ड की जा चुकी है। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा स्थापित राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रदेश में अब तक दंतेवाड़ा जिले में सर्वाधिक 1618.3 मि.मी. वर्षा रिकार्ड की गई है। बेमेतरा जिले में सबसे कम 546.8 मि.मी. वर्षा दर्ज हुई है।ायपुर संभाग में रायपुर जिले में 1132.9 मि.मी., बलौदाबाजार में 985.7 मि.मी., गरियाबंद में 1213.4 मि.मी., महासमुंद में 1035.5 मि.मी. और धमतरी में 1138.8 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई है।बिलासपुर संभाग में बिलासपुर जिले में 1184.7 मि.मी., मुंगेली में 1157.5 मि.मी., रायगढ़ में 1370.0 मि.मी., सारंगढ़-बिलाईगढ़ में 1098.7 मि.मी., जांजगीर-चांपा में 1381.9 मि.मी., सक्ती में 1254.4 मि.मी., कोरबा में 1168.2 मि.मी. और गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही 1094.2 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई है।दुर्ग संभाग में दुर्ग जिले में 932.0 मि.मी., कबीरधाम में 856.6 मि.मी., राजनांदगांव में 1002.0 मि.मी., मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी में 1454.5 मि.मी., खैरागढ़-छुईखदान-गंडई में 890.0 मि.मी. और बालोद में 1288.7 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई है।सरगुजा संभाग में सरगुजा जिले में 791.8 मि.मी., सूरजपुर में 1174.0 मि.मी., बलरामपुर में 1578.4 मि.मी., जशपुर में 1086.2 मि.मी., कोरिया में 1243.3 मि.मी. और मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में 1123.6 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई है।बस्तर संभाग में बस्तर जिले में 1595.8 मि.मी., कोंडागांव जिले में 1187.8 मि.मी., कांकेर में 1388.8 मि.मी., नारायणपुर में 1448.7 मि.मी., सुकमा जिले में 1272.4 मि.मी. और बीजापुर जिले में 1613.0 मि.मी. की औसत वर्षा रिकार्ड की जा चुकी है।

नवोदय में कक्षा 9 वीं एवं 11 वीं में प्रवेश के लिए 7 अक्टूबर तक कर सकते हैं आवेदन

महासमुंद 6 अक्टूबर । जवाहर नवोदय विद्यालय समिति द्वारा सत्र 2026-27 हेतु कक्षा 9वीं एवं 11वीं में रिक्त सीटों पर प्रवेश के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। आवेदन की अंतिम तिथि 07 अक्टूबर 2025 तय की गई है। चयन परीक्षा का आयोजन 07 फरवरी 2026 को किया जाएगा। समिति ने अभ्यर्थियों से समय पर आवेदन करने की अपील की है।जवाहर नवोदय विद्यालय समिति से मिली जानकारी अनुसार कक्षा 9वीं में प्रवेश हेतु के लिए अभ्यर्थी वर्ष 2025-26 में कक्षा 8वीं में अध्ययनरत होना चाहिए तथा जन्मतिथि 01 मई 2011 के बीच होनी चाहिए। इसी तरह कक्षा 11वीं में प्रवेश के लिए अभ्यर्थी सत्र 2025-26 में कक्षा 10वीं उत्तीर्ण की हो तथा जन्मतिथि 01 जून 2009 के बीच होनी चाहिए। चयन परीक्षा ओएमआर आधारित होगी। प्रश्नपत्र हिंदी एवं अंग्रेजी दोनों भाषाओं में उपलब्ध रहेगा।

कोरबा-एसईसीएल कॉलोनी के रहवासी दूषित पानी आपूर्ति से त्रस्त

कोरबा 6 अक्टूबर । सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम एसईसीएल बिलासपुर के अधीन कोरबा-पश्चिम क्षेत्र में स्थापित खुले मुहाने की गेवरा कोयला परियोजना अंतर्गत एसईसीएल की मेगा परियोजना के कोरबा एसईसीएल कॉलोनी के रहवासी कर्मचारियों और उनके परिजनों को लंबे समय से दूषित पानी की आपूर्ति हो रही हैं। जानकारी के अनुसार कई परिवारों के सदस्य पेट और त्वचा संबंधी बीमारियों से ग्रसित हो रहे हैं। एसईसीएल प्रबंधन की ओर से कोई ठोस कदम अब तक नहीं उठाया गया है।स्थानीय निवासियों का आरोप लगाते हुए कहना है कि मुख्य महाप्रबंधक की लापरवाही के कारण यह समस्या लगातार बनी हुई है। बताया जा रहा हैं की पानी की शुद्धिकरण प्रक्रिया में उपयोग होने वाली आवश्यक सामग्री को प्रबंधन द्वारा समय पर उपलब्ध नहीं कराया जा रहा है, जिसके चलते कॉलोनी में गंदे और अस्वच्छ पानी की आपूर्ति हो रही हैं। इस गंभीर समस्या को लेकर कॉलोनीवासियों एवं पार्षद शैलेंद्र सिंह पप्पी और सुशील गर्ग ने प्रबंधन को शिकायतें सौंपी गयी हैं।

राज्यसभा सांसद देवेंद्र प्रताप सिंह ने किया विधिवत शुभारंभ

5वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का हुआ रंगारंग आगाज

रायगढ़, 6 अक्टूबर। खेल भावना, अनुशासन और एकता के संदेश के साथ आज जिला मुख्यालय रायगढ़ में 25वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का रंगारंग शुभारंभ हुआ। बोईरदादर रोड स्थित रायगढ़ स्टेडियम में आयोजित इस राज्य स्तरीय खेल का विधिवत शुभारंभ राज्यसभा सांसद श्री देवेंद्र प्रताप सिंह ने दीप प्रज्वलन और मां सरस्वती की आराधना के साथ किया। इस दौरान सांसद श्री सिंह ने रायगढ़ जिले के उन खिलाड़ियों को स्मरण किया, जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए देश व प्रदेश का गौरव बढ़ाया है। उन्होंने छत्तीसगढ़ राज्य का खेल ध्वज फहराकर प्रतियोगिता का औपचारिक उद्घाटन किया। इस अवसर पर सभी पांचों संभागों के खेल ध्वजों का भी आरोहण किया गया। कार्यक्रम में नगर निगम महापौर श्री जीवर्धन चौहान सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, गणमान्य नागरिक, डिप्टी कलेक्टर एवं नोडल अधिकारी श्री धनराज मरकाम, जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. के.वी. राव सहित संबंधित विभाग के अधिकारी-कर्मचारीगण और बड़ी संख्या में खेलप्रेमी मौजूद रहे।

इस राज्य स्तरीय आयोजन का संचालन जिला प्रशासन रायगढ़ एवं स्कूल शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है। समारोह के दौरान खिलाड़ियों द्वारा आकर्षक मार्चपास्ट प्रस्तुत किया गया, जिसकी अगुवानी मेजबान बिलासपुर संभाग की टीम ने की। प्रदेश के पाँचों संभाग रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग, बस्तर और सरगुजा से चयनित 632 खिलाड़ी प्रतियोगिता में भाग ले रहे हैं। प्रतियोगिताओं में 14 वर्षीय बालक व

बालिका वर्ग में वॉलीबॉल, 14 से 19 वर्षीय बालक व बालिका वर्ग में सॉफ्टबॉल, 17 वर्षीय बालक व बालिका वर्ग में खो-खो और अंडर-19 बालिका वर्ग में क्रिकेट खेल शामिल है। यह आयोजन 8 अक्टूबर तक चलेगा। खिलाड़ियों के लिए आवास, भोजन और परिवहन की समुचित व्यवस्था की गई है। स्टेडियम और खेल मैदानों में सभी आवश्यक तैयारियाँ सुनिश्चित की गई हैं। 25 वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता के शुभारंभ के अवसर पर बाल मंदिर स्कूल एवं कार्मेल कॉन्वेंट हिंदी मीडियम स्कूल की छात्राओं ने छत्तीसगढ़ी और गुजराती लोकनृत्य की मनमोहक प्रस्तुतियाँ दीं। खिलाड़ियों को खेल भावना के साथ खेल का प्रदर्शन हेतु शपथ दिलाई गई। स्टेडियम भारत माता की जय, वंदे मातरम और खिलाड़ी जिंदाबाद के नारों से गूंज उठा।

25 वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता के शुभारंभ अवसर पर राज्यसभा सांसद श्री देवेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि रायगढ़ की यह भूमि सदैव संगीत, साहित्य और खेल की प्रतिभाओं से समृद्ध रही है। यहां की मिट्टी ने ऐसे अनेक खिलाड़ियों को जन्म दिया जिन्होंने प्रदेश और देश का नाम रोशन किया। उन्होंने राजा चक्रधर सिंह का स्मरण करते हुए कहा कि वे न केवल एक कुशल शासक थे, बल्कि एक अच्छे खिलाड़ी भी थे, जिन्होंने कुश्ती और कबड्डी जैसे पारंपरिक खेलों को बढ़ावा दिया। अपने विद्यार्थी जीवन को याद करते हुए सांसद श्री सिंह ने कहा कि वे स्वयं एक बास्केटबॉल खिलाड़ी रहे हैं। उन्होंने सभी खिलाड़ियों से आग्रह किया कि वे अपने पसंदीदा खिलाड़ी को आदर्श मानें और उनके जीवन से प्रेरणा लें। उन्होंने मेजर ध्यानचंद को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि ÷हमें उनके तरह अनुशासन, समर्पण और लगन को अपने जीवन में अपनाना चाहिए। खेल केवल जीतने के लिए नहीं, बल्कि जीवन में संतुलन और प्रेरणा पाने का माध्यम हैं। राज्यसभा सांसद श्री सिंह ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत 2047 के लक्ष्य का उल्लेख करते हुए कहा कि ÷यह सपना तभी साकार होगा जब हमारी युवा पीढ़ी स्वस्थ और सक्रिय होगी।÷ उन्होंने कहा कि स्वस्थ युवा ही सशक्त भारत का निर्माण करते हैं, इसलिए खेलों को जीवन का अनिवार्य हिस्सा बनाना चाहिए। उन्होंने बताया कि सांसद खेल महोत्सव के तहत प्रदेश के प्रत्येक जिले में प्रतियोगिताएँ आयोजित की जाएंगी, जिससे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे है। राज्य सरकार युवाओं के सर्वांगीण विकास हेतु खेल शिक्षा और रोजगार के क्षेत्रों में विशेष पहल कर रही है। उन्होंने कहा कि खेल में जीत ही सबकुछ नहीं है, हार भी सीखने का अवसर देती है। हारने के बाद भी हौसला बनाए रखना ही सच्चे खिलाड़ी की पहचान है।

खेल अनुशासन, आत्मविश्वास और एकता का प्रतीक:महापौर

नगर निगम महापौर जीवर्धन चौहान ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि यह हमारे लिए अत्यंत सौभाग्य और गर्व का विषय है कि आज हम सब इस प्रतिष्ठित राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में एक साथ उपस्थित हैं। यह आयोजन केवल एक खेल महोत्सव नहीं, बल्कि राज्यभर से आए प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की मेहनत, समर्पण और एकता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि ÷हम सब आज इस ऐतिहासिक क्षण के साक्षी हैं जब राज्य के विभिन्न जिलों से आए खिलाड़ी अपनी प्रतिभा और परिश्रम का प्रदर्शन कर रहे हैं। यह आयोजन हमारे लिए गौरव और प्रेरणा दोनों है। महापौर ने कहा कि खेल का असली उद्देश्य केवल जीत या हार नहीं, बल्कि अनुशासन, आत्मविश्वास और एकता सीखना है। उन्होंने कहा कि खेल हमें सिखाते हैं कि मेहनत, लगन और टीम भावना से कोई भी लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। मैदान में खेलना हमें प्रेम, परिश्रम और एकजुटता की भावना सिखाता है।÷ उन्होंने सभी खिलाड़ियों से आग्रह किया कि वे पूरी ईमानदारी, निष्ठा और खेल भावना के साथ प्रतियोगिता में हिस्सा लें। महापौर ने आयोजन समिति, प्रशिक्षकों और अधिकारियों का इस आयोजन के लिए आभार जताया। जिला शिक्षा अधिकारी डॉ.के.वी.राव ने कहा कि रायगढ़ को इस प्रतिष्ठित आयोजन की मेजबानी मिलना गौरव का विषय है। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता में पाँचों संभागों के 650 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रतियोगिता के सफल संचालन हेतु कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में पुलिस, नगर निगम, स्वास्थ्य, परिवहन, खाद्य, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी सहित संबंधित विभागों का विशेष सहयोग प्राप्त हो रहा है।

पहले दिन हुए खेल प्रतियोगिता का परिणाम

25वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का भव्य आयोजन रायगढ़ स्टेडियम में 5 से 8 अक्टूबर तक किया जा रहा है। जिसमें रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग, बस्तर एवं सरगुजा संभाग के खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। इस प्रतियोगिता में वालीबॉल, सॉफ्ट बॉल, खो-खो एवं क्रिकेट के खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। जिसमें पहले दिन सॉफ्ट बॉल बालक 19 वर्ष के लिग मैच अंतर्गत बस्तर बनाम रायपुर में रायपुर विजेता रहा। वहीं दुर्ग बनाम सरगुजा में दुर्ग विजेता रहा। बिलासपुर बनाम बस्तर में मैच ड्रॉ, रायपुर विरूद्ध सरगुजा में रायपुर, दुर्ग बनाम बस्तर में दुर्ग विजेता रहा। बिलासपुर बनाम सरगुजा में बिलासपुर विजेता रहा। सरगुजा बनाम बस्तर में बस्तर विजेता रहा। बिलासपुर बनाम रायपुर में रायपुर की टीम विजेता रही। सॉफ्ट बॉल बालिका 14 वर्ष के लिग मैच अंतर्गत बिलासपुर बनाम सरगुजा में बिलासपुर की टीम विजेता रही। क्रिकेट बालिका 19 वर्ष के लिग मैच अंतर्गत रायपुर बनाम दुर्ग में रायपुर 117 रन से विजेता रही। वहीं सरगुजा बनाम बस्तर में सरगुजा संभाग 82 रन से विजेता रही और रायपुर बनाम बिलासपुर में रायपुर 29 रन से जीत दर्ज कर नाम किया। खो-खो बालक 17 वर्ष के लिग मैच अंतर्गत सरगुजा बनाम बिलासपुर में बिलासपुर विजेता रहा। वॉली बॉल बालक 14 वर्ष के लिग मैच अंतर्गत बिलासपुर बनाम सरगुजा में बिलासपुर ने 2-1 से और बस्तर बनाम दुर्ग में बस्तर ने 2-0 से जीत अपने नाम किया।

नीला कवासी ने बंदूक छोड़ अपनाया शांति और विकास का रास्ता तो उसे मिला पक्का मकान

रायपुर, 6 अक्टूबर । कभी जंगलों में बंदूक थामे रहने वाली जैमेर निवासी श्रीमती नीला कवासी आज विकास और शांति की मिसाल बन चुकी हैं। गरीबी और मजबूरी ने उन्हें नक्सल रास्ते पर धकेल दिया था, लेकिन दिल के किसी कोने में वह हमेशा एक शांतिपूर्ण जीवन का सपना देखती थीं।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय और गृहमंत्री श्री विजय शर्मा के नेतृत्व में नक्सलियों को नक्सल पुनर्वास योजना 2025 के तहत मुख्यधारा में लौटने का अवसर दिया गया, तब नीला ने हिम्मत दिखाई। उन्होंने आत्मसमर्पण कर न केवल हिंसा का रास्ता छोड़ा बल्कि अपने परिवार के लिए नई शुरुआत करने का संकल्प लिया।आत्मसमर्पण के बाद शासन-प्रशासन ने नीला को विभिन्न पुनर्वास योजनाओं से जोड़ा। प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत उन्हें एक पक्का घर और शौचालय की सुविधा मिली। यह घर उनके लिए सिर्फ रहने की जगह नहीं बल्कि जीवन के संघर्ष पर विजय का प्रतीक बन गया। तकनीकी व रोजगार सहायक ने घर निर्माण की निगरानी और बैंकिंग प्रक्रियाओं में उनका पूरा सहयोग किया। आज नीला अपने परिवार के साथ सुखमय जीवन जी रही हैं और गांव की अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणा बन चुकी हैं।भावुक नीला कहती हैं कि पहले हमारे कच्चे घर में बरसात के दिनों में छत से पानी टपकता था। कई बार तो सोने की जगह नहीं बचती थी। अब प्रधानमंत्री आवास योजना की बदौलत हमें सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन मिला है। मैं अपने परिवार के साथ चौन की नींद सो पाती हूँ। लोग उन्हें मिसाल के रूप में देखते हैं कि कठिन परिस्थितियों से निकलकर भी जीवन को नई दिशा दी जा सकती है। नीला कवासी प्रधानमंत्री और राज्य सरकार के प्रति आभार जताते हुए कहती हैं माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी और मुख्यमंत्री जी का तहे दिल से अभारी हूँ। सरकार की कल्याणकारी योजनाओं ने हमारे जीवन में उजाला भर दिया है। प्रधानमंत्री आवास योजना से मुझे नया जीवन मिला है, यह उपकार मैं कभी नहीं भूल पाऊँगी। जिला प्रशासन नक्सल पुनर्वास नीति के अंतर्गत ऐसे सभी व्यक्तियों के पुनर्वास और पुनर्स्थापन के लिए हर संभव सहयोग प्रदान कर रहा है। सभी शासकीय योजनाओं का लाभ उन्हें दिया जा रहा है।

पार्थ मुखर्जी को गेवरा परियोजना का महाप्रबंधक बनाया गया

कोरबा,6 अक्टूबर । दक्षिण पूर्वी कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) मुख्यालय ने कार्यादेश क्रमांक 666, दिनांक 04 अक्टूबर 2025 को खनन विभाग की तबादला सूची जारी की है। इस सूची में ई-8 पद के 11, ई-7 पद के 4, ई-6 पद के 2, ई-5 पद के 1, ई-4 पद के 3 और ई-3 पद के 3 अधिकारियों का स्थानांतरण किया गया है। विशेष रूप से, केवल गेवरा क्षेत्र से पाँच अधिकारियों को हटाया गया है।

इन तबादलों के बीच सबसे प्रमुख नाम पार्थ मुखर्जी का है, जिन्हें उनकी उत्कृष्ट कार्यशैली, कर्तव्यनिष्ठा और खनन क्षेत्र में अनुभव के कारण गेवरा परियोजना का महाप्रबंधक नियुक्त किया गया है। श्री मुखर्जी अपने अब तक के कार्यकाल में कई परियोजनाओं में ऐतिहासिक उपलब्धियाँ हासिल कर चुके हैं। उन्होंने रायगढ़ क्षेत्र की बड़ौद परियोजना को नई पहचान दिलाई थी और उत्पादन में रिकॉर्ड स्तर हासिल किया था। इसके बाद उन्हें दीपका क्षेत्र में पदस्थापित किया गया, जहाँ उन्होंने भू-राजस्व विभाग में महत्वपूर्ण योगदान देते हुए सभी जिम्मेदारियाँ बखूबी निभाईं।हाल ही में दीपका क्षेत्र में पुनः पदस्थ होने के बाद उन्होंने दीपका विस्तार के तहत मलगांव गाँव का अधिग्रहण पूरा किया, 45 हेक्टेयर भूमि अर्जित कर समतलीकरण कार्य को अंजाम दिया और उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि दिलाई। मात्र छह माह के भीतर दीपका परियोजना को सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की श्रेणी में लाने में उनकी भूमिका निर्णायक रही।यह उल्लेखनीय है कि श्री मुखर्जी मेगा परियोजनाओं में चैथी बार महाप्रबंधक के रूप में पदस्थ हुए हैं। वर्ष 2024 में जब कुसमुंडा परियोजना कठिन परिस्थिति से गुजर रही थी, तब उन्होंने नेतृत्व सँभालकर प्रतिदिन के उत्पादन को 7,000 टन से बढ़ाकर 1,50,000 टन तक पहुँचा दिया थाकृजो अपने आप में एक मील का पत्थर साबित हुआ। मुख्यालय ने उनके अनुभव और नेतृत्व क्षमता को देखते हुए अब उन्हें देश की सबसे बड़ी कोयला परियोजनाओं में से एक गेवरा परियोजना की कमान सौंपी है। वर्ष 2025-26 में गेवरा के लिए निर्धारित 63 मिलियन टन उत्पादन लक्ष्य को प्राप्त करने की बड़ी जिम्मेदारी अब पार्थ मुखर्जी के कंधों पर है।

सीएसआर फंड से जशपुर को 61 करोड़ रुपए मिला :अस्पताल,तीरंदाजी केंद्र और स्कूल भवनों का होगा निर्माण

जशपुर, 6 अक्टूबर । पहली बार सीएसआर फंड से 61 करोड़ की राशि विकास कार्यो के लिए जशपुर जिले को आबंटित की गई है। इस राशि से जिले में स्वास्थ्य सुविधा, शिक्षा और खेल के बुनियादी ढांचा विकसित करने के लिए उपयोग किया जा रहा है। लगभग दो साल पहले जब जशपुर के बगिया के लाल विष्णुदेव साय ने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री का पदभार सम्हाला था तो जिलेवासियों को पिछड़ेपन से मुक्ति की नई उम्मीद जागी थी। मुख्यमंत्री के रूप में अपने पहले जिला प्रवास के दौरान सीएम विष्णुदेव साय ने जिलेवासियों को वायदा भी किया था कि जिले के विकास की ऐतिहासिक रोडमैप तैयार की जाएगी। अपने इस वायदे को पूरा करने के लिए मुख्यमंत्री ने तेजी से कदम बढ़ा रहे है। लगभग दो साल पहले जब जशपुर के बगिया के लाल विष्णुदेव साय ने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री का पदभार सम्हाला था तो जिलेवासियों को पिछड़ेपन से मुक्ति की नई उम्मीद जागी थी। मुख्यमंत्री के रूप में अपने पहले जिला प्रवास के दौरान सीएम विष्णुदेव साय ने जिलेवासियों को वायदा भी किया था कि जिले के विकास की ऐतिहासिक रोडमैप तैयार की जाएगी। अपने इस वायदे को पूरा करने के लिए मुख्यमंत्री ने तेजी से कदम बढ़ा रहे है।

35 करोड़ की लागत से जिला मुख्यालय जशपुर में सौ बिस्तर की क्षमता वाली अस्पताल का निर्माण किया जा रहा है। निर्माणाधीन स्व. जगदेव राम उरांव स्मृति चिकित्सालय को संचालित करने की जिम्मेदारी वनवासी कल्याण आश्रम को दी गई है। इस अस्पताल भवन के निर्माण का कार्य रायगढ़ रोड में कल्याण आश्रम अस्पताल के प्रांगण में तेजी से चल रहा है। स्वीकृत राशि में से 17 करोड़ का प्रावधान किया गया है। अगले साल 2026 तक इस भवन का निर्माण कार्य पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। इसी प्रकार 18 करोड़ की राशि इस आधुनिक अस्पताल में आवश्यक चिकित्सकीय उपकरणों और भौतिक संसाधन जुटाने के लिए किया जाएगा। इस अस्पताल में मरीजों के लिए सीटीस्कैन, एमआरआई, आईसीयू, आईसीसीयू, डायलिसिस, आपातकालीन चिकित्सा जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इस अस्पताल के लिए चिकित्सक, नर्सिंग और प्रशासनिक स्टाफ के लिए भर्ती प्रक्रिया भी चल रही है। अस्पताल के चालू हो जाने से जिलेवासियों को उपचार के लिए अंबिकापुर, रांची, झारसुगड़ा, रायपुर जैसे दूरस्थ शहर की दौड़ लगाने से मुक्ति मिल सकेगी।

तीरंदाजी केंद्र के निर्माण के लिए सीएसआर फंड से 20.53 करोड़ रूपये की स्वीकृति दी गई है। एनटीपीसी के सीएसआर फंड से इस तीरंदाजी केंद्र के निर्माण के लिए जिला प्रशासन ने सन्ना में जमीन तय कर ली है। इस आवासीय तीरंदाजी केंद्र में खिलाड़ियों को आधुनिक संसाधनों के साथ अंतर्राष्ट्रीय स्तर का प्रशिक्षक उपलब्ध कराया जाएगा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का लक्ष्य दिवंगत कुमार दिलीप सिंह जूदेव के सपने का मूर्त रूप देते हुए पहाड़ी कोरवाओं के धर्नुविद्या को निखार कर राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर की स्पर्धाओं योग्य बनाना है। वर्तमान में खनिज न्यास निधि के सहयोग से एकलव्य अकादमी का संचालन किया जा रहा है। इस अकादमी में तीरंदाजी के साथ ताईक्वांडो और तैराकी का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। सन्ना में तीरंदाजी केंद्र के शुरू हो जाने से जिले के खिलाड़ियों को आधुनिक संसाधनों से लैस बड़ी सुविधा मिल सकेगी, जिससे खेल प्रतिभाओं को राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिभा की चमक बिखेरने का अवसर मिल सकेगा।

आठ स्कूल भवनों का होगा निर्माण

सीएसपीटीसीएल के सीएसआर फंड से जिले में 8 स्कूल भवनों के निर्माण के लिए 6 करोड़ 19 लाख रूपये की स्वीकृति दी गई है। इसमें फरसाबहार ब्लाक में पंडरीपानी, गारीघाट, कंदईबहार, कांसाबेल ब्लाक में बांसबहार, कुनकुरी ब्लाक में गिनाबहार, लोधमा, बगीचा ब्लाक में टटकेला और दुलदुला में नया स्कूल भवन का निर्माण किया जाएगा। इन स्कूल भवनों के निर्माण से जिले के छात्रों को बेहतर सुविधा के साथ गुणवत्तायुक्त शिक्षा मिल सकेगी।

गौमाता चौक के पास की मुख्य सड़क खस्ताहाल

कोरबा 6 अक्टूबर । कोरबा-चांपा मार्ग अंतर्गत अंचल के गौमाता चैक सीतामणी के पास बदहाल हो चुकी है। गड्ढे से बचने वाहन गलत दिशा से निकल रहे हैं। बारिश का पानी भरने से परेशानी ज्यादा बढ़ गई है।मानिकपुर खदान राखड़ परिवहन में लगे मालवाहक वाहनों की भी इसी सड़क से आवाजाही होती है। इस कारण गौमाता चैक के पास सड़क खस्ताहाल हो चुकी है। इमलीडुग्गू चैक से लेकर भिलाईखुर्द मोड़ तक सड़क खराब है। गौमाता चैक सीतामणी से लगभग 200 मीटर आगे मुख्य सड़क बदहाल है। बारिश का पानी भरने के बाद गड्ढे को पारकर आगे निकलना मुश्किल है। गहराई का अंदाजा नहीं लगा पाने से कई बाइक चालक अनियंत्रित होकर गिर चुके हैं।

ट्रैक्टर की बैटरी चोरी के मामले में दो लोग गिरफ्तार,खरीदार भी सलाखों के पीछे

कोरबा 6 अक्टूबर । हरदीबाजार थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए ट्रैक्टर में लगी बैटरी चोरी करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। साथ ही चोरी की बैटरी को जानते हुए खरीदने वाले एक आरोपी को भी हिरासत में लेकर जेल भेजा गया है। पुलिस ने चोरी का संपूर्ण मशरुका बरामद कर लिया है।

ग्राम खम्हरिया निवासी भूनेश्वर सोनी ने 4 अक्टूबर 2025 को थाना हरदीबाजार में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि 24-25 जुलाई 2025 की दरम्यानी रात अज्ञात चोरों ने उनके सोनालिका ट्रैक्टर और उसी दिन दिलीप काठले के ट्रैक्टर से बैटरी चोरी कर ली थी। मामले में अपराध क्रमांक 175ध्2025 धारा 303(2), 317(2), 3(5) बीएनएस पंजीबद्ध कर विवेचना शुरू की गई।मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने ग्राम खम्हरिया निवासी मनमोहन दास (23 वर्ष) और हीरा सिंह श्याम (25 वर्ष) को घेराबंदी कर पकड़ा। पूछताछ में दोनों ने बैटरी चोरी करना स्वीकार किया और बताया कि चोरी का सामान उन्होंने गौतम प्रसाद निर्मलकर (34 वर्ष), निवासी बलौदा को बेच दिया है। आरोपियों के निशानदेही पर पुलिस ने घटना में प्रयुक्त स्कूटी और लोहे का रॉड जब्त किया। वहीं गौतम प्रसाद से चोरी की गई बैटरियां भी बरामद की गईं।

न्यायिक रिमांड पर भेजे गएआरोपियों के खिलाफ धारा 303(2), 317(2), 3(5) बीएनएस के तहत कार्रवाई की गई है। सभी तीनों आरोपियों को 5 अक्टूबर 2025 को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया।

दमकल कर्मी मोबाइल लूटने के आरोप में पकड़ा गया

कोरबा 6 अक्टूबर । यहां एक दमकल कर्मी पर मोबाइल लूट की वारदात को अंजाम देने का आरोप लगा था। पुलिस ने शिकायत पश्चात कथित आरोपी दमकल कर्मी को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि एक मोबाइल दुकान संचालक को भी इस मामले में आरोपी बनाया गया है। मामला सीएसईबी चैकी क्षेत्र का है।

जानकारी के अनुसार पोड़ी-बहार क्षेत्र का रहने वाला एक युवक नगर सेना के अधीन दमकल कर्मी है। शनिवार शाम एक युवती स्कूटी पर सवार होकर घंटाघर से बुधवारी होते हुए सीएसईबी चैकी की ओर आ रही थी। इस दौरान वह स्कूल खड़ी कर कॉल पर बात कर रही थी। तभी पल्सर बाइक पर सवार एक युवक उसका मोबाइल छीनकर फरार हो गया।

जिसके बाद युवती ने तुरंत सीएसईबी चैकी में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए साइबर सेल की मदद से मोबाइल लोकेशन ट्रेस किया।

जीवनदायिनी हसदेव के संरक्षण के लिए सामूहिक संकल्प 7 को

कोरबा 6 अक्टूबर । जिले की जीवनदायिनी हसदेव नदी के संरक्षण, स्वच्छता एवं तट सौंदर्यीकरण को लेकर निरंतर कार्य कर रही नमामि हसदेव सेवा समिति द्वारा आगामी 7 अक्टूबर 2025, मंगलवार को आश्विन पूर्णिमा के पावन अवसर पर संकल्प सभा एवं हसदेव आरती का भव्य आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम कोरबा स्थित माँ सर्वमंगला घाट पर दोपहर 3 बजे से प्रारंभ होगा। समिति पिछले कई वर्षों से हसदेव नदी, उसकी सहायक नदियों और अन्य जल स्त्रोतों को प्रदूषण से मुक्त करने, जनजागरूकता फैलाने और धार्मिक-सांस्कृतिक मूल्यों को जाग्रत करने हेतु प्रत्येक मास की पूर्णिमा पर हसदेव आरती का आयोजन करती आ रही है।इस विशेष आयोजन में स्वामी भजनानंद वनवासी सेवा आश्रम, केन्दई की साध्वी गिरिजेश नंदनी जी तथा श्री हरिहर क्षेत्र केदार, मदकू द्वीप के संत श्री रामरूपदास महात्यागी जी का पावन सानिध्य प्राप्त होगा। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति भी रहेगी। मुख्य अतिथि के रूप में नगर पालिक निगम कोरबा की महापौर श्रीमती संजू देवी राजपूत शामिल होंगी, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला पंचायत कोरबा के अध्यक्ष डॉ. पवन कुमार सिंह करेंगे। विशिष्ट अतिथि के रूप में नगर पालिका परिषद दीपका के अध्यक्ष राजेन्द्र सिंह राजपूत, नगर पंचायत पाली के अध्यक्ष अजय जायसवाल तथा नगर पंचायत छुरी की अध्यक्ष श्रीमती पद्मिनी देवांगन उपस्थित रहेंगे।

महतारी एक्सप्रेस में शराब तस्करी पर भाजपा जिला अध्यक्ष का बयान शर्मनाक:चुम्मन साहू

छुरिया,6 अक्टूबर। राजनादगांव महतारी एक्सप्रेस मे छुरिया पुलिस द्वारा महाराष्ट्र से 16 पेटी शराब का तस्करी करते रंगे हाथो पकड़ा गया है ।और भाजपा अध्यक्ष द्वारा हल्का बयान से स्पष्ट हो गया पूरी भाजपा भ्रष्ट है उक्त बयान पर पलटवार करते हुए कांग्रेस के महामंत्री चुम्मन साहू ने कहा इतना सब होने के बाद राजनांदगांव भाजपा के जिलाध्यक्ष कहते हैं कि महतारी एक्सप्रेस को बदनाम करने यह कांग्रेस की साजिश है और दूसरी ओर यह भी कहते हैं कि दोषियों पर कार्यवाही होगी उनका बयान है।अगर षडयंत्र है तो कार्यवाही किस पर ? महतारी एक्सप्रेस में शराब मिली यह सबने देखा तो क्या वह कांग्रेस ने रखवाई थी ? आपकी नीयत अगर साफ थी तो आपने उपनिरीक्षक को शाबाशी देने की बजाए लाइन अटैच क्यों किया । इतना ही नहीं वाहन चालक का कहना है ही फोन कर के महिला को प्रसूति के लिए अस्पताल ले जाने बुलाया जाता था और बुला कर शराब डंप कर दी जाती थी फिर वो चालक पूरी शराब ले कर तस्करी करता था यह भी बयान बेहद बचकाना है ।

सौ बात की एक बात यह है कि राजनांदगांव जो संस्कारधानी कही जाती थी भाजपा राज में बर्बाद हो चुकी है शहर व जिला नशाधानी अपराधधानी बन गया है ।मोहड़ गोलीकांड का आरोपी आजतक पकड़ा नहीं गया है, डोंगरगढ़ नकली शराब कांड में आजतक कुछ नहीं हुआ जबकि इन मामलो पर भाजपा नेताओं के सीधे तौर पर समंध होने के आरोप भी है। महतारी एक्सप्रेस में शराब मिला है उसके बाद भाजपा नेता राजनांदगांव जिला को और क्या देने वाले हैं यह भी बताएं।

एक नजर

सांसद अनुराग ठाकुर बने हिमाचल ओलिंपिक संघ के अध्यक्ष

शिमला, 6 अक्टूबर (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश ओलिंपिक संघ (एचपीओए) की वार्षिक आम बैठक रविवार को शिमला में आयोजित की गई। जिसमें भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर को सर्वसम्मति से संघ का अध्यक्ष चुना गया। संघ की बैठक रविवार को शिमला में होटल HHH में संपन्न हुई है। इस बैठक में संघ के अगले कार्यकाल के लिए पदाधिकारियों की एक नई टीम का चुनाव किया गया। पूर्व केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर को सर्वसम्मति से अध्यक्ष चुना गया। नवनिर्वाचित कार्यकारिणी में 17 सदस्य शामिल हैं। निर्वाचित प्रमुख पदाधिकारियों में निवर्तमान अध्यक्ष वीरेंद्र कंवर को मुख्य संरक्षक मनोनीत किया गया। वहीं विधायक बलबीर वर्मा वरिष्ठ उपाध्यक्ष, राजेश भंडारी महासचिव और अमिताभ शर्मा कोषाध्यक्ष चुने गए। इसके अतिरिक्त, ईश्वर रोहल, उषा बरोवालिया और नरेंद्र अत्री उपाध्यक्ष बने, जबकि राज कुमार निट्ठू, डॉ. राहुल पठानिया और रमेश चौहान को संयुक्त सचिव चुना गया।

योग्य प्रशिक्षकों की संख्या बढ़ाने पर दिया जोर: सभा को संबोधित करते हुए, अध्यक्ष अनुराग ठाकुर ने एसोसिएशन की प्रमुख प्राथमिकताओं को रेखांकित किया। उन्होंने राज्य भर में खेल अवसंरचना को सुदृढ़ करने और सभी ओलिंपिक खेलों में एथलीटों को प्रशिक्षित करने के लिए योग्य प्रशिक्षकों की संख्या बढ़ाने पर बल दिया।

फ्रेंडली चेस मैच : अमेरिकी खिलाड़ी ने गुकेश का किंग दर्शकों में फेंका

टीम यूएसए ने भारत को 5-0 से हराया

टेक्सास, 6 अक्टूबर (एजेंसी)। वर्ल्ड नंबर-2 शतरंज खिलाड़ी अमेरिका के हिकारु नाकामुरा ने मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन भारत के डी गुकेश को हराने के बाद उनका किंग दर्शकों के बीच फेंक दिया। अमेरिका के टेक्सास शहर में भारत और अमेरिका के बीच फ्रेंडली मुकाबला खेला गया। इस मुकाबले को चेकमेट नाम दिया गया है। इसमें भारत और अमेरिका के खिलाड़ियों के बीच पांच मैच हुए। गुकेश के खिलाफ हिकारू की जीत के साथ अमेरिका ने 5-0 से जीत हासिल की।

भारत के 5 प्लेयर्स को हार मिली : चेकमेट इवेंट में अमेरिका की टीम ने क्लीन स्वीप किया। गुकेश-नाकामुरा मैच से पहले भारत से ग्रैंडमास्टर अर्जुन इरिगैसी को फाबियानो कारुआना, दिव्या देशमुख को कारिसा यिप, सागर शाह को लेवी रोजमैन और ईथन वाज को तानी आदेवुमी के हाथों हार मिली। सागर और गुकेश को छोड़कर तीनों भारतीयों को पहले मुकाबले में ही हार का सामना करना पड़ गया। सागर ने रोजमैन के खिलाफ2 गेम खेले, लेकिन उन्हें भी हार मिली। वहीं गुकेश को शुरुआती 2 गेम ड्रॉ खेलने के बाद तीसरे गेम के बुलेट राउंड में हार का सामना करना पड़ गया। बुलेट चेस में गुकेश ज्यादा स्ट्रॉन्ग नहीं हैं। वे क्लासिकल के टॉप प्लेयर्स में शामिल हैं। दूसरी ओर, नाकामुरा बुलेट चेस के टॉप प्लेयर हैं। इसलिए नाकामुरा को गुकेश को हराने में ज्यादा परेशानी नहीं हुई।

नाकामुरा का रिएक्शन सोशल मीडिया पर ट्रोल हुआ: सोशल मीडिया पर अमेरिका के खिलाफ भारत की हार से ज्यादा चर्चे नाकामुरा के रिएक्शन के रहे। उन्होंने 19 साल के गुकेश को हराते ही उनका किंग बोर्ड से उठाया और दर्शकों की ओर फेंककर जीत सेलिब्रेट करना शुरू कर दिया। जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। नाकामुरा के रिएक्शन को कई भारतीय फैंस ने सोशल मीडिया पर ट्रोल करना शुरू कर दिया। कुछ फैंस ने कहा कि हार-जीत खेल का हिस्सा है, लेकिन नाकामुरा को खेल भावना दिखाते हुए विपक्षी प्लेयर का सम्मान करना चाहिए। उन्हें गुकेश के किंग को नहीं फेंकना चाहिए था।

चेसबेस इंडिया को पोस्ट मैच इंटरव्यू में हिकारू ने कहा, 'मैंने पहले ही सोच लिया था कि जीतने पर गुकेश का किंग फेंक दूंगा।' मैच के बाद हिकारू ने कुछ ऐसा ही किया और दर्शकों से तालियां बजाने का इशारा किया।

गुकेश से हार के बाद कार्लसन ने टेबल पर हाथ मारा था: इसी साल नॉर्वे चेस टूर्नामेंट में गुकेश ने नॉर्वे के पूर्व वर्ल्ड चैंपियन मैग्नस कार्लसन को मुकाबला हरा दिया था। हार से झल्लाकर कार्लसन ने टेबल पर ही अपना हाथ जोर से पटक दिया था। हालांकि, उन्होंने गुकेश से हाथ मिलाया और फिर अपनी मोहरों को बोर्ड पर जमाकर वहां से चले गए। इंटरनेशनल चेस फेडरेशन (FIDE) के CEO एमिल सुतोव्स्की ने हिकारू के रिएक्शन पर कहा, 'मैग्नस का रिएक्शन बहुत नेचुरल था, हार के बाद खिलाड़ी इमोशंस में ऐसा कर जाते हैं। वो सही था या गलत, यह अलग बात है। हिकारू की बात करें तो उन्होंने अपनी जीत जिस अंदाज में सेलिब्रेट की, वह खराब था। मैं समझ रहा हूं कि मुकाबला सीरियस नहीं था, लेकिन कुछ चीजें बस सही नहीं होतीं।'

चेकमेट इवेंट का दूसरा राउंड भारत में: चेकमेट इवेंट का दूसरा राउंड भारत में खेला जाएगा। जहां गुकेश और टीम इंडिया के बाकी खिलाड़ी अमेरिका से हिसाब बराबर करने के लिए बेकरार होंगे। नाकामुरा के रिएक्शन के बाद भारतीय दर्शक भी अमेरिकन प्लेयर्स पर प्रेशर बनाने की पूरी तैयारी करने के बारे में सोचेंगे।

क्या होता है बुलेट चेस?

स्पीड चेस इवेंट में 'बुलेट चेस' सबसे तेज फॉर्मेट है। यहां दोनों प्लेयर्स को मुकाबला खेलने के लिए 3 मिनट से भी कम का समय मिलता। हर चाल के साथ थोड़ा-थोड़ा समय बढ़ता भी है, ताकि कोई खिलाड़ी टाइम खत्म होने के कारण न हार जाए। इसमें नियम चेस के सामान्य खेल की तरह ही होते हैं, लेकिन टाइम कम होने से इसमें प्रेशर बढ़ जाता है।

4 तरह के चेस गेम होते हैं

क्लासिकल- इसमें दोनों खिलाड़ियों को कम से कम 60 मिनट का समय मिलता है। अलग-अलग टूर्नामेंट में यह समय और भी ज्यादा हो सकता है।

रैपिड- खिलाड़ियों के पास करीब 10 से 60 मिनट या उससे थोड़ा ज्यादा समय रहता है।

ब्लिट्ज- दोनों प्लेयर्स के पास 10 मिनट से कम का समय रहता है।

सुपरब्लिट्ज/बुलेट- खिलाड़ियों के पास 3 मिनट का समय रहता है। हर चाल के लिए 2 सेकेंड रहते हैं, अगर 2 सेकेंड से पहले चाल चल दी तो बचा हुए समय अगली चाल के लिए जुड़ जाता है।

भारत ने लगातार चौथे संडे पाकिस्तान को दी शिकस्त

कोलंबो, 6 अक्टूबर (एजेंसी)। भारत ने विमेंस वर्ल्ड कप में रविवार को पाकिस्तान पर 88 रन से एकतरफा जीत दर्ज की। इसके साथ ही भारतीय टीम दो मैचों से चार पॉइंट्स के साथ टेबल में टॉप पर पहुंच गई है।

पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। भारतीय टीम 50 ओवर में 247 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। हरलीन देओल ने सबसे ज्यादा 46 रन बनाए। जवाब में पाकिस्तान की टीम 43 ओवर में 159 रन बनाकर सिमट गई। सिद्रा अमीन ने 81 रन बनाए। भारत की ओर से क्रांति गौड़ और दीप्ति शर्मा ने 3-3 विकेट झटके। स्नेह राणा को 2 विकेट मिले।

भारत ने क्रिकेट में लगातार चौथे रविवार को पाकिस्तान को मात दी है। इससे पहले 14, 21 और 28 सितंबर को मेंस एशिया कप में टीम इंडिया ने पाकिस्तान को लगातार तीन मैचों में हराया था।

विमेंस वनडे में पाकिस्तान पर लगातार 12वीं जीत : विमेंस वनडे क्रिकेट में भारत का पाकिस्तान के खिलाफ जीत का सिलसिला जीत रहा है। यह इस फॉर्मेट में दोनों टीमों की 12वीं भिड़ंत थी और सभी मुकाबले भारत ने जीते हैं। विमेंस वर्ल्ड कप में दोनों टीमों 5वीं बार मैच खेल रही थीं। ये सभी मुकाबले भारत ने जीते हैं।

भारतीय टीम की तेज गेंदबाज क्रांति गौड़ प्लेयर ऑफ द मैच चुनी गई। उन्होंने 20 रन देकर 3 झटके हैं। क्रांति ने सदफ शमास (6 रन), आलिया रियाज (2 रन) और नतालिया परवेज (33 रन) को पवेलियन भेजा।

मैच रेफरी की गलती से भारत टॉस हारा: टॉस के दौरान रेफरी की गलती से भारत टॉस हार गया। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने सिक्का उछाला, तो पाकिस्तानी कप्तान फातिमा सना ने टेल्स बोला। सिक्का जमीन पर हेड्स गिरा। साउथ अफ्रीका की मैच रेफरी शांद्रे फ्रिट्ज ने गलती से सना की कॉल को हेड्स सुन लिया था। उन्होंने पाकिस्तान को टॉस की विजेता घोषित किया। पूरी खबर

- विमेंस वर्ल्ड कप में 88 रन से जीती टीम इंडिया, क्रांति-दीप्ति को 3-3 विकेट

भारतीय कप्तान कौर ने पाकिस्तानी कप्तान से हाथ नहीं मिलाया

टॉस के बाद भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने पाकिस्तानी कप्तान फातिमा सना से हाथ नहीं मिलाया। इससे पहले मेंस एशिया कप में भारत के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने पाकिस्तानी कप्तान सलमान आगा से हाथ नहीं मिलाया था।भारतीय टीम ने क्रिकेट चीफमोहसिन नकवी से ट्रॉफी लेने से भी इनकार कर दिया था। टीम को चैंपियन बनने के बाद भी बिना ट्रॉफी के लौटना पड़ा।

बांग्लादेश ने अफगानिस्तान के खिलाफ क्लीन स्वीप किया

ढाका, 6 अक्टूबर (एजेंसी)। बांग्लादेश ने अफगानिस्तान को टी-20 सीरीज में 3-0 से हरा दिया। शारजाह में रविवार को खेले गए तीसरे मैच में अफगानिस्तान को 6 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। बांग्लादेश ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया था। अफगानिस्तान टीम 20 ओवर में 9 विकेट पर 143 रन बना सकी। 144 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी बांग्लादेश टीम ने 18 ओवर में 4 विकेट खोकर जीत हासिल कर ली। बांग्लादेश के लिए नाबाद अर्धशतक लगाने वाले सैफहसन को प्लेयर ऑफद मैच चुना गया।

अफगान के बैटर्स बड़ी पारी नहीं खेल सके: अफगानिस्तान के लिए दरवेश अब्दुल रसूली ने 29 गेंद पर 32 रन बनाए। वे टॉप स्कोरर रहे। सेदिकुल्लाह अटल ने 28 और मुजीब उर रहमान ने 23 रन बनाए। बांग्लादेश के लिए मोहम्मद सैफूद्दीन ने 3 ओवर में 15 रन देकर 3 विकेट लिए। नसूम अहमद और तंजीम हसन साकिब ने 2-2 विकेट लिए। शोरिफूल इस्लाम और रिशाद हुसैन को 1-1 विकेट मिला।

सैफ हसन प्लेयर ऑफ द मैच चुने गए: बांग्लादेश के लिए सैफ हसन ने नाबाद अर्धशतक लगाया। उन्होंने 38 गेंद पर 7 छक्के और 2 चौके की मदद से 64 रन बनाए। तंजीद हसन ने 33 रन बनाए। अफगानिस्तान की ओर से मुजीब उर रहमान ने 2 विकेट लिए। अजमतुल्लाह ओमरजाई ने 3 ओवर में 12 रन देकर 1 विकेट लिए। राशिद खान ने 4 ओवर में 13 रन दिए लेकिन विकेट नहीं ले सके।

8 अक्टूबर से तीन मैचों की वनडे सीरीज: बांग्लादेश ने टी-20 सीरीज का पहला मुकाबला 4 विकेट और दूसरा 2 विकेट से जीता था। अब टी-20 सीरीज के बाद दोनों टीमों के बीच 8 अक्टूबर से तीन मैचों की वनडे सीरीज खेली जाएगी।

तीसरा टी-20 मुकाबला 6 विकेट से जीता, सैफ हसन ने नाबाद अर्धशतक लगाया

व्यापार

एक नजर

बीडब्ल्यूएफवर्ल्ड जूनियर चैंपियनशिप 2025: मज़बूत भारत अपने घरेलू मैदान पर ऐतिहासिक प्रदर्शन के लिए तैयार

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर (एजेंसी)। उन्नति हुड्डा और रक्षिता श्री जैसी अनुभवी खिलाड़ियों की मौजूदगी और एक मौजूदा और पूर्व जूनियर विश्व नंबर 1 खिलाड़ी सहित एक मज़बूत लाइन-अप के साथ मेज़बान भारत सोमवार से यहाँ नेशनल सेंटर में शुरू हो रही बीडब्ल्यूएफवर्ल्ड जूनियर बैडमिंटन चैंपियनशिप में ऐतिहासिक प्रदर्शन के लिए तैयार है। बीडब्ल्यूएफवर्ल्ड जूनियर चैंपियनशिप 17 साल के अंतराल के बाद भारत लौटी है और 6 से 19 अक्टूबर तक दो चरणों में खेली जाएगी। पहले चरण में 36 टीमें मिश्रित टीम चैंपियनशिप में प्रतिष्ठित सुहांदिनाता कप के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी। उसके बाद आई-लेवल कप के लिए व्यक्तिगत चैंपियनशिप होंगी। भारत ने चैंपियनशिप के इतिहास में अब तक कुल 11 व्यक्तिगत पदक जीते हैं, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2008 में पुणे में स्वर्ण और कांस्य पदक जीतने के रूप में रहा है। मौजूदा भारतीय दल में इस संख्या को पार करने और मिश्रित टीम पदक जीतने की क्षमता है, जिसका श्रेय टीम की मज़बूती को जाता है और इसने मेज़बान टीम को चैंपियनशिप में दूसरी वरीयता दिलाने में मदद की है।

सुमित्रा पी श्रीवास्तव ने इंडियनऑयल के निदेशक (मार्केटिंग) का कार्यभार संभाला

मुम्बई, 6 अक्टूबर (एजेंसी)। श्री सुमित्रा पी श्रीवास्तव ने इंडियनऑयल में निदेशक (मार्केटिंग) का कार्यभार ग्रहण किया है। उनके साथ इंडियनऑयल में तीन दशकों से अधिक का समृद्ध अनुभव जुड़ा है। श्री श्रीवास्तव ने सिविल इंजीनियरिंग में स्नातक की उपाधि आईआईटी रुड़की से प्राप्त की है और एसपी जैन इंस्टीट्यूट ऑफमैनेजमेंट एंड रिसर्च, मुंबई से एग्जिक्यूटिव एमबीए किया है। अपने करियर की शुरुआत उन्होंने एलपीजी व्यवसाय में चार वर्ष की सेवाओं से की और उसके बाद सेल्स फ़ंक्शन के विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर कार्य करते हुए व्यवसाय के प्रमुख क्षेत्रों को दिशा दी। वह डाउनस्ट्रीम ऑपरेशंस, मार्केटिंग और स्ट्रैटेजी में गहन अनुभव रखने वाले कुशल कार्यकारी हैं। उनका नेतृत्व सहयोगात्मक एवं परिणामोन्मुखी शैली के लिए जाना जाता है। व्यवसाय वृद्धि, लाभप्रदता में वृद्धि और ग्राहक संतुष्टि बढ़ाने में उनकी सफलता का निरंतर रिकॉर्ड रहा है। उन्होंने नॉन-फ्यूल कंवीनियंस स्टोर्स और रिटेल ट्रांसफॉर्मेशन प्रोजेक्ट सहित कई प्रमुख परियोजनाओं का सफल नेतृत्व किया है। साथ ही उन्होंने टेक्नोलॉजी और डिजिटलाइजेशन को बढ़ावा देने वाली कई पहलों को आगे बढ़ाया। उन्होंने रिटेल ट्रांसफॉर्मेशन ग्रुप के प्रमुख और उत्तर एवं पूर्व भारत के रिटेल बिज़नेस हेड के रूप में कार्य किया। साथ ही नई दिल्ली और मुंबई स्थित डिविज़नल कार्यालयों का सफल नेतृत्व किया और पश्चिमी उत्तर प्रदेश व उत्तराखंड के सेल्स प्रमुख के रूप में अपनी दक्षता प्रदर्शित की।

भारत में सितंबर में कारोबारी गतिविधियों में हुआ इजाफा, सर्विसेज पीएमआई 60.9 रहा

सितंबर में भारत में मैनुफैक्चरिंग गतिविधियों में वृध्दि देखने को मिली

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर (एजेंसी)। भारत के सर्विसेज सेक्टर में सितंबर में मजबूत बढ़त देखी गई है, जिससे एचएसबीसी इंडिया सर्विसेज परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) 60.9 रहा है। यह जानकारी एसएंडपी ग्लोबल की ओर से सोमवार को जारी किए गए डेटा में दी गई। जब भी पीएमआई 50 से ऊपर रहता है तो कारोबारी गतविधियों में वृद्धि मानी जाती है। पीएमआई आंकड़ों से मजबूत मांग और नई व्यावसायिक गतिविधियों के चलते भारत की सेवा अर्थव्यवस्था में स्थिरता का संकेत मिला।

रिपोर्ट में कहा गया कि पीएमआई के आंकड़ों से भारत की सर्विस इकोनॉमी में निरंतर स्थिरता का संकेत मिला, जिसे मजबूत मांग, नई व्यावसायिक गतिविधियों और कंपनियों के बीच सकारात्मक दृष्टिकोण का समर्थन प्राप्त था। यह क्षेत्र इस वर्ष भारत के समग्र आर्थिक प्रदर्शन में प्रमुख योगदानकर्ताओं में से एक रहा है।

भारत के सर्विसेज सेक्टर में व्यावसायिक गतिविधि अगस्त के हालिया उच्च स्तर से सितंबर में कम हुई। एचएसबीसी के चीफ इंडिया इकोनॉमिस्ट, प्रांजुल भंडारी ने कहा, भारत के सर्विसेज सेक्टर में व्यावसायिक गतिविधि अगस्त के हालिया उच्च स्तर से सितंबर में कम हुई। अधिकांश ट्रैकर्स में सुधार हुआ, लेकिन सर्वेक्षण में ऐसा कुछ भी नहीं दिखा जिससे पता चले कि सर्विसेज में वृद्धि की गति में कोई बड़ी गिरावट आई है। फ्यूचर एक्टिविटी इंडेक्स मार्च के बाद से अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच गया, जो सर्विस प्रोवाइडर कंपनियों में व्यावसायिक संभावनाओं को लेकर बढ़ती आशावादिता का संकेत देता है।

एसएंडपी ग्लोबल द्वारा संकलित डेटा में आगे बताया गया कि सितंबर में भारत में मैन्युफैक्चरिंग गतिविधियों में भी वृद्धि देखने को मिली है।

एसएंडपी ग्लोबल द्वारा संकलित डेटा में आगे बताया गया कि सितंबर में भारत में मैन्युफैक्चरिंग गतिविधियों में भी वृद्धि देखने को मिली है और मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई 57.7 पर रहा है। इससे पहले अगस्त में सर्विसेज और मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई क्रमशः 62.9 और 59.3 पर थी। रिपोर्ट में बताया गया कि रोजगार का स्तर और इनपुट इन्वेंट्री स्थिर बनी हुई है, जो आने वाले महीनों में बिजनेस आउटलुक में विश्वास को दिखाती है। एसएंडपी ग्लोबल के अनुसार, सितंबर में पिछले 17 वर्षों में परिचालन स्थितियों में सबसे तेज सुधार हुआ है, जिसमें अधिकांश गति विज्ञापन की सफलता और मध्यवर्ती एवं पूंजीगत वस्तुओं की श्रेणियों में मांग में उछाल से आई।विश्लेषकों का मानना ??है कि सितंबर में मैन्युफैक्चरिंग और सर्विसेज दोनों क्षेत्रों में थोड़ी नरमी आई, लेकिन भारतीय अर्थव्यवस्था में समग्र विकास की गति स्थिर बनी हुई है, जिसे स्थिर घरेलू मांग, नीतिगत स्थिरता और बेहतर होते व्यावसायिक विश्वास का समर्थन प्राप्त है।

(इनपुट-आईएएनएस)

जुलाई-सितंबर तिमाही में पीएसबी का प्रदर्शन रहा शानदार,निजी क्षेत्र के बैंकों के मार्केटकैप में कमी

शीर्ष सात बैंकों ने भारतीय शेयर बाजार में अपनी बाजार पूंजीकरण रैंकिंग बरकरार रखी

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर (एजेंसी)। वैश्विक अस्थिरता के बीच सरकारी क्षेत्र के बैंकों की स्थिति मजबूत बनी हुई है और जुलाई-सितंबर तिमाही में पब्लिक सेक्टर बैंक (पीएसबी) के मार्केटकैप में इजाफा इजाफा हुआ है। दूसरी तरफ समान अवधि में निजी क्षेत्र के बैंकों के मार्केटकैप में कमी दर्ज की गई है। यह जानकारी सोमवार को जारी हुई एक रिपोर्ट में दी गई।

एसएंडपी ग्लोबल मार्केट इंटेलिजेंस डेटा के मुताबिक, जुलाई-सितंबर अवधि के दौरान एचडीएफसी बैंक का मार्केटकैप 4.8 प्रतिशत कम हो गया है, जबकि इसी दौरान आईसीआईसीआई बैंक के मार्केटकैप में 6.7 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली है।

दोनों निजी क्षेत्र के बैंकों के मार्केटकैप में अप्रैल-जून तिमाही में मजबूती देखने को मिली थी। इसकी वजह जून तिमाही में केंद्रीय बैंक द्वारा बैंकिंग सिस्टम में लिक्विडिटी बढ़ाना और रेट कट करना है। डेटा के मुताबिक, अन्य निजी क्षेत्र के बैंकों जैसे कोटक महिंद्रा बैंक और एक्सिस बैंक के मार्केट में भी जुलाई-सितंबर तिमाही में गिरावट हुई है। निजी क्षेत्र के इंडसइंड बैंक ने तीसरी तिमाही में सबसे खराब प्रदर्शन किया। इसके बाजार पूंजीकरण 15.7 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई।

रिपोर्ट में बताया गया है कि शीर्ष सात बैंकों ने भारतीय शेयर बाजार में अपनी बाजार पूंजीकरण रैंकिंग बरकरार रखी है। दूसरी तरफ सरकारी क्षेत्र के बैंकों के मार्केटकैप में जुलाई-सितंबर तिमाही में इजाफा हुआ है।

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (SBI) के मार्केटकैप में सितंबरतिमाही में 10 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। बैंक ऑफ बड़ौदा के मार्केट कैप में 3.9 प्रतिशत और पंजाब नेशनल बैंक के मार्केट कैप में 2.1 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। केनरा बैंक के मार्केटकैप में 8.3 प्रतिशत और इंडियन बैंक के मार्केटकैप में 16.7 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। सरकार ने पिछले महीने घरेलू वस्तु एवं सेवा कर (GST) की दरों में कटौती की और उम्मीद है कि आगामी त्योहारी मांग और सामान्य बरसात के मौसम से अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा जिससे ग्रामीण आय को बढ़ावा मिलेगा। भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने भी मार्च 2026 में समाप्त होने वाले चालू वित्त वर्ष के लिए अपने जीडीपी अनुमान को 6.5 प्रतिशत से बढ़ाकर 6.8 प्रतिशत कर दिया है।

बिटकॉइन ऑलटाइम हाई पर, कीमत 1.10 करोड़ हुई

मुंबई, 6 अक्टूबर (एजेंसी)। बिटकॉइन की कीमत पहली बार 1.10 करोड़ के पार पहुंच गई है। आज 5 अक्टूबर को इस क्रिप्टोकरेंसी ने ऑलटाइम हाई बनाया। 2009 में जब सतोशी नाकामोटो नाम के किसी व्यक्ति ने इसे बनाया था तब इसकी वैल्यू 0 के करीब थी। यानी, अगर उस समय आप बिटकॉइन में एक रुपए से भी कम का निवेश करते तो आज उसकी कीमत ?1 करोड़ से ज्यादा होती।

बिटकॉइन की पहली बड़ी कीमत बढ़ोतरी अक्टूबर 2010 में हुई थी। जब एक बिटकॉइन की कीमत लंबे समय तक 0.10 डॉलर (करीब ?8) के करीब स्थिर रहने के बाद ऊपर जाने लगी। साल के अंत तक ये 0.30 डालर तक पहुंच गई। वहीं 2013 तक इसकी कीमत 1000 डॉलर के पार पहुंच गई थी। आज के हिसाब से रुपए में ये कीमत ?87 हजार के करीब होती है।

अमेरिकी शटडाउन के बीच रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचा सोने का दाम

सोने की कीमतें सोमवार को रिकॉर्ड ऊंचाई पर 3,900 डॉलर प्रति औंस के पार पहुंच गई है। इसकी वजह निवेशकों की ओर से सोने की लगातार खरीद करना है। अमेरिकी फेड के द्वारा ब्याज दरों में कमी की संभावना के चलते सोने की मांग में लगातार उछाल देखा जा रहा है। खबर लिखे जाने तक कॉमेक्स पर सोने की कीमत 1.22 प्रतिशत बढ़कर 3,956.70 डॉलर प्रति औंस पर थी। इसका डे-हाई 3,969 डॉलर प्रति औंस पर है।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने की कीमतें 1.20 लाख रुपए के करीब पहुंच गई हैं। फेड गवर्नर स्टीफन मिरान ने हाल ही में एक आक्रामक दर कटौती योजना के बारे में जानकारी साझा की थी और ट्रम्प प्रशासन की नीतियों के आर्थिक प्रभावों के बारे में चेतावनी दी। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने की कीमतें 1.20 लाख रुपए के करीब पहुंच गई हैं।

सोने के 05 दिसंबर 2025 के कॉन्ट्रैक्ट का दाम 1.25 प्रतिशत बढ़कर 1,19,595 रुपए पर पहुंच गया है। सोने के साथ चांदी की कीमतों में इजाफा देखने को मिल रहा है। कॉमेक्स पर चांदी की कीमत 0.68 प्रतिशत बढ़कर 48.29 डॉलर प्रति औंस पर है। अब तक इसका डे-हाई 48.49 रहा है।

एमसीएक्स पर चांदी के 5 दिसंबर 2025 के कॉन्ट्रैक्ट का दाम 0.98 प्रतिशत बढ़कर 1,47,176 रुपए हो गया है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के मुताबिक, 24 कैरेट के 10 ग्राम सोने की कीमत बीते एक हफ्ते में 3,692 रुपए बढ़कर 1,16,954 रुपए हो गई है, जबकि पहले यह 1,13,262 रुपए थी। पिछले एक हफ्ते में में चांदी की कीमत 7,510 रुपए बढ़कर 1,45,610 रुपए प्रति किलो हो गई है, जो कि पहले 1,38,100 रुपए प्रति किलो थी।

इस साल की शुरुआत से अब तक सोने ने 50 प्रतिशत से अधिक और चांदी ने करीब 70 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। दुनिया के बड़े निवेश बैंकों में से एक गोल्डमैन सैश का कहना है कि सोना अगले साल तक 5,000 डॉलर प्रतिशत औंस तक जा सकता है, जो कि फिलहाल 3,900 डॉलर प्रति औंस से अधिक है।

(इनपुट-आईएएनएस)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) बालोद, जिला- बालोद (छ.ग.)

// ईश्तहार//

ई कोर्ट नं...........
ग्राम बालोद
तहसील बालोद

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती आरती यादव पति श्री अजय कुमार यादव जाति राउत निवासी ग्राम सिवनी तहसील एवं जिला बालोद द्वारा ग्राम बालोद प.ह.नं. 06 स्थित भूमि खसरा नं. 296/15 रकबा 0.0269 हे. कुल खसरा नं. 01 कुल रकबा 0.0269 हे. गैर कृषि आवासीय प्रयोजनार्थ हेतु व्यपवर्तन बाबत् आवेदन नक्शा खसरा एवं बी-1, ब्लू प्रिंट, ऋण पुस्तिका व अधिकार अभिलेख की छाया प्रति सहित प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त भूमि को आवासीय प्रयोजनार्थ हेतु परिवर्तित किये जाने में जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति हो वह अपनी आपत्ति/ दावा स्वयं या अधिवक्ता के माध्यम से उद्घोषणा दिनांक 15/10/25 के भीतर प्रस्तुत कर सकते हैं, नियत अवधि के पश्चात् प्राप्त आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से आज दिनांक 30/09/25 को जारी किया गया।

मुहर

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
बालोद जिला बालोद

एक नजर

रायपुर में अवैध प्लाटिंग पर निगम का चला बुलडोजर

रायपुर, 6 अक्टूबर। राजधानी रायपुर में अवैध प्लाटिंग के खिलाफ प्रशासन का अभियान लगातार जारी है. इसी कड़ी में नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण और राजस्व विभाग ने संयुक्त रूप से एक और बड़ी कार्रवाई की है. टेमरी क्षेत्र में अवैध प्लाटिंग की लगातार शिकायतें मिल रही थीं. इसके आधार पर ग्राम टेमरी में अवैध निर्माण के खिलाफराजस्व विभाग, पुलिस विभाग और एनआरडीए ने मिलकर कार्रवाई की. इस दौरान अवैध जमीन पर बन रहे कई मकानों को बुलडोजर चलाकर ध्वस्त किया गया. वहीं डुमरतराई पटवारी हल्का नं 74, खसरा नंबर 279/11 रकबा 2.8330 हेक्टेयर के भाग 0.10 हेक्टेयर भूमि पर अतिक्रमण कर बनाए गए बाउंड्री वाल को राजस्व और नगर निगम की संयुक्त टीम ने हटाया. रायपुर जिले के एसडीएम नंद कुमार चौबे ने बताया कि एनआरडीए और राजस्व विभाग ने संयुक्त रूप से यह कार्रवाई की है. उन्होंने कहा कि टेमरी में अवैध प्लाटिंग की सूचनाएं लगातार मिल रही थीं, जिसके बाद राजस्व विभाग ने सुबह अपनी टीम भेजी और अवैध निर्माण को हटवाया. वहीं डुमरतराई में की गई कार्रवाई पर SDM चौबे ने स्पष्ट किया कि सरकारी जमीन थी, जिस पर कब्जा कर अवैध निर्माण किया गया था.

बजरंग केमिकल डिस्टिलरी कंपनी के खिलाफ कर्मचारियों ने खोला मोर्चा

आरंग, 6 अक्टूबर। रायपर जिले के आरंग स्थित बंजरंग केमिकल कंपनी के कर्मचारियों ने सोमवार को मोर्चा खोल दिया है. कर्मचारियों का कहना है कि उन्हें महज 200 रुपए रोजी पर 8 घंटे काम कराया जाता है. इसलिए वे अब वेतन बढ़ाने की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे है. इनमें बड़ी संख्या में महिलाएं भी शामिल हुई हैं. वेतन वृद्धि को लेकर कर्मचारियों का प्रदर्शन जानकारी के मुताबिक, बजरंग केमिकल डिस्टिलरी कंपनी के कर्मचारियों में कम वेतन मिलने से नाराजगी है. इसी को लेकर आज सुबह बड़ी संख्या में कर्मचारियों ने सड़क पर बैठकर प्रदर्शन शुरू कर दिया. इसमें बड़ी संख्या में महिलाएं भी शामिल हुई हैं. वे वेतन बढ़ाने की मांग की कर रहे हैं. खबर लिखे जाने तक कंपनी की ओर से इस मामले में कोई जवाब नहीं आया है.

फ्लैट से सोने की चेन पार

रायपुर, 6 अक्टूबर। पाथर्वी प्रेसिफिक टाटीबंध स्थित फ्लैट से नौकरानी ने सोने का चेन पार कर दिया। प्रार्थी की शिकायत पर आमानाका पुलिस ने अज्ञात नौकरानी के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी अभिमन्यु गुप्ता 27 वर्ष पाथर्वी प्रेसिफिक टाटीबंध में रहता है। बताया जाता है कि प्रार्थी के घर एक दिन के लिए एक अज्ञात नौकरानी काम करने आई और टेबल में रखे सोने की चेन पार कर दिया। चोरी गए चेन की कीमत करीब 90 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। प्रार्थी की शिकायत पर आमानाका पुलिस ने अज्ञात नौकरानी के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

हाइवा की टक्कर से स्कूटी सवार युवती की मौत

रायपुर, 6 अक्टूबर। ग्राम अमेरी मेन रोड में हाइवा की टक्कर से स्कूटी सवार युवती की मौत हो गई। मामले में मंदिरहसौछ पुलिस ने हाइवा चालक के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार ग्राम अमेरी निवासी मृतिका रानी कुर्रे 34 वर्ष अपनी स्कूटी से कहीं जा रही थी, तभी ग्राम अमेरी के मेनरोड में हाइवा क्रमांक सीजी 09 जेके 5502 के चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए स्कूटी को टक्कर मार दिया। जिससे रानी की मौके पर ही मौत हो गई।

रायपुर में धीरेंद्र शास्त्री बोले- हिन्दुओं को गुलामी की आदत

धर्मांतरण पर कहा- इच्छा से करें तो दिक्कत नहीं, छत्तीसगढ़ में गौ-अभयारण्य बनाने की मांग

रायपुर, 6 अक्टूबर। रायपुर में बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की कथा चल रही है। वो दो दिन अपना दिव्य दरबार भी लगाएंगे। रविवार को प्रेसवार्ता में पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि हिन्दुओं को गुलामी की आदत लग चुकी है। बार-बार जगाना पड़ता है।

इसके साथ ही, धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने कहा कि वे जल्द ही छत्तीसगढ़ में पदयात्रा करेंगे। जशपुर में कथा करने की भी इच्छा भी जताई। उन्होंने बताया कि वे 17 नवंबर को दिल्ली से वृंदावन के लिए रवाना होंगे। इसके अलावा साथ ही 8 देशों की यात्रा के अपने अनुभव भी साझा किए।

पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि मान्यता तभी मिलती है जब विषय का अध्ययन विदेश में किया गया हो। इसलिए, वे जल्द ही कैम्ब्रिज जाकर अलौकिक शक्तियों पर अध्ययन करेंगे। इसके बाद, वे विदेशों में दरबार लगाएंगे।

धर्मांतरण पर बोले- कोई अपनी इच्छा से करें तो कोई बात नहीं: पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने छत्तीसगढ़ सरकार से इस दौरान गायों की सुरक्षा के लिए गौ अभयारण्य बनाने की मांग भी की। धर्मांतरण पर कहा कि कोई अपनी इच्छा से करे तो कोई बात नहीं, इसमें हम कुछ नहीं कर सकते, लेकिन लालच देकर, जबरदस्ती धर्म परिवर्तन कराने वालों को सख्त सजा मिलनी चाहिए।

8 अक्टूबर तक रायपुर में रहेंगे धीरेंद्र शास्त्री : पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री 8 अक्टूबर तक रायपुर में रहेंगे। सुरक्षा की दृष्टि से भारी संख्या में पुलिस फोर्स तैनात रहेगी। गुढ़ियारी के परिसर को सीसीटीवी कैमरों से लैस किया गया है। इस कार्यक्रम में किसी भी तरह का विवाद ना हो, इसलिए पुलिस के अलावा 5 हजार बाउंसर्स भी तैनात रहेंगे।

8 हजार से ज्यादा लोग दे रहे सेवा: 'दिवंगत पुरुषोत्तम अग्रवाल स्मृति फाउंडेशन' के मीडिया कोऑर्डिनेटर सौरभ कुमार ने बताया कि, आयोजन के दौरान लाखों श्रद्धालु आएंगे। श्रद्धालुओं को कार्यक्रम स्थल तक पहुंचने में बुजुर्गों और दिव्यांगों को परेशानी ना हो, इसलिए 4 से 8 अक्टूबर तक निःशुल्क 200 ई-रिक्शा चलाया जाएगा। इन रिक्शों से कहीं से भी कथा स्थल तक आना-जाना कर सकते हैं। भक्तों के लिए रोजाना रात 9 और सुबह 10 बजे भोजन (भंडारा) की व्यवस्था निःशुल्क की गई है। वहीं 8 हजार से ज्यादा लोग सेवा देंगे।

यहां खड़ी कर सकेंगे गाड़ियां : कथा सुनने के लिए पहुंचने वाली श्रद्धालुओं के लिए समिति ने पॉर्किंग की व्यवस्था की है। साइंस कॉलेज मैदान, कोटा मैदान, डब्ल्यूआरएस कॉलोनी स्थित मैदान में कार-बाइक श्रद्धालु खड़ी कर सकेंगे।

आई लव मोहम्मद से दिक्कत नहीं आई लव महादेव से भी नहीं होना चाहिए

आई लव मोहम्मद के विवाद पर पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि, हमें इससे कोई दिक्कत नहीं, लेकिन ये सब जिन वजहों से किया जा रहा, उससे दिक्कत है। जो लोग ये कर रहे हैं, उनका ट्रीटमेंट भी सही से किया जा रहा है। जो लोग इसे सही कह रहे उन्हें आगे फिर आई लव महादेव से भी दिक्कत नहीं होनी चाहिए।

बोले- दीदी के रहते बंगाल नहीं जाएंगे, दादा जब आएंगे, तब जाएंगे; कोलकाता में कथा रद्द होने पर कहा- थैंक यू बोल देना

बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पं. धीरेंद्र शास्त्री ने कहा है कि वे ममता बनर्जी के मुख्यमंत्री रहते पश्चिम बंगाल में कथा नहीं करेंगे। उन्होंने कहा- अभी हमको पश्चिम बंगाल जाना था, तो दीदी ने हमको मना कर दिया। परमिशन ही कैंसिल हो गई। दीदी जब तक हैं, तब तक नहीं जाएंगे, दादा जब आएंगे तो जाएंगे। दरअसल, कोलकाता में 10, 11 और 12 अक्टूबर को शास्त्री की हनुमंत कथा होनी थी। बारिश की वजह से इसकी परमिशन रद्द कर दी गई। किसी और जगह पर कथा के लिए भी अनुमति नहीं मिली। जिसके चलते शास्त्री ने अब इसे स्थगित कर दिया है।

बोले- न तो राजनीति के पक्ष में, न विरोध में : शास्त्री ने रविवार को छत्तीसगढ़ के रायपुर में कहा- अभी हमको पश्चिम बंगाल जाना था, तो दीदी ने हमको मना कर दिया। समझ गए हम किसकी बात कर रहे हैं, नाम नहीं लेना चाहते हैं...लो, परमिशन ही कैंसिल हो गई और दूसरी जगह परमिशन नहीं मिल रही। जहां थी, वहां पानी भर गया। फिर किसी ने कहा कि अब क्या कहोगे तो हमने कहा थैंक्यू बोल देना। इसका मतलब ये थोड़ी है कि हम अपना कार्य छोड़ देंगे। दीदी जब तक हैं, तब तक नहीं जाएंगे। दादा जब आएंगे तो जाएंगे। पर भगवान करे कि दीदी बनी रहे। हमें उनसे कोई दिक्कत नहीं। लेकिन बुद्धि ठीक रखें, धर्म के खिलाफन जाएं। हम किसी राजनीति के पक्ष में नहीं हैं, न ही विरोध में हैं। हम सनातन के पक्ष में है। हिंदुत्व के पक्ष में थे और रहेंगे। धीरेंद्र शास्त्री बोले कि जब तक तन में प्राण रहेंगे, हम हिंदुत्व के लिए ही जीएंगे। धीरेंद्र शास्त्री बोले कि जब तक तन में प्राण रहेंगे, हम हिंदुत्व के लिए ही जीएंगे।

अधर्म के खिलाफआवाज उठाना भी धर्म रायपुर में शास्त्री ने कहा- घंटी बजाना, पूजा करना और तिलक लगाना ही धर्म नहीं है, बल्कि अधर्म के खिलाफआवाज उठाना भी धर्म है। उन्होंने यह भी कहा कि उनके पीछे पूरे भारत के विधर्मी लगे हैं, लेकिन उनका प्रण है कि जब तक तन में प्राण रहेंगे, वे हिंदुत्व के लिए ही जीएंगे।

भाजपा ने बघेल को कांग्रेस का पेटीएम बताया

हिमाचल के अलावा किसी राज्य में नहीं जीती कांग्रेस; बिहार में इन 4 जिम्मेदारियों को संभालेंगे पूर्व-सीएम

रायपुर, 6 अक्टूबर। कांग्रेस ने बिहार विधानसभा चुनाव के लिए छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री और सीनियर नेता भूपेश बघेल को सीनियर ऑब्जर्वर नियुक्त किया है। यह फैसला सिर्फ एक संगठनात्मक जिम्मेदारी ही नहीं, बल्कि कांग्रेस की रणनीति का हिस्सा है।

बघेल पहले भी कई राज्यों में चुनावी पर्यवेक्षक रह चुके हैं। 2024 लोकसभा चुनाव में जब राहुल गांधी रायबरेली से चुनाव लड़े थे, तब भी बघेल को वहां की जिम्मेदारी दी गई थी, जहां कांग्रेस ने बड़ी जीत दर्ज की थी।

अब उन्हें बिहार जैसे राज्य में भेजा गया है, जहां जातीय समीकरण राजनीति का आधार हैं। बिहार की राजनीति लंबे समय से जातीय ध्रुवीकरण पर चल रही है- लालू प्रसाद यादव, नीतीश कुमार और अब नरेंद्र मोदी तक। कांग्रेस अब एक मजबूत ब्रैक्ड चेहरे के जरिए अपनी पकड़ बनाना चाहती है।

ऐसे में भूपेश बघेल का ब्रैक्ड नेता होना कांग्रेस के लिए एक बड़ा सोशल-पॉलिटिकल कार्ड है। वे छत्तीसगढ़ में कुर्मी समुदाय से आते हैं, जो बिहार में भी एक प्रभावशाली OBC समूह है।

हिमाचल प्रदेश के अलावा किसी राज्य में नहीं जीत पाई कांग्रेस: छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री रहते हुए भूपेश बघेल को हिमाचल प्रदेश, यूपी, झारखंड, असम और महाराष्ट्र के चुनावों में अहम जिम्मेदारी निभा चुके हैं। हिमाचल प्रदेश के चुनाव में कांग्रेस ने 68 में से 40 सीटों पर जीत दर्ज की थी, लेकिन बाकी के राज्यों में यह जादू नहीं चल पाया।

यूपी में कांग्रेस 403 में से महज 2 सीटें ही जीत पाई। असम में 15 साल तक सत्ता में रहने के बाद कांग्रेस को लगातार दोबारा हार का सामना करना पड़ा। झारखंड चुनाव में भी 16 सीटें जीतकर कांग्रेस तीसरे नंबर पर रही। महाराष्ट्र के चुनाव में भी कांग्रेस को हार का सामना करना पड़ा, ऐसे में देखना होगा कि भूपेश बघेल की रणनीति से बिहार चुनाव में पार्टी को कितना फायदा होता है।

भूपेश बघेल को नई जिम्मेदारी मिलने पर राजनीतिक वार-पलटवार का दौर भी शुरू हो चुका है। भाजपा सांसद संतोष पांडेय ने कहा कि भूपेश बघेल प्रियंका गांधी और राहुल गांधी का एटीएम है, बिहार में भी कांग्रेस का बंटाधार निश्चित है, जिस राज्य के प्रभारी रहे, वहां कांग्रेस हारी है, क्या बिहार जाकर वो छत्तीसगढ़ का शराब घोटाला बताएंगे या किस तरह नौजवानों को सट्टेबाजी की लत लगाने के बारे में बताएंगे।

वहीं कांग्रेस कह रही है कि भूपेश बघेल कई राज्यों के प्रभारी रहे हैं। जब भी भूपेश बघेल को बड़ी जिम्मेदारी मिलती है तो भाजपा के नेताओं को तकलीफ होती है। भूपेश बघेल ने कांग्रेस अध्यक्ष के तौर पर 15 साल की भाजपा सरकार को हटा दिया।

कांग्रेस के संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि इस बार भी सरकारी एजेंसियों की मदद से भाजपा की सरकार आई है, धीरे-धीरे भाजपा का संघर्ष सामने आ रहा है।

बघेल की जिम्मेदारी होगी

गठबंधन की सटीक रणनीति बनाना। जमीनी स्तर पर कार्यकर्ताओं को एक्टिव करना। मजबूत उम्मीदवारों की पहचान करना। हाईकमान तक सही रिपोर्ट देना।

क्या बनेंगे कांग्रेस के 'क्राइसिस मैनेजर'

राहुल गांधी और कांग्रेस हाईकमान की नजर में बघेल अब एक ऐसे नेता बन गए हैं, जो हर मुश्किल चुनावी हालात में भेजे जाते हैं। रायबरेली की जीत हो या हिमाचल की रणनीति, बघेल ने हर बार पार्टी को मजबूती दी है। अब देखने वाली बात होगी कि क्या वे बिहार में भी कोई चमत्कार कर पाते हैं या नहीं। कांग्रेस ने लंबे समय से OBC लीडरशिप को सामने नहीं रखा था, लेकिन अब बघेल को आगे लाकर पार्टी एक नया सामाजिक संतुलन बनाना चाहती है। इसके अलावा, बघेल की कार्यशैली जमीनी मानी जाती है। पार्टी कार्यकर्ताओं से सीधे संवाद, लोकल नेटवर्किंग और गठबंधन सहयोगियों से तालमेल उनकी ताकत है। बिहार में कांग्रेस की स्थिति कमजोर है। वहां क्षेत्रीय दलों का दबदबा है और जातीय समीकरण काफी जटिल हैं। ऐसे में पार्टी चाहती है कि बघेल का अनुभव यहां काम आए।

राष्ट्रीय अध्यक्ष वरुण चौधरी की उपस्थिति में गृह मंत्री निवास का घेराव करेगी एनएसयूआई

रायपुर, 6 अक्टूबर। प्रदेश में बढ़ते अपराध, फैलती नशाखोरी और छात्र नेताओं पर दर्ज की जा रही फर्जी एफआईआर के विरोध में राष्ट्रीय छात्र संघ ने आंदोलन का बिगुल फूंक दिया है। इसी क्रम में मंगलवार, 7 अक्टूबर को एनएसयूआई द्वारा गृह मंत्री निवास घेराव किया जाएगा। इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष वरुण चौधरी आज रायपुर पहुँच रहे हैं।

एनएसयूआई की ओर से बताया गया कि घेराव से पहले प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक और 'वोट चोरी के खिलाफ हस्ताक्षर अभियान' भी आयोजित किया जाएगा। संगठन का कहना है कि यह आंदोलन प्रदेश की बिगड़ती कानून-व्यवस्था, छात्रों पर हो रहे अत्याचार और नशाखोरी के बढ़ते खतरे के विरोध में युवाओं की एक सशक्त आवाज़ बनेगा। कार्यक्रम के तहत कार्यकर्ता कांग्रेस भवन, गांधी मैदान (जिला मुख्यालय) से रैली निकालकर ओसीएम चौक होते हुए गृह मंत्री निवास तक मार्च करेंगे। घेराव शाम 4 बजे से शुरू होगा।

महावीर गुर्जर ने कहा-सरकार मूकदर्शक बनी हुई है : प्रदेश प्रभारी महावीर गुर्जर ने राज्य सरकार पर कानून-व्यवस्था को लेकर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में अपराध और नशाखोरी चरम पर है, जबकि सरकार मूकदर्शक बनी हुई है। कॉलेजों और विश्वविद्यालयों के बाहर नशे का कारोबार बढ़ता जा रहा है, लेकिन प्रशासन चुप है। एनएसयूआई छात्रों और युवाओं के भविष्य के लिए सड़कों पर उतरेगी। गृह मंत्री निवास घेराव इस असंवेदनशील तंत्र को चेतावनी देने का काम करेगा।

नीरज पांडे बोले- छात्र नेताओं को आवाज़ उठाने की सज़ा दी जा रही है: एनएसयूआई के प्रदेश अध्यक्ष नीरज पांडे ने कहा कि प्रदेश में छात्र नेताओं को अपनी बात रखने के लिए झूठे मुकदमों में फँसाया जा रहा है। यह लोकतंत्र और छात्रों के अधिकारों पर सीधा प्रहार है। ह्स्छ्ठ ऐसे अन्याय को बर्दाश्त नहीं करेगी। युवाओं की ताक़त से हम इस अन्याय के खिलाफ आवाज़ बुलंद करेंगे, उन्होंने कहा। एनएसयूआई ने दावा किया है कि प्रदेश के सभी जिलों से सैकड़ों कार्यकर्ता रायपुर पहुँचेंगे और सरकार को युवाओं की आवाज़ सुनने के लिए मजबूर करेंगे। संगठन ने कहा कि यदि माँगों पर ध्यान नहीं दिया गया, तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा।

एनएसयूआई की मांग

- छात्र नेताओं पर दर्ज की जा रही फर्जी एफआईआर का विरोध
- बढ़ते अपराधों पर नियंत्रण की मांग
- नशाखोरी और मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफकठोर कार्रवाई की मांग

मंत्री नेताम ने कांग्रेस पर कसा तंज, भाजपा के विजय रथ को रोक सके नहीं है किसी में दम

रायपुर, 6 अक्टूबर। कांग्रेस में जिला अध्यक्षों की दावेदारी को लेकर मंत्री रामविचार नेताम ने तंज कसा है.

उन्होंने कहा कि सब घोड़े एक जगह जमा हो गए हैं. सभी घोड़े की स्थिति खराब है. कांग्रेस का कोई भी घोड़ा टिकने वाला नहीं है. भाजपा का रथ बहुत तेजी के आगे बढ़ रहा. जिसे रोकने का किसी में ना ही दुस्साहस है और ना ही क्षमता.

धान खरीदी को लेकर मंत्री नेताम का बड़ा बयान: छत्तीसगढ़ में जल्द ही धान खरीदी की शुरुआत होने वाली है. कृषि मंत्री राम विचार नेताम ने इसे लेकर बड़ा बयान दिया है. उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में नवंबर से धान खरीदी की शुरुआत होगी. सरकार किसानों से प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान की खरीदी करेगी. उन्होंने कहा कि फ्लिहाल प्रदेश में लगातार बारिश हो रही है. इसके बाद धान खरीदी की शुरुआत करेंगे.

बीजेपी प्रदेश कार्यालय में सहयोग केंद्र की शुरूआत : मंत्री रामविचार नेताम ने आज फिर से ठाकरे परिसर में सहयोग केंद्र की शुरूआत को लेकर कहा कि पहले की सरकार में भी सहयोग केंद्र खोले गए थे. यहां बारी-बारी से मंत्रियों की ड्यूटी लगती है. कार्यकर्ता अपनी समस्याओं को रखते हैं. सहयोग के माध्यम से निराकरण किया जाता है.

रायपुर रेलवे स्टेशन पर कुलियों का प्रदर्शन

- बैटरी गाड़ी के खिलाफ कर रहे विरोध, क्रांति सेना और जोहार पार्टी का मिला समर्थन

रायपुर, 6 अक्टूबर। रायपुर रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की सुविधा के लिए बैटरी चलित वाहन शुरू करने के फैसले के खिलाफकुलियों का विरोध नहीं थम रहा है. इस कदम को अपनी आजीविका पर बड़ा संकट बताते हुए बड़ी संख्या में कुलि आज प्लेटफॉर्म नंबर 1 पर लामबंद हुए. रेलवे लाइसेंसी पोर्टर्स के बैनर तले कुली प्रदर्शन कर रहे हैं और न्याय की मांग कर रहे हैं. प्रदर्शन कर रहे कुलियों का कहना है कि रेलवे में आधुनिकीकरण और निजीकरण के कारण उनकी आजीविका पर भीषण संकट मंडरा रहा है. महंगाई के दौर में उनकी सीमित आमदनी से परिवार का पालन-पोषण करना लगभग असंभव हो गया है. रेलवे ने कुलियों की सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कई आदेश जारी किए थे, जैसे उनके बच्चों को रेलवे विद्यालयों में मुफ्त शिक्षा, परिवार के सदस्यों के लिए निःशुल्क चिकित्सा व्यवस्था, प्रतिवर्ष चार वर्दी प्रदान करना और आधुनिक सुविधाओं से युक्त विश्रामालय उपलब्ध कराना. ये सभी प्रावधान अभी तक जमीनी स्तर पर लागू नहीं हो पाए हैं. विशेष रूप से रायपुर मंडल में कुलियों की उपस्थितिऔर स्टेशनों पर बैटरी चालित वाहनों की निःशुल्क सेवा उपलब्ध होने के बावजूद सामान ढोने का ठेकेदारी कार्य एक निजी कंपनी को सौंप दिया है–प्रति यात्री 50 रुपये तथा प्रति लगेज 30 रुपये की दर से. यह कुलियों की आजीविका का हनन है. गौरतलब है कि रेल्वे लायसेंसी पोर्टर्स मजदूर सहकारी संस्था मर्यादित, रायपुर ने 22 सितंबर को मंडल रेल प्रबंधक को ज्ञापन दिया था.

राजिम-रायपुर मेमू ट्रेन से गिरकर यात्री घायल

अभनपुर, 6 अक्टूबर। मानिकचौरी रेलवे स्टेशन पर एक दर्दनाक हादसा सामने आया है, जिसमें चलती ट्रेन से गिरने के कारण एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया. स्थानीय लोगों की तत्परता और संवेदनशीलता के चलते युवक को समय रहते अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है. गोबरा नवापारा नगर के भोईपारा निवासी पारस कंडरा अपने परिवार के साथ रायपुर जाने के लिए मेमू ट्रेन में सवार हुआ था. जानकारी के अनुसार, राजिम स्टेशन पर टिकट काउंटर से टिकट न मिलने के कारण उसने बिना टिकट यात्रा शुरू की. जब ट्रेन मानिकचौरी स्टेशन पहुंची, तो पारस टिकट लेने के लिए प्लेटफॉर्म पर उतरा. इस दौरान ट्रेन अचानक चल पड़ी, और ट्रेन पकड़ने की कोशिश में वह फ्सिलकर नीचे गिर गया. हादसे में पारस गंभीर रूप से घायल हो गया. हादसे के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत संवेदनशीलता दिखाते हुए घायल पारस को उठाया और पुलिस के पहुंचने से पहले ही उसे नजदीकी अस्पताल पहुंचाया. उनकी इस त्वरित कार्रवाई से युवक को समय पर चिकित्सा सहायता मिल सकी.

व्यवस्था | सड़कों से हटाएं मनमाने स्पीड ब्रेकर

बिलासपुर-रायपुर एनएच व कई सड़कों पर फिर बना दिए जानलेवा स्पीड ब्रेकर

रायपुर, 6 अक्टूबर। सात साल पहले हाई कोर्ट की नाराजगी के बाद एनएच समेत कई सड़कों से स्पीड ब्रेकर हटाए गए थे, लेकिन बिलासपुर- रायपुर एनएच समेत कई सड़कों पर फिर से ऐसे स्पीड ब्रेकर बना दिए गए हैं। बिलासपुर से रायपुर के बीच एनएचएआई की सड़क पर आधा दर्जन से अधिक जगहों पर स्पीड ब्रेकर अब हादसों की वजह बन रहे हैं। चिंता की बात यह है कि ये स्पीड ब्रेकर इस तरह से बनाए गए हैं कि गाड़ी चलाने वाले को अचानक नजर आते हैं। इसके अलावा शहर के अंदर, रेलवे क्षेत्र की सड़कों पर कई जगह खतरनाक स्पीड ब्रेकर बना दिए गए हैं। बता दें कि केंद्रीय परिवहन मंत्री ने संसद में स्वीकार किया था कि देशभर में हर साल हजारों लोगों की मौत स्पीड ब्रेकरों के कारण होती है। बिलासपुर के सरकंडा निवासी डीडी आहूजा ने वर्ष 2018 में सीनियर एडवोकेट सुनील ओटवानी के जरिए हाई कोर्ट में जनहित याचिका लगाई थी। इसमें मांग की थी कि राज्य की सड़कों पर जगह- जगह स्पीड ब्रेकर्स बनाए गए हैं। यह इंडियन रोड कांग्रेस द्वारा निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं है। ऐसे ब्रेकर को तत्काल प्रभाव से हटाया जाए। यह भी बताया कि राज्य में सड़कों का निर्माण एनएचएआई, लोक निर्माण विभाग, नगर निगमों, नगर परिषदों और ग्राम पंचायत आदि कराते हैं। लेकिन वे इंडियन रोड कांग्रेस के मानकों का पालन नहीं करते।

एनएच, एक्सप्रेस वे पर नहीं होने चाहिए ब्रेकर: सुनवाई के दौरान यह भी बताया गया कि इंडियन रोड कांग्रेस और ट्रैफिक इंजीनियरिंग के अनुसार एनएच और एक्सप्रेस वे पर स्पीड ब्रेकर नहीं होने चाहिए। क्योंकि ये सड़कें वाहनों के तेज चलने के अनुसार डिजाइन कर बनाई जाती हैं, लेकिन छत्तीसगढ़ में ऐसा नहीं हो रहा है। कुछ जगहों पर ब्रेकर बनाने की अनुमति होती है, लेकिन उसके लिए मानक निर्धारित हैं। जैसे वाहनों को नुकसान नहीं होना चाहिए। आसपास शोर, कंपन आदि नहीं होना चाहिए।

हाई कोर्ट की नाराजगी से प्रदेशभर से हटाए गए थे ब्रेकर: हाई कोर्ट की नाराजगी के बाद लोक निर्माण विभाग ने प्रदेशभर में सड़कों पर बनाए गए अनधिकृत और गैरजरूरी स्पीड ब्रेकर हटाए थे। विभाग के तत्कालीन प्रमुख अभियंता ने सभी मुख्य अभियंताओं ऐसे स्पीड ब्रेकरों को तुरंत हटाकर फोटो सहित रिपोर्ट मांगी थी।

सरकार ने बताया था- जिला स्तर पर कमेटी करेगी निगरानी: इस सिलसिले में वर्ष 2020 में राज्य सरकार ने शपथ पत्र देकर अदालत को बताया था कि राज्य में सभी अनधिकृत स्पीड ब्रेकर हटा दिए गए हैं और संबंधित जिलों में इन मामलों से निपटने के लिए समितियों का गठन किया जा चुका है।

इन सड़कों पर सबसे ज्यादा ब्रेकर

- बिलासपुर-रायपुर एनएच।
- मंगला महर्षि स्कूल से उसलापुर रेलवे स्टेशन तक।
- कोटा रोड में छोटा चोरभट्ठी से चोरभट्ठी तक।
- रतनपुर- केंदा रोड में कई जगह
- कोटा से लोरमी जाने वाली सड़क पर।
- सफेद खदान और ढेका के आगे।
- नर्मदा नगर रोड, मोपका रोड, राजकिशोर नगर , नया बस स्टैंड तिफरा परसदा, रतनपुर रोड सेंदरी के पास।

कलेक्टर दर पर सात महीने बाद भी नहीं हो पाया फैसला

टालना पड़ा जमीन की कीमत में वृद्धि का प्रस्ताव

रायपुर, 6 अक्टूबर। पंजीयन विभाग ने 7 महीने पहले जमीन की गाइड लाइन दर में वृद्धि करने की प्रक्रिया प्रारंभ की थी, लेकिन राज्य शासन स्तर पर निर्णय नहीं होने के कारण छत्तीसगढ़ में अचल संपत्ति व जमीन की नई कलेक्टर गाइडलाइन दरें बढ़ाने का प्रस्ताव टालना पड़ गया है. यही वजह है कि वर्तमान में 7 साल वर्ष 2017 की कलेक्टर गाइडलाइन दरें ही लागू हैं.

शासन ने 8 माह पहले अचल संपत्ति का बाजार मूल्य मार्गदर्शिका सिद्धांत वर्ष 2025-26 निर्धारित करने के संबंध में सभी जिला कलेक्टरों को दिशा-निर्देश जारी किए थे. आंकड़ों के संकलन व विश्लेषण दस्तावेजों के आधार पर प्रचलित बाजार मूल्य व गाइडलाइन दर में न्यूनतम संभावित अंतर सुनिश्चित किया जाना है.

नए सिरे से कलेक्टर गाइडलाइन दर तैयार करने के लिए निर्धारित मापदंड व दिशा-निर्देश के अनुरूप अचल संपत्ति व जमीन की सर्वे का काम पूरा किया जा चुका है. जिला स्तरीय समितियों की ओर से जमीन की कलेक्टर गाइडलाइन दर में डेढ़ से दो गुना तक वृद्धि प्रस्तावित की गई है.

गाइडलाइन दर बढ़ने से किसानों को होगा फायदा

राज्य शासन द्वारा नियमानुसार प्रतिवर्ष जमीन व अन्य अचल संपत्तियों की बाजार मूल्य दरों कोपुनरीक्षण किए जाने का प्रावधान है, लेकिन शासन इसको लेकर गंभीर नजर नहीं आ रहा है. सरकार का दावा है कि जमीन की गाइडलाइन दरों में वृद्धि होने से भू- अर्जन व मुआवजा प्रकरणों में किसानों व भूमिस्वामियों को फायदा होगा. प्रदेश में कई बड़ी परियोजनाएं प्रस्तावित हैं, जिसके लिए सरकार कई गांवों में सैकड़ों एकड़ भूमि का अर्जन कर रही है.

कौशल किशोर मिश्र प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी की ओर से तरुण छत्तीसगढ़, तरुण छत्तीसगढ़ प्रेस टॉवर, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं प्रकाशित प्रधान संपादक- कौशल किशोर मिश्र, पंजी. क्रं. 45088/85 डाक पं.छ.ग./रायपुर संभाग/33/2024-26